धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

सुप्रभात

रांची, शुक्रवार

07.03.2025

* * नगर संस्करण। पेज : 12

खबर मन्त्र

khabarmantralive.com

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | फाल्गुन, कृष्ण पक्ष, अष्टमी, संवत् 2081 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 234

12 सरकार के व्यापक प्रयास का हिस्सा : अन्नपूर्णा

अवैध खनन मामले की जांच विस कमेटी करेगी

हंगामे के बाद स्पीकर ने कमिटी गठित करने की बात स्वीकारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विधानसभा के बजट सत्र में गुरुवार को माले विधायक अरूप चटर्जी और चंद्रदेव महतो ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के तहत कोयलांचल क्षेत्र में सरकारी और रैयती जमीन पर बिना अधिग्रहण के अवैध खनन, ओबी डंपिंग और रैयतों के साथ गुंडागर्दी का मामला उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कोल इंडिया राज्य सरकार की जमीन पर अवैध खनन कर रहा है। उन्होंने कहा राज्य सरकार केंद्र सरकार पर 1.36 करोड़ रुपये बकाया होने का मुद्दा उठाती रहती है, लेकिन सरकारी जमीन पर हो रहे अवैध खनन पर ध्यान नहीं दे रही है। इस सवाल के जवाब में भू-राजस्व मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि पूरे मामले को गंभीरता से देखे जाने की आवश्यकता है। सदन में मौजूद कई विधायकों ने इस पूरे मामले की जांच विधानसभा की कमेटी से कराने की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने इस मामले में कमिटी गठित करने की बात स्वीकार की और कहा कि इस पर उचित निर्णय लेकर सदन को सूचित किया जायेगा।

नदियों में भी डाली जा रही ओबी डंपिंग

विधायक सरयू राय ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि कोल कंपनियां ओबी डंपिंग नदियों में भी कर रही हैं। इससे पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है। विधायक जयराम महतो ने कहा कि यह मामला भले ही माले विधायक अरूप चटर्जी और चंद्रदेव महतो ने उठाया हो, लेकिन, इस समस्या से कोयलांचल क्षेत्र के हर विधायक परिचित हैं। इससे ऐसा लगता है कि यह लोकतंत्र नहीं बल्कि लठैत तंत्र बन गया है। उन्होंने कहा कि देवप्रभा कंपनी के साथ प्रशासन नहीं है, बल्कि प्रशासन ही उनका है।

रसोईयों को अब हर माह मिलेंगे 3000 रुपये

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार ने रसोईयों के मानदेय में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। विधानसभा बजट सत्र के दौरान सदन में विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने सवाल पर मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि अब रसोईया को तीन हजार रुपये मिलेंगे। दरअसल, श्री तिवारी ने सवाल उठाया कि 18 से 50 वर्ष की महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना के तहत 2500 रुपये मिल रहे हैं, जबकि दिव्यांग, रसोईयां और सहिया सेविकाओं को केवल 2000 रुपये दिये जा रहे हैं। इस सवाल के जवाब में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने उक्त बातें कही। मंत्री ने कहा कि सरकार की कोशिश रहेगी कि राशि रसोईयों को होली से पहले जाये। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने 2000 को बढ़ाकर 3000 रुपये करने का प्रस्ताव दिया था, जिसे तृतीय अनुपूरक बजट में स्वीकृति मिल गयी है। इसके तहत रसोईयों के

मानदेय को 2000 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि पहले 2000 रुपये में केंद्र सरकार का योगदान 600 रुपये और राज्य सरकार का 1400 रुपये था। इसे हेमंत सोरेन सरकार ने बढ़ाकर 3000 रुपये करने का सराहनीय कदम उठाया है। इसके पहले श्री तिवारी ने काम करने वाली रसोईयां और स्वास्थ्य सहियाओं को कम और बिना काम करने वाली महिलाओं को ज्यादा पैसा मिलने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर महिलाओं में विवाद पैदा हो गया है। सरकार महिला सशक्तिकरण की बात करती है, लेकिन क्या स्कूल में खाना बनाने वाली रसोईयां महिला नहीं है, जो सरकार उनके साथ पक्षपात कर रही है। सत्ता पक्ष के विधायक रामेश्वर उरांव ने अपनी ही सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि सैलरी काम और पेंशन प्रोत्साहन के लिये दिया जाता है। उन्होंने मंईयां सम्मान योजना की तारीफ की।

हंगामे के बाद भाजपा ने किया वॉकआउट

रांची। बजट सत्र के आठवें दिन गुरूवार को प्रश्नकाल के दौरान मंईयां के बराबर वृद्ध, दिव्यांग और विधवा को पेंशन के मुद्दे पर सदन में विपक्षी सदस्यों ने जमकर हंगामा किया। भाजपा विधायक दिव्यांग पेंशन बढ़ाने की मांग को लेकर वेल में पहुंचे और जमकर हंगामा किया। स्पीकर ने काफी समझाने की कोशिश की, लेकिन भाजपा विधायक नहीं माने। स्पीकर ने भाजपा विधायकों से कहा कि आप सदन को बाधित भी करेंगे और प्रश्न का जवाब भी लेंगे। चित भी आपका पट भी आपका। ऐसा नहीं होता है। इसके बाद भाजपा विधायक सदन से वॉकआउट कर गये।

चान्हो में डबल मर्डर से दहशत

12 घंटे में पुलिस ने किया खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

चान्हो, रांची। राजधानी रांची के चान्हो थाना क्षेत्र स्थित आनंदशीला आश्रम में हुए डबल मर्डर केस में शामिल चार अपराधियों को पुलिस ने 12 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। आनंदशीला आश्रम में बुधवार की देर रात आश्रम एक साधु और उसके एक चेले की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। इस दोहरे हत्याकांड से पूरे इलाके में दहशत का माहौल था। बुधवार देर रात हुई इस वारदात में साधु मुकेश साह (50) पिता दिलीप कुमार शाह, आरपी रोड खलीफाबाग पोस्ट जगदा, भागलपुर, बिहार का रहने वाला था। वहीं उनका साथी राजेंद्र यादव (36) पिता, गणेश यादव, ग्राम साढ़म, थाना बुढ़मू जिला रांची का रहने वाला था। (शेष 11 पर)

हत्या का आरोपी था राजेंद्र यादव

मृतकों में दूसरा राजेंद्र यादव बुढ़मु थाने में जून 2024 में दर्ज हत्याकांड का एक अभियुक्त था और वह फरार चल रहा था। आश्रम में रहने वाले अन्य लोगों ने बताया कि दिन में वह कहीं और रहता था जबकि रात में आश्रम में चला आता था। पुलिस के अनुसार जून 2024 में राजेंद्र पर अपने भाई की पत्नी और एक बच्चे की हत्या का आरोप था, इस हत्याकांड के मामले को लेकर राजेंद्र के परिजन पहले से ही जेल में है जबकि वह फरार चल रहा था।

जुबली पहाड़ी में आग डेंजर जोन पर खतरा

गिरिडीह। सीसीएल गिरिडीह कोलियरी के जुबली पहाड़ी में भीषण आग लग गयी। गुरुवार की दोपहर लगी आग धीरे-धीरे पहाड़ी के कई हिस्सों में फैल गयी। आग की लपट फैलते फैलते पहाड़ी के ऊपर स्थित मैगजीन हाउस तक पहुंचने लगी। जुबली पहाड़ी का इलाका काफी संवेदनशील है। पहाड़ के ऊपर में सीसीएल का मैगजीन हाउस है, जहां पर बारूद रखा जाता है। तलहटी में सीसीएल डीएवी पब्लिक स्कूल अवस्थित है। जिला प्रशासन और सीसीएल प्रबंधन एक्टिव तुरंत ही अग्निशमन विभाग को दलबल के साथ भेजा गया। आग से वन विभाग के द्वारा हजारों पौधे झुलस गये हैं। आग लगभग 2 किलोमीटर इलाके में लगी है। आग एनएच 114 ए तक भी पहुंच गयी है।

भाजपा विधायकों ने मरांडी को चुना नेता

केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में सर्वसम्मति से घोषणा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्रीय पर्यवेक्षक की मौजूदगी में बाबूलाल मरांडी को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुन लिया गया। श्री मरांडी झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष होंगे। विधायक राज सिन्हा, डॉ नीरा यादव, नवीन जायसवाल और प्रकाश राम ने श्री मरांडी के नाम का प्रस्ताव किया था, जिसे सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया। गुरूवार को पार्टी मुख्यालय में विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति ने उन्हें नेता चुना। इसकी घोषणा केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने की। बैठक केंद्रीय पर्यवेक्षक, प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी, क्षेत्रीय संगठन

महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित विधायकगण शामिल थे। विधायक दल का नेता चुने जाने पर पार्टी नेताओं ने श्री मरांडी को बधाई दी। इस अवसर पर भूपेंद्र यादव ने कहा कि बाबूलाल मरांडी ने गरीबों के जीवन में परिवर्त्तन लाने के लिये संघर्ष किया है। पीएम के नेतृत्व में भाजपा विकसित भारत के सपनों को साकार करेगी। श्री यादव ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विधायक दल के नेता चयन हम दोनों को पर्यवेक्षकों बनाया था। सर्व सम्मति से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को नेता विधायक दल चुना गया। उन्होंने कहा कि झारखंड में मोदी सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिये भाजपा बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में सदन से सड़क तक संघर्ष करेगी। (शेष 11 पर)

न्यूज डायरी

स्पीकर से नेता प्रतिपक्ष को मान्यता देने का आग्रह

रांची। झारखंड प्रदेश भाजपा ने विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो से सदन में नेता प्रतिपक्ष की मान्यता प्रदान करने का आग्रह गुरुवार को किया है। पार्टी ने उन्हें बाबूलाल मरांडी के भाजपा के विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद पत्र सौंपा और आग्रह किया। पार्टी ने केंद्रीय पर्यवेक्षक भूपेंद्र यादव और डॉ के लक्ष्मण की ओर से हस्ताक्षारित पत्र भी उन्हें सौंपा।

स्थिरता ही विकास की पहली गारंटी: के राजू

मेदिनीनगर। कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के राजू गुरूवार को कहा कि राज्य में सरकार के स्थायित्व को लेकर किसी को भ्रम में नहीं रहना चाहिए। हमारा रिश्ता जन कल्याणकारी हितों के लिए है और यह रिश्ता अटूट है। उन्होंने कहा कि स्थिरता किसी भी सरकार के विकास की पहली गारन्टी है और कांग्रेस का हेमन्त सोरेन को खुला समर्थन प्राप्त है। वह गुरुवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विस परिणाम के बाद पार्टी जनों में उत्साह का माहौल है।

जयशंकर की सुरक्षा में चूक पर भड़का भारत

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री जयशंकर ब्रिटेन और आयरलैंड के छह दिनों के दौरे पर हैं। लंदन में उन्होंने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और विदेश मंत्री डेविड लैमी से मुलाकात की। थिंक टैंक के कार्यक्रम के बाद वह जैसे ही वह बाहर निकले। खालिस्तानी झंडे लेकर कुछ लोगों ने भारत विरोधी नारेबाजी की। एक खालिस्तानी प्रदर्शनकारी ने उनकी कार का रास्ता रोक लिया। तिरंगा फाड़ दिया। इस घटना की भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ी निंदा की है और ब्रिटिश सरकार का उसके राजनयिक दायित्वों का निर्वहन करने की सलाह दी। गुरुवार को ब्रिटेन ने अपनी सफाई में इस चूक की निंदा की। अराजकतत्वों को चेतावनी दी कि किसी भी तरह के धमकी देने या डराने की कोशिशें अस्वीकार्य हैं।

अफीम के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

चतरा। एक गुप्त सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर 2.2 किलो अवैध अफीम के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	: 80600 रु./10 ग्राम
चांदी	: 1,02,000 रु./प्रति किलो

राष्ट्रीय पार्टी बनने की ओर झामुमो अग्रसर

अप्रैल महाधिवेशन में कई राज्यों के प्रतिनिधि जुटेंगे

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा अब क्षेत्रीय दल की छवि से बाहर निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने की रणनीति बना रहा है। इसी को लेकर 14 और 15 अप्रैल को रांची के खेलगांव में पार्टी का महाधिवेशन आयोजित किया जायेगा। झामुमो महासचिव विनोद पांडे ने बताया कि इस महाधिवेशन में झारखंड के साथ-साथ बंगाल, ओड़िशा, तमिलनाडु, बिहार और छत्तीसगढ़ के 3,600 प्रतिनिधि शामिल होंगे।

बनेगी नयी केंद्रीय समिति: विनोद पांडे ने बताया कि महाधिवेशन की शुरूआत अंबेडकर जयंती (14 अप्रैल) से की जाएगी। इस दौरान झामुमो की केंद्रीय समिति को भंग कर नई समिति का गठन किया जाएगा। महाधिवेशन के लिए अप्रैल के पहले सप्ताह में प्रतिनिधियों का पंजीयन और शुल्क जमा करने की प्रक्रिया शुरू होगी। (शेष 11 पर)

आंदोलनकारियों को पहचान पत्र सौंपा गया

रामगढ़। डीसी चंदन कुमार ने जिला अंतर्गत सभी अंचल अधिकारियों को उनके-उनके क्षेत्र में चिन्हित झारखंड आंदोलनकारी जिन्होंने झारखंड राज्य के गठन में योगदान दिया है उन्हें पहचान पत्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। इसी क्रम में गुरुवार को अंचल कार्यालय गोला में चिन्हित 173 में से 32 एवं अंचल कार्यालय दुलमी में चिन्हित 27 में 15 झारखंड आंदोलनकारियों को पहचान पत्र उपलब्ध कराया गया। बचे झारखंड आंदोलनकारियों को भी जल्द ही पहचान पत्र उपलब्ध करा दिया जाएगा।

एससी/एसटी मामले में इडी ने दिया जवाब

सीएम की ओर से सरकार ने और समय की मांग की

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सीएम हेमंत सोरेन द्वारा दायर शिकायत पर इडी के अधिकारियों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट में दर्ज एफआईआर को सीबीआइ या अन्य स्वतंत्र एजेंसी को देने का आग्रह करने वाले ईडी के अधिकारी देवव्रत झा की याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में ईडी की ओर से राज्य सरकार एवं सीएम हेमंत सोरेन के जवाब पर अपना प्रति उत्तर दिया गया। इसके बाद हेमंत सोरेन एवं सरकार की ओर से ईडी के जवाब (प्रति उत्तर) का अवलोकन करने के लिए कोर्ट से दो सप्ताह के समय की मांग की गई। ईडी की ओर से अधिवक्ता एके दास, सौरभ कुमार और जोहेब हुसैन ने पैरवी की।

ईडी के वरिष्ठ अधिकारी देवव्रत झा की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर आग्रह किया गया है कि इस मामले में गोंदा पुलिस द्वारा ईडी के अधिकारी को प्रताड़ित करने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में इस मामले की जांच का जिम्मा सीबीआई या अन्य स्वतंत्र एजेंसी को सौपा जाये। बता दे कि यह एफआईआर झारखंड पुलिस द्वारा एससी/एसटी एक्ट के तहत रांची के एससी/एसटी पुलिस थाना में दर्ज की गयी है। यह एफआईआर हेमंत सोरेन सोरेन की दिल्ली आवास पर ईडी द्वारा की गई तलाशी के संबंध में एक शिकायत को लेकर की गयी है। एफआईआर में इडी के अतिरिक्त निदेशक कपिल राज, तत्कालीन सहायक निदेशक देवव्रत झा और अनुमान कुमार और अमन पटेल के साथ-साथ अज्ञात अधिकारियों का नाम शामिल है।

गंगा सफाई पर वादा भूल गये मोदी : खड़गे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि पीएम मोदी गंगा सफाई पर अपना वादा भूल गये। कांग्रेस नेता ने कहा कि 11 साल पहले मां गंगा की सफाई के लिए नमामि गंगा योजना शुरू कर वादा किया था। वैादा किया था कि वह गंगा को निर्मल बना देंगे। सच यह है कि इस अभियान के लिए आवंटित आधी राशि खर्च ही नहीं हुई। जो पैसा खर्च हुआ उससे गंगा साफ नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अक्सर वादा तो करती है, पर उसे कभी पूरा नहीं करती। गंगा सफाई का वादा भी फेल हो गया।

अब कोई मसला नहीं, एकमात्र हल पीओके की वापसी

जम्मू-कश्मीर हमारा अभिन्न हिस्सा था और रहेगा : जयशंकर

एजेंसी

लंदन। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर मसले का एकमात्र बाकी हल पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले हिस्से की वापसी है। विदेश मंत्री ने कहा, हम जिस चीज का इंतजार कर रहे हैं, वह कश्मीर के चोरी हुए हिस्से की वापसी है, जो अवैध पाकिस्तानी कब्जे में है। जब ऐसा किया जायेगा, तो मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, कश्मीर मसला हल हो जायेगा। भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि जम्मू-कश्मीर देश का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। (शेष पेज11 पर)

तीन प्रक्रिया पर भारत कार्यरत

जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान ने भारत से जो हिस्सा (पीओके) चुराया है, अब उसकी वापसी का इंतजार है। उस हिस्से के भारत में शामिल होते ही जम्मू-कश्मीर में पूरी तरह से शांति स्थापित हो जायेगी। उन्होंने घाटी में शांति का फॉर्मूला बताते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में शांति बहाल करने की पूरी प्रक्रिया तीन चरणों में अपनायी गयी। सबसे पहले आर्टिकल 370 हटाया गया। इसके बाद दूसरा कदम कश्मीर में विकास और आर्थिक गतिविधि के साथ सामाजिक न्याय को बहाल करना था। वहीं, तीसरा कदम अच्छे वोटिंग प्रतिशत के साथ मतदान कराना था। उन्होंने यहां चैथम हॉल में संवाद कार्यक्रम में एक पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल के जवाब में कही। पाकिस्तानी पत्रकार ने पूछा था कि अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शांति एवं बातचीत से विवादों के समाधान के पक्षधर हैं तो क्या पीएम मोदी कश्मीर के मसले के समाधान के लिए बात करेंगे। उन्होंने कहा, पिछले कुछ हफ्तों में हमने जो कुछ भी देखा है, वह वैसा ही है जैसी हमें पहले से उम्मीद थी। मुझे तो इस बात का आश्चर्य है, लोग आश्चर्यचकित हो रहे हैं।

उच्च पदों पर बैठे भ्रष्ट तत्व हत्यारों से भी बड़ी समस्या : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि, उच्च पदों पर बैठे लोग बेखौफ होकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं, जिनके कारण देश में आर्थिक अशांति पैदा हुई है। न्यायालय ने लोक सेवा में लगे अधिकारियों के भ्रष्टाचार की निंदा की। अदालत ने कहा कि, सरकार और राजनीतिक दलों के उंचे पदों पर बैठे लोग भ्रष्ट तत्व हैं और ऐसे तत्व किराये के हत्यारों से भी बड़ी समस्या है। जस्टिस जे बी पारदीवाला और आर महादेवन की बेंच ने देश में व्याप्त भ्रष्टाचार की गहरी जड़ें होने की निंदा की। बेंच ने कहा कि अगर भ्रष्टाचार के बारे में लोगों की धारणा का एक अंश भी सच है, तो यह सच से बहुत दूर नहीं है कि उच्च पदों पर बैठे लोगों द्वारा बेखौफ होकर किये जा रहे भ्रष्टाचार के कारण ही इस देश में आर्थिक अशांति पैदा हुई है। पीठ ने 3 मार्च को अपने आदेश में कहा, यदि किसी से पूछा जाये कि हमारे समाज की समृद्धि की ओर प्रगति को रोकने वाला एकमात्र कारक कौन सा है, तो निस्संदेह वह भ्रष्टाचार है। यदि विकासशील देश में समाज को कानून और व्यवस्था के लिए किराये के हत्यारों से भी बड़ी समस्या का सामना करना पड़ता है, तो वह सरकार और राजनीतिक दलों के उच्च पदों पर बैठे भ्रष्ट तत्वों से है।

चेक पोस्ट बंद होने से राज्य को हो रहा नुकसान : कल्पना

झामुमो विधायक ने सदन में अंतरराज्यीय बॉर्डर पर बंद चेक पोस्ट का मामला उठाया

अगले तीन माह में चेक पोस्ट फिर से किया जायेगा शुरू : दीपक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झामुमो विधायक कल्पना मूर्मू सोरेन ने विधानसभा में अंतरराज्यीय बॉर्डर पर बंद चेक पोस्ट का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले सात-आठ सालों से अंतरराज्यीय बॉर्डर पर बने चेक पोस्ट बंद हैं। इससे राज्य सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। चेक पोस्ट चालू होने से राज्य के राजस्व में वृद्धि होगी। इस पर मंत्री दीपक बिरुआ ने जवाब दिया कि किसी कारणवश इन चेक पोस्टों को बंद किया गया था। हालांकि, बाद में इसे ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से चालू किया गया था। लेकिन 2017 से यह बंद है। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगले तीन माह के अंदर इस व्यवस्था को फिर से शुरू किया जायेगा। इस पर वित और संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने विधायक कल्पना मूर्मू को इस प्रश्न को सदन में लाने के लिए धन्यवाद और बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा राज्य के हित से जुड़ा हुआ है। चेक पोस्ट बंद होने से राज्य को करोड़ों का नुकसान हो रहा है। उन्होंने मंत्री से अपील की कि इसे जल्द से जल्द शुरू करें।

चतरा में रिकॉर्ड रूम में भू-दस्तावेजों की हो रही हेराफेरी : जनार्दन पासवान : विधानसभा में विधायक जनार्दन पासवान ने रिकॉर्ड रूम में भू-दस्तावेजों की हेराफेरी का गंभीर मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि भूमि माफिया अवैध रूप से सरकारी और निजी जमीनों के कागजात में हेरफेर कर जमीन की बिक्री कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाये। ताकि जमीन घोटाले पर रोक लगाई जा सके। उन्होंने कहा कि यदि इस पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो गरीबों और आम जनता की जमीन पर कब्जा करने की घटनाएं और बढ़ सकती हैं। स्पीकर ने इस मुद्दे पर सरकार से जवाब देने को कहा और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मंईयां योजना पीढ़ी को बेहतर बनाने वाली योजना : चमरा लिंडा

रांची। विधानसभा बजट सत्र के आठवें दिन प्रश्नकाल में विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने विधवा, दिव्यांग, रसोईयां और स्वास्थ्य सहियाओं को भी मंईयां योजना का लाभ देने का मामला उठाया। इस पर मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि मंईयां योजना पीढ़ी दर पीढ़ी को आगे बढ़ाने वाली योजना है। उन्होंने कहा कि मंईयां योजना को विधवा या वृद्धा पेंशन से तुलना नहीं की जा सकती है। मंईयां योजना के पैसे से कुपोषण को रोका जा रहा है। इससे बच्चों के स्वास्थ्य और एजुकेशन बेहतर हो रहा है। साथ ही यह पलायन को भी रोक रहा है। लेकिन वृद्धा पेंशन में इस तरह की संभावनाएं नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुये कहा कि आदिवासियों में कुपोषणा का मामला अधिक है। मंईयां योजना के पैसे से मां और बच्चे दोनों के कुपोषण को रोका जा सकेगा। वहीं स्वास्थ्य पर बात करते हुये कहा कि मां के पास पैसा होगा तो वो अपने बच्चों का इलाज करा पायेगी। एजुकेशन पर बोलते हुये मंत्री ने कहा कि अगर एक मां अपने बच्चे को पढ़ाना चाहती है तो यह तभी संभव है, जब उसके पास पैसा होगा। उन्होंने कहा कि मंईयां योजना के पैसे से पीढ़ी दर पीढ़ी को बेहतर करने वाली योजना है। इस योजना से राज्य में व्यापक परिवर्तन आयेगा। आने वाले कल में झारखंड से गरीबी, कुपोषण और स्वास्थ्य बेतहर होगा। जबकि, विधवा या वृद्धा पेंशन एकल योजना है। लेकिन मंईयां योजना का पैसा पूरे समाज के लिये है। एक महिला अगर बेहतर होगी तो पूरा समाज बेहतर होगा। लेकिन एक पुरुष बेहतर होता तो सिर्फ उसका घर बेहतर होता है।

खबर एक नजर में

होली से पहले पहुंचेगी मंईयां सम्मान योजना की एक साथ तीन किस्त, लाभुकों के खाते में जायेंगे 7,500 रु.

रांची। झारखंड में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर हर चौक-चौराहे पर इस बात की चर्चा हो रही है कि योजना की छठी, सांतवी और आठवीं किस्त कब जारी होगी? इसे लेकर विधानसभा में मंत्रियों ने स्पष्ट किया कि निर्धारित तिथि के अनुसार, होली से पहले सभी लाभार्थियों के खाते में राशि भेजी जाएगी। मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने बताया कि सरकार बेटी-बहन के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि पहले किस्त के तहत 1000 से 2500 रुपये का वितरण पहले ही तय तिथि पर किया गया था, लेकिन बीच में कुछ त्रुटियों के कारण मामूली देरी हुई। इन त्रुटियों को दूर कर अब सभी लाभार्थियों के खाते में राशि स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि मंईयां सम्मान योजना की सभी किस्तें अब प्रमंडलवार लाभार्थियों के खातों में भेजने का काम शुरू कर दिया गया है। प्रभारी मंत्री चमरा लिंडा ने भी आश्वासन दिया कि 8 मार्च के बाद से होली से पहले सभी के खाते में पैसा पहुंच जाएगा। विभाग ने इस संबंध में पूरी तैयारी कर ली है और सरकार अपने वादे से कभी पीछे नहीं हटेगी।

जदयू ने लगाया सरकार पर 1000 करोड़ रुपये के जल जीवन मिशन में घोटाले का आरोप

रांची। जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सोमैन दत्ता ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि झारखंड में जल जीवन योजना के नाम पर 1000 करोड़ रुपये का बड़ा घोटाला हुआ है। इसका खुलासा करते हुए प्रवक्ता ने झामुमो सरकार से तत्काल इसकी जवाबदेही लेने की बात कही है। प्रदेश प्रवक्ता सोमैन दत्ता के अनुसार, यह योजना जो ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई थी, भ्रष्टाचार का शिकार हो गई है और सरकार के अधिकारियों ने जनता की मुसीबतों को नजरअंदाज करते हुए अपनी जेबें भरी हैं। प्रदेश प्रवक्ता ने झामुमो सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि 1000 करोड़ रुपये का घोटाला झारखंड की जनता के साथ विश्वासघात है। इस सरकार ने जनता की भलाई के नाम पर सिर्फ अपने व्यक्तिगत लाभ को प्राथमिकता दी है।

112 में सूचना मिलने पर करें त्वरित कार्रवाई : सुमन गुप्ता

रांची। राज्य में इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम (ईआरएसएस) के तहत डायल 112 की समीक्षा एडीजी आधुनिकीकरण सह प्रशिक्षण सुमन गुप्ता ने की। बैठक के दौरान ईआरएसएस के उद्देश्य की समीक्षा करते हुए डायल-112 के अंतर्गत दी जाने वाली सेवाएं, आपातकालीन स्थिति में विशेष तौर पर महिलाओं, बच्चों, वृद्धों को त्वरित गति से सहायता पहुंचाने, साथ ही एंबुलेंस या फायर बिग्रेड से संबंधित सेवाओं पर बल दिया गया। समीक्षा के क्रम में इस तथ्य से भी उन्होंने अवगत कराया कि डायल-112 एकमात्र इमरजेंसी रिस्पांस नंबर है, जो चौबीसों घंटे आम जनता की सेवा के लिए एकीकृत प्रणाली के तौर पर बनाया गया है। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए उन्होंने जिलों के एसपी को आदेश दिया कि जिला स्तर पर डीएसपी रैंक के नोडल पदाधिकारी डायल-112 की समीक्षा एवं आपातकालीन सेवाओं को इससे जोड़ने के लिए वांछित कार्रवाई करना सुनि>ित करेंगे। आम जनता के बीच डायल-112 का व्यापक प्रचार-प्रसार सार्वजनिक स्थल, ऑटो रिक्शा, सिटी बस, महिला महाविद्यालय, बैंक, अस्पताल, एटीएम, कोचिंग सेंटर, विद्यालय में करने का निर्देश एडीजी ने लिया। बैठक में जगुआर डीआईजी सह 112 के सेंट्रल डेस्क के नोडल पदाधिकारी इन्द्रजीत महथा, एसपी अभियान अमित रेणु, एसपी वायरलेस एवं संचार हरविन्दर सिंह, सीसीआर डीएसपी श्रीराम समद समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एसआई ऋषिकांत की जमानत पर हुई आंशिक सुनवाई

रांची। एसीबी के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार सिंह की अदालत में गुरुवार को रिश्वत मामले में जेल में बंद कोतवाली थाने में तैनात पूर्व सब इंस्पेक्टर ऋषिकांत की ओर दाखिल जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान याचिका के अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह महाराणा ने बहस की। उन्होंने कहा कि मामले में वह निर्दोष है। उसे फंसाया गया है। वही, एसीबी के अधिवक्ता ने इसका विरोध किया। दोनों की पक्ष सुनने के बाद अदालत ने केस डायरी की मांग की। साथ ही, अगली सुनवाई की तारीख 21 मार्च निर्धारित की है। एसीबी टीम ने दाखिल की है। सब-इंस्पेक्टर ऋषिकांत पर आरोप है कि उन्होंने ओम शंकर गुप्ता से मोबाइल छोड़ने के एवज में 5000 रुपये की मांग की थी।

रेमडेसिविर की कलाबाजारी पर आरोप गठन अब 25 को

रांची। रेमडेसिविर दवा की कालाबाजारी मामले में मुख्य आरोपी राजीव कुमार सिंह एवं मनीष कुमार सिन्हा के खिलाफ आरोप गठन पर सुनवाई अब 25 मार्च को होगी। मामले में सुनवाई की तारीख को आरोप गठन के बिंदु पर सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 25 मार्च निर्धारित की है। अदालत ने दोनों की डिस्चार्ज याचिका बीते 6 अप्रैल को खारिज कर चुकी है। मामले की सुनवाई साइबर क्राइम एंड ड्रग कॉस्मेटिक मामले के विशेष न्यायाधीश मनीष रंजन की अदालत मे हो रही है। कालाबाजारी को लेकर कोतवाली थाना में कांड संख्या 107ध2021 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। राजीव कुमार सिंह जेल जाने के बाद वर्तमान में जमानत पर चल रहा है।

पूजा सिंघल ईडी कोर्ट में जब्त दस्तावेजों का किया निरीक्षण

रांची। मनरेगा घोटाले से प्राप्त राशि का मनी लाउंड्रिंग करने के आरोप में ट्रायल फेस कर रही सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग की सचिव पूजा सिंघल गुरुवार को पीएमएलए कोर्ट पहुंचीं और ईडी द्वारा जब्त अभिप्रमाणित दस्तावेज का निरीक्षण की। मामले में आरोपी सीए सुमन कुमार भी पहुंचा था। कोर्ट रूम में जज के सामने दोपहर एक बजे तक दस्तावेज का निरीक्षण अपने सहयोगी के साथ की। इसके बाद वह सिविल कोर्ट से बाहर निकलीं। मामले में गुरुवार को सुनवाई की तारीख निर्धारित थी। वही, मामले में जेल में बंद आरोपियों को वीसी से पेश किया गया। मामले में ईडी की ओर से सबूत प्रस्तुत किया जा रहा है। लेकिन, अभिप्रमाणित दस्तावेज निरीक्षण किये जाने के कारण मामला लंबित चल रहा है। मालूम हो कि पूजा सिंघल जेल से निकलने के बाद राज्य सरकार ने उनका निलंबन वापस करते हुये महत्वपूर्ण पद दिया है।

जमीन घोटालेबाजों को जल्द सौंपा जायेगा पुलिस पेपर

रांची। बड़गाई अंचल के 8.46 एकड़ जमीन घोटाले में आरोपियों को पुलिस पेपर सौंपा जाना है। मामले के कुछ आरोपियों ने अब तक पुलिस पेपर नहीं प्राप्त किया है। ऐसे आरोपियों को पुलिस पेपर 19 मार्च को सौंपा जा सकता है। मामले में सुनवाई के दौरान पीएमएल कोर्ट में अगली तारीख 19 मार्च निर्धारित की है। मामले में बीते 5 फरवरी को कुछ आरोपियों को पुलिस पेपर को सौंपा गया था। वहीं, जेल में बंद आरोपियों की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी की गई। जमानत पर चल रह आरोपियों की ओर से अधिवक्ता एवं सशरीर उपस्थित होकर हाजिरी दी। हेमंत सोरेन जमानत पर चल रहे हैं। उनकी ओर से वकील ने हाजिरी दी। मामले में हेमंत सोरेनए बड़गाई अंचल के निलंबित राजस्व कर्मचारी भानु प्रताप प्रसाद, झामुमो नेता अंतु तिर्की, मो सद्दाम, मो अफसर अली, विपिन सिंह, प्रियरंजन सहाय, इरसाद अख्तर, शेखर कुशवाहा, मो इरशाद, तापस घोष और चौकीदार संजीत कुमार को पुलिस पेपर सौंपा जाना है।

कैजुअल ब्रॉडकास्ट असिस्टेंट को आकाशवाणी रांची ने मांगे अवेदन

रांची। आकाशवाणी रांची की ओर से कैजुअल ब्रॉडकास्ट असिस्टेंट का पैनल बनाने के लिए आवेदन पत्र मांगा गया है। इसका प्रकाशन आकाशवाणी के वेबसाइट के वैकेंसी क्षेत्र और प्रादेशिक समाचार एकांश के एक हैंडल पर प्रकाशित किया गया है। आकाशवाणी रांची की संवाददाता शहर आर एन यू प्रमुख शिल्पी ने बताया कि योग्य उम्मीदवार संबंधित वेबसाइट से आवेदन प्रपत्र डाउनलोड कर अपना आवेदन 28 मार्च तक उप महानिदेशक अभियंत्रण सह कार्यालय प्रमुख आकाशवाणी रातू रोड रांची के पते पर स्पीड पोस्ट या रजिस्टर्ड पोस्ट से भेज सकते हैं।

कोयला कंपनी के सुरक्षा अधिकारी व अन्य के पास से मिले 10 लाख के अवैध लेन देन के सबूत

रांची। सीबीआई को सीसीएल के गिद्दी-ए और अरगड्डा कोलियारी में औचक निरीक्षण के दौरान सुरक्षा अधिकारी सहित तीन लोगों के पास से 10 लाख रुपये के अवैध लेन देन के सबूत मिले हैं। सभी लेन देन डिजिटल हैं। इससे पहले रैलीगढ़ा और गिद्दी-सी में औचक निरीक्षण के दौरान सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार के मोबाइल में भी 10 लाख रुपये के अवैध लेन देन के सबूत मिले थे। सीबीआई को इस बात की गुप्त सूचना मिली थी कि सीसीएल के गिद्दी-ए और अरगड्डा कोलियरियों में कोयला उठाव करने के दौरान अवैध वसूली के लिए एक गिरोह सक्रिय है। इसमें सीसीएल के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। इस सूचना पर सीबीआई (एसीबी) रांची के अधिकारियों के दल ने गुरुवार को हजारीबाग जिले में सीसीएफ की गिद्दी-ए और अरगड्डा कोलियरी में औचक निरीक्षण किया इस दौरान सुरक्षा अधिकारी अयोध्या करमाली, क्लर्क मुकेश कुमार और प्रकाश महली के मोबाइल आदि की जांच की गयी। जांच के दौरान इनके मोबाइल में कोयले के उठाव से जुड़े मामलों में पैसा लेने के ब्योरे मिले। प्रारंभिक जांच के दौरान अवैध लेन देन की रकम 10 लाख रुपये पायी गयी। मामले में आगे की जांच जारी है।

मरांडी का कार्यकर्ताओं ने किया अभिनंदन

रांची। बाबूलाल मरांडी को भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने अभिनंदन किया। यह आयोजन भाजपा मुख्यालय में किया गया था। इसका नेतृत्व महानगर अध्यक्ष वरूण साहू ने किया। इस अवसर पर श्री साहू ने कहा कि बाबूलाल मरांडी के नेता प्रतिपक्ष बनने से झारखंड की राजनीति को एक नई दिशा मिलेगी। अगले 5 साल तक भाजपा मजबूती से विधानसभा में जनता का पक्ष रखने का कार्य करेगी। स्वागत करने वालों में बलराम सिंह, राम मनोज साहू, आलमगीर आलम, कुमुद झा, आदि शामिल थे।

प्रदेश कांग्रेस में होगा प्रोफेशनल तरीके से काम, एससी, एसटी ओबीसी और अल्पसंख्यक के लिए बनेगा वर्किंग ग्रुप : के. राजू

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची/पलामू। झारखंड के पांच दिवसीय दौरेके क्रम में पलामू पहुंचे प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के रजू ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस पार्टी एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक के लिए एक वर्किंग ग्रुप बनाएगी। यह वर्किंग ग्रुप प्रोफेशनल तरीके से काम करेगा और एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समाज के लोगों की समस्याओं को जानेगा।

के. राजू पलामू में कांग्रेस के प्रमंडल स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए पहुंचे थे। मीडिया से बातचीत में के. राजू ने कहा कि झारखंड में अनुसूचित जाति के लिए सलाहकार समिति का गठन किया गया है। यह अनुसूचित जनजाति सलाहकार समिति की तरह ही संवैधानिक अंग है। उन्होंने बताया कि पूरे देश में झारखंड में ही अनुसूचित जाति सलाहकार समिति का गठन किया गया है।

कांग्रेस अधिवेश का निर्णय झारखंड में लागू होगा : के.राजू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक के लिए एक वर्किंग ग्रुप बनाएगी। यह वर्किंग ग्रुप डाटा को तैयार करेगा और उसका अध्ययन करेगा। वर्किंग ग्रुप के माध्यम से सरकार को कई बिंदुओं पर जानकारी दी जाएगी, ताकि उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। उन्होंने बताया कि पार्टी के रायपुर अधिवेशन में यह निर्णय लिया गया है कि एससी, एसटी, ओबीसी को संगठन में 50 प्रतिशत जगह देनी है। कांग्रेस झारखंड में अधिवेशन के निर्णय को शत प्रतिशत लागू करेगी।

झारखंड में कांग्रेस को किया जा रहा मजबूत : प्रदेश अध्यक्ष

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि पूरे झारखंड में पार्टी को मजबूत किया जा रहा है। जिला अध्यक्ष यह पहचान पाएंगे कि बूथ स्तर पर उनका कौन-कौन कार्यकर्ता हैं। कांग्रेस जमीनी स्तर पर खुद को मजबूत कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि पूरे झारखंड का दौरा किया जा रहा है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की जिले के अधिकारियों के साथ बैठक

सीईओ ने दिया राजनीतिक दलों के साथ बैठक करने का निर्देश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के रवि कुमार ने सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों (डीईओ) और निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के साथ बैठक की। इसमें उन्हें निर्देश दिया है कि वे मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक करें। इस दौरान निर्वाचन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करें। यह बैठक भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के तहत की जाएगी। श्री कुमार ने बताया कि हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित एक बैठक में राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ राजनीतिक दलों के चुनाव से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई।

उन्होंने कहा कि सभी ईआरओ को 17 मार्च तक अपने स्तर पर राजनीतिक दलों से बैठक करने का आदेश दिया गया है और 19 मार्च तक इसका प्रतिवेदन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में जमा करना सुनि>ित करें। वहीं जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को 22 मार्च तक बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया गया है और 25 मार्च तक प्रतिवेदन मुख्य कार्यालय में जमा करना होगा। श्री कुमार ने यह भी कहा कि इन सभी प्रतिवेदनों को एकत्रित कर राज्य स्तर पर बैठक की जाएगी और अंत में भारत निर्वाचन आयोग को अंतिम प्रतिवेदन भेजा जाएगा। इस बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता और एफ्फ्ढ गढ़वा संजय कुमार सहित कई अन्य निर्वाचन अधिकारी भी उपस्थित थे।

ब्राउन शुगर कारोबार में शामिल पुलिस जवान समेत तीन गिरफ्तार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। ब्राउन शुगर कारोबार में शामिल झारखंड पुलिस का जवान समेत तीन व्यक्ति गिरफ्तार किए गए हैं। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए जैप का सिपाही रमीज रजा के अलावा राजा साहा और सुजीत कुमार को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने 11.27 ग्राम ब्राउन शुगर, 1.98 लाख रुपया समेत अन्य सामान बरामद किया है।

गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि गोंदा थाना क्षेत्र के धावननगर से गांधीनगर की तरफ आने वाल रोड से स्कूटी पर सवार लोगों के नशीला पदार्थ के कारोबार और लाने की सूचना प्राप्त हुई थी। जिसके बाद चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान धावननगर से गांधीनगर की तरफ से आते एक स्कूटी को रोका गया। स्कूटी पर सवार दोनों युवक ने अपना अपना नाम रमीज रजा और राजा साहा बताया। विधिवत तलाशी लेने पर दोनों के पास ब्राउन शुगर बरामद हुआ। राजा साह के द्वारा ब्राउन शुगर ओमनगर, धावननगर के सुजीत कुमार के पास से लाने की बात बताने पर सुजीत कुमार के घर पर भी छापेमारी और तलाशी की गयी। तलाशी की कार्रवाई पर सुजीत कुमार के पास से ब्राउन शुगर और 1.98 लाख रूपया मिला। जिसे ब्राउन शुगर के कारोबार से उगाही करने को लेकर रुपए जब्त किए गए।

ईडी से केस मैनेज के नाम पर करोड़ों की वसूली मामले में पुलिस जांच पर हाईकोर्ट की रोक बरकरार

सीसीटीवी फुटेज को भी सुरक्षित रखने का आदेश बरकरार, अगली सुनवाई 27 मार्च को

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। ईडी को मैनेज करने के नाम पर छह करोड़ रुपए के लेन-देन से संबंधित मामले की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में राज्य सरकार एवं ईडी की ओर से बहस की गई। दोनों पक्षों की दलील सुनते हुए कोर्ट ने आगे की सुनवाई के लिए 27 मार्च की तिथि निर्धारित की। ईडी की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता एसवी राजू, हाई कोर्ट के अधिवक्ता अमित कुमार दास एवं सौरव कुमार ने पैरवी की। वहीं राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल एवं महाधिवक्ता राजीव रंजन ने पैरवी की। कोर्ट ने ईडी को मैनेज करने के नाम पर छह करोड़ रुपए के लेन-देन का मामले में दर्ज एफआईआर की पुलिस जांच पर पूर्व की रोक एवं अदालती कार्यवाही को बरकरार रखने के साथ-साथ पंडरा सुखदेव नगर, आदि थाना के 4 अक्टूबर 2024 से 17 अक्टूबर 2024 तक के सीसीटीवी फुटेज को भी सुरक्षित रखने के आदेश को भी 27 मार्च तक बरकरार रखा है। गुरुवार को ईडी को मैनेज करने के नाम पर छह करोड़ रुपए के लेन-देन मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग वाली ईडी की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। 4 दिसंबर 2024 को हाई कोर्ट में अंतिम आदेश पारित करते हुए सुनवाई में पंडरा ओपी और सुखदेव नगर पुलिस थाना में दर्ज एफआईआर की पुलिस जांच एवं रांची की अदालत में इससे संबंधित मामले में चल रही कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। अदालत ने राज्य सरकार को कहा था कि संबंधित थाना में लगे सीसीटीवी फुटेज को भी सुरक्षित रखा जाए, बता दें कि ईडी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर आशंका जताई है कि पंडरा ओपी और सुखदेव नगर थाना में दर्ज केस में ईडी के वरिष्ठ अधिकारियों को रांची पुलिस फंसा सकती है। उन्हें आरोपी बना सकती है। इसलिए प्राथमिकी की जांच सीबीआई से कराई जाए। इसपर सरकार की ओर से कहा गया था कि ईडी की याचिका सुनवाई योग्य नहीं है।

टेरर फंडिंग मामला : दो आरोपियों को मिली जमानत

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। चतरा के टंडवा स्थित मगध व आम्रपाली कोल परियोजना से जुड़े टेरर फंडिंग मामले के दो आरोपियों को झारखंड हाईकोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने बिंदेश्वर गंझू उर्फ बिंदु गंझू एवं मुनेश गंझू की अलग-अलग जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दोनों को जमानत की सुविधा प्रदान की। कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका को स्वीकार कर लिया।

बता दें कि टेरर फंडिंग से जुड़े केस में रांची की एनआइए की विशेष अदालत में ट्रायल चल रहा है। एनआइए ने टंडवा थाना में दर्ज कांड संख्या 2/2016 को फरवरी 2018 को टेकओवर किया था। अनुसंधान के बाद एनआइए ने मामले में 17 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। मामले में कई आरोपियों के खिलाफ आरोप गठित हो चुका है।

टीपीसी को फंड देने की हुई है पुष्टि

एनआइए ने जांच के दौरान यह पाया है कि सीसीएल, पुलिस, उग्रवादी व शांति समिति के बीच समन्वय से टेरर फंडिंग हो रही थी। तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) को फंड देने की पुष्टि हुई है। टीपीसी को लेवी देने के लिए ही उसने ऊंची दर पर मगध और आम्रपाली प्रोजेक्ट से कोयला ढुलाई का ठेका लिया था।

टेरर फंडिंग के ये हैं आरोपी : टेरर फंडिंग मामले के आरोपियों में आधुनिक पावर के तत्कालीन महाप्रबंधक महेश अग्रवाल, बीकेबी ट्रांसपोर्ट के उपाध्यक्ष विनीत अग्रवाल, सोनू अग्रवाल उर्फ अमित अग्रवाल, कारोबारी सुदेश केडिया, ट्रांसपोर्टर सुधांशु रंजन उर्फ छोटू सिंह, अजय सिंह, मास्टरमाइंड सुभान खान, टीपीसी के जोनल कमांडर आक्रमण उर्फ रवींद्र गंझू उर्फ नेताजी, क्षेत्रीय कमांडर ब्रजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता, बिंदेश्वर गंझू उर्फ बिंदु गंझू, भीखन गंझू उर्फ दीपक गंझू, प्रदीप राम, विनोद गंझू, मुनेश गंझू, बीरबल गंझू, मुकेश गंझू उर्फ मुनेश्वर गंझू, कोहराम एवं अनि>य गंझू शामिल हैं।

होमगार्ड एवं अग्निशमन विभाग खेल प्रतियोगिता का राज्यपाल ने किया शुभारंभ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। तीन दिवसीय झारखंड होमगार्ड एवं अग्निशमन विभाग खेल प्रतियोगिता 2025 का गुरुवार को धुर्वा स्थित होमगार्ड ग्राउंड पर आगाज हो चुका है। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस आयोजन में अगले तीन दिनों तक झारखंड होमगार्ड और अग्निशमन के बेहतरीन खिलाड़ी अपना दमखम दिखाएंगे।

तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में राज्य के राज्यपाल संतोष गंगवार मुख्य अतिथि के रूप भाग लिया। खेलकूद प्रतियोगिता की शुरूआत होमगार्ड जवानों के बेहतरीन परेड के द्वारा शुरू की गई।

प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने अपने जवानों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता हर पुलिस के लिए बेहद जरूरी है। प्रतियोगिता के माध्यम से जवानों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है साथ ही साथ एक दूसरे जवानों को एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का सामना करने का भी मौका मिलता है।

बेहतरीन है हमारे जवान : झारखंड के होमगार्ड जवानों और अग्निशमन विभाग के जवानों का हौसला बढ़ाते हुए राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि दोनों ही फोर्स बेहद कठिन परिस्थितियों में काम करती है। अग्निशमन दस्ते में शामिल हमारे जवान अपनी जान पर खेलकर आग पर काबू पाते है। ऐसे जवानों के हक की आवाज हमेशा उठाई जाती है हर तरह की सुविधा देने का प्लान भी तैयार किया गया है।

450 खिलाड़ी ले रहे हैं भाग

खेलकूद प्रतियोगिता में इस वर्ष लगभग 450 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं प्रतियोगिता में 10 खेलों का आयोजन किया गया है, जिनमें एथलीट्स, फुटबॉल और वॉलीबॉल भी शामिल है। तीन दिनों तक यह प्रतियोगिता चलेगा जिसमें जवानों को अपने खेल का हुनर दिखाने का मौका मिलेगा। इस मौके पर मौजूद डीजी होमगार्ड अनिल पालटा ने बताया कि इस तरह के आयोजन हमारे जवानों के लिए बेहद आवश्यक है। हमारे जवान बेहद कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं ऐसी प्रतियोगिताएं उनके लिए बेहद जरूरी है।

राज्यपाल से मिला आइसा का डेलीगेशन शिक्षा व रोजगार के मुद्दों पर राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) झारखंड की राज्य समिति का एक शिष्टमंडल गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मिला और राज्य में शिक्षा एवं रोजगार से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर एक ज्ञापन सौंपा।

शिक्षा सुधार और रोजगार नीति की मांग : शिष्टमंडल ने राज्यपाल से आग्रह किया कि झारखंड में स्थानीयता और नियोजन नीति को शीघ्र लागू किया जाए, ताकि युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। साथ ही, परीक्षा प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कानून बनाने की मांग की गई।

छात्रों के हितों को लेकर कई अहम सुझाव : आइसा प्रतिनिधियों ने राज्यपाल से झारखंड के सभी विश्वविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव कराने, प्रत्येक प्रखंड में डिग्री कॉलेज और छात्रावास स्थापित करने, विश्वविद्यालयों में नियमित सत्र संचालन और छात्रवृत्ति का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की।इसके अतिरिक्त, उन्होंने रिक्त शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्र सुरक्षा को पुख्ता करने, दिव्यांग छात्रों के लिए पूरी तरह निःशुल्क शिक्षा की गारंटी देने और राज्य में खेल अकादमी स्थापित करने की भी अपील की।

संथाली भाषा और उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने की मांग : आइसा ने ऑलचिकी लिपि को मान्यता देने और संथाली शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित करने की बात कही। साथ ही, उच्च शिक्षा शुल्क में वृद्धि पर रोक लगाने और दृष्टिबाधित छात्रों के लिए झारखंड में उच्च शिक्षा की संपूर्ण व्यवस्था उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कॉलेजों और विवि से जुड़े प्रमुख मुद्दे

आइसा ने धनबाद के पी.के राय कॉलेज, गोविंदपुर के आरएस मोर कॉलेज और पांकी के एम.के। कॉलेज में स्नातकोत्तर (पीजी) की पढ़ाई जल्द शुरू करने की मांग की। इसके अलावा, मेदनीनगर के गर्ल्स हॉस्टल का संचालन अविलंब शुरू करने, नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय, पलामू में पीएचडी साक्षात्कार जल्द संपन्न कराने और रामगढ़ कॉलेज को विश्वविद्यालय की मान्यता देने की भी मांग की।

सीएम से मिला पुलिस मेंस एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरूवार को आवासीय कार्यालय में झारखंड पुलिस एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी के साथ अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने भी झारखंड पुलिस एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनायें दी। मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट करने वालों में झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष राहुल कुमार मुर्मू, वरीय उपाध्यक्ष मोहम्मद महताब आलम, उपाध्यक्ष रोहित कुमार रजक, महामंत्री संजीव कुमार, वरीय संयुक्त सचिव संतोष कुमार महतो एवं राकेश कुमार पांडेय, संगठन सचिव मंटू कुमार, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद कमाल, और नितिन रवि, झारखंड पुलिस मेन्स एसोसिएशन के महामंत्री रमेश उरांव, उपाध्यक्ष देवचंद मुंडा, उपाध्यक्ष परमेश्वर महतो, कोषाध्यक्ष गुलाब महतो, सहायक महामंत्री लालेश्वर राम, सहायक महामंत्री तपेश्वर यादव के अलावा नरेंद्र कुमार, एवं ठाकुर दयाल महतो मौजूद थे।

रांची विवि का 38वां दीक्षांत समारोह आज डिग्री और मेडल लेने में बेटियां फिर आगे

विवि के 63 गोल्ड पर 48 में बेटियों का कब्जा, दीक्षांत मंडप तैयार, किया गया रिहर्सल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रांची विश्वविद्यालय का 38वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को विश्वविद्यालय के मोरहाबादी स्थित दीक्षांत मंडप में सुबह 11 बजे से होगा। गुरुवार को दीक्षांत शोभायात्रा को लेकर दोपहर 3 बजे से दीक्षांत मंडप में रिहर्सल किया गया। इसमें विवि के वीसी डॉ अजीत कुमार सिन्हा सहित विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे। बताते चलें कि 1 फरवरी 2024 से 31 मार्च 2025 के दौरान प्रकाशित हुए परीक्षा परिणाम के आधार पर सफल छात्र-छात्राओं को डिग्री व विषय के टॉपरों को गोल्ड मेडल प्रदान किया जाएगा। इस बार भी टॉपरों की सूची में छात्राओं ने छात्रों को पीछे छोड़ दिया है। समारोह में 63 गोल्ड मेडल बंटेंगे। इनमें 48 छात्राओं व 15 छात्रों के हिस्से आए हैं। इसके अलावा 14 प्रायोजित गोल्ड मेडल दिए जाएंगे। डिग्री प्राप्त करने में भी लड़कियां अव्वल हैं। समारोह में डिग्री प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों की संख्या 4410 है, इनमें 3291 छात्राएं और 1119 छात्र हैं।

विश्वविद्यालय के वित्त परामर्शी अजय कुमार ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार होंगे। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार और वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर मौजूद रहेंगे।

उन्होंने बताया कि डिग्री प्राप्त करनेवाले छात्र-छात्राएं ड्रेस कोड में रहेंगे। लड़कों का पहनावा- सफेद पायजामा/धोती-कुर्ता रहेगा और लड़कियों का परिधान-लाल पाड़ की सफेद साड़ी-लाल ब्लाउज या सफेद सलवार-कुर्ता और लाल दुपप्ता रहेगा। समारोह में काले रंग के परिधान में प्रवेश वर्जित रहेगा। डीएसडब्ल्यू डॉ सुदेश कुमार साहू, सीसीडीसी डॉ पीके झा, वित्त पदाधिकारी डॉ प्रीतम कुमार, प्रॉक्टर डॉ मुकुंद चंद्र मेहता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

किसी विभाग में कितनी डिग्री

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ विकास कुमार ने बताया कि दीक्षांत समारोह में स्नातकोत्तर आर्ट्स में- 2579, बीडीएस में- 1, बीएड में- 1, स्नातकोत्तर कॉमर्स में- 568, डिलिट में- 11, डीएससी में- 1, एलएलबी में- 1, एलएलएम में- 29, एमबीए में- 166, एमसीए में- 93, एमएड में- 103, एमफिल में- 45, एमबीबीएस में- 1, एमएसएन में- 1, पीएचडी में- 163, एमएससी में- 642 विद्यार्थी डिग्री प्राप्त करेंगे। जबकि, बीएससी में- 1, बीए में- 3 और बीकॉम में- 1 विद्यार्थी को डिग्री मिलेगी। जिन्होंने दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए आवेदन दिया है, ऐसे विद्यार्थियों की संख्या- 4410 है।

महिला-पुरुष में समानता लाने में सबका सहयोग जरूरी : डॉ ब्रजेश

महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रतियोगिताएं आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रांची विश?वविद्यालय स्तरीय भाषण, निबंध, स्लोगन, चित्रकला एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन आरयू के आर्यभप्त सभागार में 6 मार्च, 2025 को किया गया। रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा के दिशा निर्देश पर रांची विवि की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं इंटर्नल कमेटी (महिला कोषांग) के संयुक्त तत्वावधान में यह हुआ। विश?वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. ब्रजेश कुमार ने इसकी अध्यक्षता की।

मौके पर डॉ. ब्रजेश कुमार ने कहा कि महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं। उनके अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए हमें एकजुट होकर काम करना होगा। महिला-पुरुष समाज में दिखें, इसके लिए सभी का सहयोग आवश्यक है।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में आरयू के 32 विश्वविद्यालय विभाग एवं महाविद्यालयों के लगभग 495 एनएसएस के स्वयंसेवक शामिल रहें। प्रतियोगिता का आयोजन आर्यभप्त सभागार, विश्वविद्यालय जंतुविज्ञान विभाग एवं भूगर्भ शास्त्र विभाग में किया गया।

कार्यक्रम सुबह 10:30 बजे से प्रारंभ किया गया। यह लगभग शाम 6 बजे तक चला। सभी प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को 8 मार्च के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मुख्य समारोह में सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का सफल संचालन दिवाकर, अतुल, नैना एवं निशिता ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एनएसएस के टीम लीडर्स अंकित, रौनक, अंश, आकाश, विश्वजीत, रिकेष, प्रणव, आदर्श, आकांक्षा, जया, सुमन, दीक्षा आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

निर्णायक मंडल में शामिल सदस्य

भाषण प्रतियोगिता
डॉ सुनीता कुमारी गुप्ता, डॉ किरण कुमारी, डॉ चंचल लकड़ा, डॉ आनंद कुमार भगत
निबंध प्रतियोगिता
डॉ भारती द्विवेदी, डॉ शशांक शेखर सिन्हा, संदीप कुमार
स्लोगन प्रतियोगिता
डॉ निक्कू कुमारी, डॉ पूनम कुल्लू
चित्रकला प्रतियोगिता
डॉ लाडली रानी, डॉ रूपा वर्मा, डॉ सुनील कुमार झा
नुक्कड़ नाटक
डॉ हैप्पी भाटिया, डॉ जय नारायण महतो, डॉ प्रदीप कुमार सिंह

पुलिस की लापरवाही के कारण आरोपी बरी

रांची। लोडेड पिस्तौल के साथ जिस पुलिस टीम आरोपी को गिरफ्तार किया था। वही पुलिस टीम अदालत में आरोपी के आरोप को साबित करने नहीं पहुंची। आरोपी राज कुमार साहू को पुंदाग ओपी के तत्कालीन प्रभारी विवेक कुमार ने गुप्त सूचना के आधार पर 27 जनवरी 2023 को दीपा टोली मोती रेसिडेन्सी के पास गिरफ्तार किया था। जांच पूरी करते हुये आईओ बुद्धिलाल मुर्मू ने छह पुलिस गवाहों पुंदाग ओपी प्रभारी विवेक कुमार, स्वय अनुसंधान पदाधिकारी, एएसआई धनंजय कुमार राय, आरक्षी पीटर ओडियाए सुदेश्वर सिंह, रमेंड तिर्की के साथ दो स्वतंत्र गवाह के साथ चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें से सिर्फ एक गवाह पहुंचा। लेकिन, वह भी घटना को साबित नहीं कर सका। अभियोजन पक्ष को केस साबित करने के लिये अदालत ने पर्याप्त समय दिया। बावजूद सिर्फ दो साल पुराने मामले में विवेक कुमार को छोड़ अन्य गवाह नहीं पहुंचा। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वकील ने अपने तर्क में कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा किसी स्वतंत्र गवाह से पूछताछ नहीं की गई और यहां तक कि जब्त की गई सामग्री भी अदालत के समक्ष पेश नहीं की गई है। अभियोजन पक्ष का मामला पूरी तरह से निराधार है। इसका लाभ आरोपी को मिला। सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त 17 की अदालत ने आरोपी को सबूत के अभाव में बरी कर दिया।

खेल के प्रति जागरूकता लाने को कांके के स्कूलों में खेल महोत्सव आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जेईपीसी के राज्य परियोजना निदेशक एवं जिला शिक्षा अधीक्षक सह अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी रांची के आदेशानुसार कांके प्रखंड के सभी सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में कक्षा 1 से 5 तक के बच्चो के सर्वांगीण विकास एवं खेल के प्रति जागरूकता लाने के लिए विद्यालय स्तर पर खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय स्तर पर खेले जाने वाले खेल यथा तीन पैर रेस , रस्सी कूद, गोली चम्मच रेस, बैलून रेस, बोरा रेस, बिस्किट रेस, मेढ़क रेस, 30 मीटर दौड़ जैसे खेल आयोजित किए गये। इसमें बच्चे काफी उत्साह से सम्मिलित हुए। इस खेल महोत्सव के आयोजन में सभी संबंधित स्कूल के प्रभारी /शिक्षकों के साथ सीआरपी बीआरपी ने अपनी महती भूमिका निभाया। प्रखंड में कार्यरत बीआरपी सीआरपी /रिसोर्स शिक्षक/थैरेपिस्ट अपने संकुल के विभिन्न स्कूल में जाकर बच्चो का हौसला अफजाई किया एवं पुरस्कार देकर बच्चों को प्रोत्साहित किया। बीआरपी सीआरपी के कृष्णा प्रसाद, सुमन सुरभि, धर्मेंद्र सिंह, कुमार सिकंदर, अजय कुमार, अरविंद मिश्रा,प्रदीप मिश्रा, रविंदर ठाकुर, जैनुल अहमद, इम्तियाज अंसारी, समीउल्लाह अंसारी, एवं ललित तिर्की एवं समीर श्रीवास्तव आदि का सराहनीय सहयोग मिला।

बरियातु रोड पर चला निगम का बुलडोजर सड़क किनारे से गुमटी-दुकानें हटाई गयी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रांची नगर निगम की इनफोर्समेंट टीम ने गुरुवार को बरियातु रोड पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस कार्रवाई के तहत अवैध रूप से सड़क किनारे लगाए गए गुमटी और अस्थायी दुकानें हटाई गईं।

निगम अधिकारियों ने अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण किया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अभियान के दौरान कई दुकानदारों ने विरोध जताने की कोशिश की, लेकिन नगर निगम की टीम ने सख्ती दिखाते हुए कार्रवाई पूरी की। स्थानीय लोगों ने इस अभियान को समर्थन दिया और कहा कि अतिक्रमण से सड़क पर जाम की समस्या बढ़ती थी।

नगर निगम ने साफ कर दिया है कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

डीजीपी ने महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध होनेवाले अपराधों की समीक्षा की

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। डीजीपी अनुराग गुप्ता की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से गुरुवार को बैठक आहुत की गई।

इस बैठक में डॉ संजय आनन्द राव लाठकर, अपर पुलिस महानिदेशक, अभियान, सुमन गुप्ता, अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशि. एवं आधु., झारखण्ड, अखिलेश झा, पुलिस महानिरीक्षक, रांची, असीम विकांत मिंज, पुलिस महानिरीक्षक, अप.अनु.वि., रांची, संध्या रानी मेहता, पुलिस-उप-महानिरीक्षक, अप.अनु.वि., रांची, प्रियदर्शी आलोक, पुलिस उप-महानिरीक्षक, रेल, दीपक कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक, गढ़वा एवं वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से सभी प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक/क्षेत्रीय पुलिस उप-महानिरीक्षक / वरीय पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे।

बैठक के क्रम में पुलिस महानिदेशक झारखण्ड ने महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों की समीक्षा की एवं दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस महानिदेशक ने दिये कई निर्देश

1. सभी पुलिस अधीक्षक अपने-अपने जिलों में वैसे संस्था यथाः महिला कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, कोचिंग संस्थान, स्कूल, महिला हॉस्टल, मॉल आदि जगहों पर संगठित रूप से महिला हेल्पडेक्स खोलने हेतु आवश्यक कार्रवाई करें।
2. सभी पुलिस अधीक्षक अपने जिला में महिला हेल्पलाईन नम्बर/पुलिस कंट्रोल नम्बर को सार्वजनिक स्थल यथा- ऑटो रिक्शा/सिटी बस/महिला महाविद्यालय / मेडिकल कॉलेज / चौक-चौराहा / कोचिंग सेंटर / विद्यालय/महिला हॉस्टल आदि स्थानों पर व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे, ताकि पुलिस को गुप्त रूप से भी सूचना मिल सके एवं आवश्यक कार्रवाई की जा सके।
3. सभी जिलों में महिला थाना प्रभारी / महिला पुलिस पदाधिकारी/निर्भया शक्ति समय-समय पर व्यक्तिगत रूप से महिला बहुल संस्थान में जाकर महिलाओं से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुनकर विधि-सम्मत कार्रवाई करेंगी।
4. सभी पुलिस अधीक्षक महिला पीड़िता मुआवजा से संबंधित लंबित एवं वर्त्तमान मामलों की समीक्षा करते हुए त्वरित निष्पादन करेंगे एवं मिलने वाली मुआवजा राशि को महिलाओं के बीच व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करें।
5. महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित लंबित काण्डों में नोटिस / गिरफ्तारी / वारंट/कुर्की की कार्रवाई करते हुए अविलम्ब निष्पादन करें।
6. महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित काण्डों में अनुसंधानकर्ता वैज्ञानिक पद्धतियों/ तकनिकी उपकरणों का उपयोग करते हुए अनुसंधान करना सुनिश्चित करेंगे, ताकि अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिल सके।
7. सभी प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक/क्षेत्रीय पुलिस उप-महानिरीक्षक माह में एक बार महिला एवं बच्चों से संबंधित काण्डों की समीक्षा करना सुनिश्चित करें।

बीआइटी मेसरा ने मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

इनोवेशन और रिसर्च एक्सीलेंस पर ध्यान केंद्रित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) मेसरा ने इंस्टीट्यूट की बेहतरीन और उल्लेखनीय वैज्ञानिक उपलब्धियों को मान्यता देकर गुरुवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भारत के भविष्य को आकार देने में विज्ञान की परिवर्तनकारी भूमिका को उजागर करने के लिए छात्र, फैकल्टी और विशिष्ट अतिथि एक साथ आये। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आईआईएसईआर कोलकाता के पूर्व डायरेक्टर और विश्वभारती के पूर्व वाइस-चांसलर, सुशांत कुमार दत्तागुप्ता उपस्थित थे। उनके साथ ही बीआईटी मेसरा और आईआईटी खड़गपुर के डिपार्टमेंट ऑफ कैमिस्ट्री के प्रोफेसर प्रतिम कुमार चट्टोराज भी उपस्थित थे।

बीआईटी के वाइस-चांसलर प्रो इंद्रनील मन्ना ने संस्थान की वैज्ञानिक खोज और डेवलपमेंट की विरासत पर जोर देते हुए कहा कि एक्सीलेंस की नींव पर निर्मित हमारी वैज्ञानिक विरासत ने इंजीनियरिंग, स्पेस साइंस और उभरती टेक्नोलॉजीज में सफलताएं हासिल की हैं। शिक्षा क्षेत्र को इंडस्ट्री के साथ इंटीग्रेट करके, हम ऐसी रिसर्च को आगे बढ़ा रहे हैं, जो रियल वर्ल्ड की चुनौतियों का समाधान करती है और टेक्नोलॉजी के भविष्य को आकार दे रही है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमारा ध्यान साइंटिफिक एक्सीलेंस को प्रोत्साहन देने पर बना हुआ है, जो समाज और वैश्विक प्रगति में सार्थक योगदान देता है।

इस कार्यक्रम में प्रो सुशांत कुमार दत्तागुप्ता ने बोस द्वारा आइंस्टीन को लिखे गए पत्र की शताब्दी पर कीनोट लेक्चर दिया गया, जिसमें मॉडर्न फिजिक्स में भारत के बेहतरीन और अर्थपूर्ण योगदान के बारे में बताया गया। इसके साथ ही एकेडमिक प्रतियोगिताएं, भारत के वैज्ञानिक भविष्य पर पैनल चर्चा और एक रिसर्च शोकेस ने कार्यक्रम को और भी बेहतरीन बना दिया।

आयोजन के अंतिम हिस्से में एक समापन और पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। इसमें मेहमानों और प्रतिभागियों को उनके योगदान के लिए सराहा गया। यह कार्यक्रम छात्रों और रिसर्चर्स के लिए एक शानदार और असाधारण प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य किया। इससे उन्हें जाने-माने और अनुभवी वैज्ञानिकों से जुड़ने और साइंस एंड टेक्नोलॉजी में लगातार सामने आ रही नई संभावनाओं का पता लगाने का मौका मिला ।

'टॉक टू डीसी' के जरिये पंचायत सचिवालय भवन से नागरिक बता पायेंगे अपनी समस्या

खबर मन्त्र संवाददाता

- **डीसी ने की ग्रामीण इलाके की शिकायत सुनने को लेकर संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक**

रांची। जिला दण्डाधिकारी -सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने गुरुवार को एनआइसी सभागार में टॉक टू डीसी के माध्यम से ग्रामीण इलाके की शिकायत सुनने को लेकर सम्बंधित पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिला प्रशासन द्वारा शिकायतों के निवारण को लेकर सार्थक पहल करते हुए डीसी मंजूनाथ भजंत्री 08 मार्च 2025 को टॉक टू डीसी कार्यक्रम की शुरूआत होगी। जिसमें वे पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 01 तक प्रज्ञा केंद्रों के माध्यम से आम जनों की शिकायतों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनेंगे।

इस दौरान सभी सम्बंधित विभागों के नोडल पदाधिकारी एवं जिला के सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी (वीडियो कॉन्फ्रेंस) के माध्यम से जुड़े रहेंगे। कुछ पंचायतों में प्रज्ञा केंद्रों की सुविधा नहीं है, वहां निकतम पंचायतों में निकतम पंचायत सचिवालय भवन में उपस्थित होकर नागरिक अपना समस्या बता पायेंगे।

आमजन अपनी शिकायत टॉक टू डीसी में करने से पहले दिनांक-08 मार्च 2025 को सुबह 11 बजे से अपराह्न 1 तक बता सकते हैं। नई सूचना तकनीक के माध्यम से गुड गवर्नेंस के लिए कार्य जिला प्रशासन आमजनों की शिकायत के निवारण के लिए नई सूचना तकनीक के माध्यम से गुड गवर्नेंस के लिए लगातर कार्य करते हुए आमजनों की शिकायतों का निष्पादन कराने को लेकर काफी गंभीर है। लोगों की समस्या का निराकरण के लिए तमाम तरह के सार्थक पहल की जा रही है।

एक्वाकल्चर प्रैक्टिसेज और बायो एंटरप्रेन्योरशिप की संभावनायें विषय पर संत जेवियर में इंटरएक्टिव सत्र

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। अर्थ ऑब्जर्वेशन एंड कंजर्वेशन सोसाइटी (एसईओसी) और सेंट जेवियर्स कॉलेज ने आईक्यूएसी के सहयोग से झारखंड में एक्वाकल्चर प्रैक्टिसेज और बायो एंटरप्रेन्योरशिप की संभावनायें विषय पर कॉलेज परिसर में एक इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन किया। पर्ल कल्चर (मोती उत्पादन) पर ऐड-ऑन सर्टिफिकेट कोर्स के छात्र एवं अन्य विभागों के विद्यार्थियों ने इस सत्र में भाग लिया।

फिश फार्मर ट्रेनिंग सेंटर, शालीमार से आमंत्रित अधिकारी एवं वक्ता डॉ प्रशांत कुमार दीपक ने विद्यार्थियों को मत्स्य पालन की नई तकनीकों, सरकारी योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं की जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान समय में मत्स्य पालन कैसे एक महत्वपूर्ण अवसर बन सकता है।

वहीं, कॉलेज के रजिस्ट्रार फादर डॉ प्रभात सोरेंग ने छात्रों को संबोधित किया और आमंत्रित वक्ताओं का स्वागत किया। इस पूरे सत्र का आयोजन जूलॉजी विभाग के डॉ रितेश कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में किया गया। अंत में प्रगति बनर्जी* ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। अनुष्का चौधरी ने प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया। इससे प्रतिभागियों को जलीय कृषि के क्षेत्र और उसके अवसरों के बारे में अधिक ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिली। इस सत्र में डॉ शिव शंकर प्रसाद, डॉ मनोज और डॉ राकेश भी उपस्थित थे।

रांची महानगर वार्ड 51 के हेसाग में चला झामुमो का सदस्यता अभियान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झामुमो रांची जिला संयोजक मंडली के तत्वावधान मे गुरुवार को डॉन बॉस्को स्कूल, उरांव चौक के समीप हेसाग वार्ड 51, रांची मे शिविर लगाकर झामुमो की सदस्यता अभियान चलाया गया। रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने कहा कि पार्टी से जुड़ने के लिए महिलाओं में काफी उत्साह देखने को मिला। सभी ने बताया कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं और विशेष रूप से महिलाओं के लिए मईया सम्मान योजना से सभी लोग प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ले रहे हैं। झामुमो केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम की अध्यक्षता में चलाए गए सदस्यता अभियान कार्यक्रम मे मुख्य रूप से रांची जिला संयोजक मंडली सदस्य पवन जेडीया, बीरू तिर्की एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष कलाम आजाद, बीरू साहू, पूर्व महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अंशु लकड़ा, पूर्व अल्पसंख्यक मोर्चा जिला उपाध्यक्ष परवेज आलम, कोषाध्यक्ष विलयम रिचर्ड लकड़ा, पूर्व किसान मोर्चा जिला सचिव सज्जाद अंसारी, वरिष्ठ नेता राजेश सिंह, विजय रविदास, राजकुमारी टोपनो, राकेश, मंजीत कुमार एवं अन्य कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

सदस्यता अभियान कार्यक्रम के दौरान पार्टी से जुड़ने वाले नए सदस्यों को सदस्यता रसीद देकर पार्टी की सदस्यता दिलाई गई और स्वागत किया गया। झामुमो की सदस्यता लेने वालों मे मुख्य रूप से अमन गाड़ी के नेतृत्व मे मनीष कुजूर, बबलू कच्छप, आलोक बांडों, रोहित केरकेप्ता, प्रशांत मुंडा, हीरा बांडों, विशाल तिर्की, अमन तिर्की, अंकित तिर्की, रोहन केरकेप्ता, अर्जुन कच्छप, प्रकाश कच्छप, कर्मू लोहरा, प्रीतम टोप्पो, अंकित मुंडा, सुजीत खोया, अमन लकड़ा, विश्वासी एक्का, प्रमोद चंद्र एक्का, संजय भेंगरा एवं सूचिता टोप्पो के साथ अन्य सैकड़ों महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

सदस्यता अभियान कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्य रूप से पूर्व महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अंशु लकड़ा, पूर्व पार्षद निरंजन कुमार, अंजन गाड़ी, अनुराग मिंज, प्रीति मिंज, समीर कुजूर, रूमी परवीन, सुमाहिया परवीन, नजमा खातून, ज्ञान केरकेप्ता, मनोज, सराहनीय कुमार, महावीर गाड़ी, विनोद लकड़ा, आदम मुंडू, मंगा पाहन, भोला जराई एवं अन्य पार्टी कार्यकताओं का अहम योगदान रहा।

खबर एक नजर में

पुरानी विधानसभा मैदान से कल निकलेगी रांची में संविधान रक्षा सम्मान यात्रा

रांची। एससी, एसटी और ओबीसी सामाजिक संगठन के आरपी रंजन, पूर्व कमिश्नर डीसी दास, दशरथ चंद्र दास, राम लाल दास और गोवर्धन दास ने गुरुवार को प्रेस क्लब में मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि आठ मार्च को पुरानी विधानसभा मैदान से संविधान रक्षा सम्मान यात्रा निकाली जाएगी, जो शहर और गांव के विभिन्न मुहल्लों से होते हुए 14 अप्रैल तक जारी रहेगी। इस यात्रा के माध्यम से लोगों को संविधान के बारे में जागरूक किया जाएगा, क्योंकि आज संविधान पर छेड़छाड़ हो रही है। संविधान समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व के आधार पर बनाया गया था। जिसमें समतामूलक समाज की स्थापना की गई थी। लेकिन आज समाज को तोड़ने का प्रयास हो रहा है। एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों को बांटने का प्रयास किया जा रहा है और उनके संवैधानिक अधिकारों को समाप्त करने की साजिश रची जा रही है।

खतियान लेखन सफाई मोहर्रिर के कर्मियों ने की बैठक

रांची। खतियान लेखन सफाई मोहर्रिर के कर्मियों ने अपनी एकसूत्री मांग को लेकर बंदोबस्त कार्यालय में बैठक की। इस दौरान कर्मियों ने बताया कि खतियान लेखन सफाई मोहर्रिर के 89 कर्मी खतियान लेखन का काम करते थे और फाइनल खतियान तैयार करते थे। लेकिन अभी तक उनका समायोजन नहीं किया गया है। कर्मियों ने बताया कि वे अपनी मांग को लेकर एक साल तक राजभवन के समक्ष धरना दे चुके हैं और इसके लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के निदेशक को दिशा-निर्देश दिए थे, लेकिन विभाग ने सरकार को गलत सूचना दी। कर्मियों ने कहा कि वे 15-20 वर्षों से विभाग का महत्वपूर्ण कार्य, जैसे खतियान लेखन और लगान निर्धारण मुकाबला का काम करते आ रहे हैं। मौके पर निरज शर्मा, बीना डोली मिंज, जसिंता आइंद, नीतू उपाध्याय, बिमला आइंद, आजाद आलम, मनोज कुमार समेत अन्य कर्मी मौजूद थे।

'गांधी शिल्प बाजार' मे पसंद किये जा रहे हैं डोकरा और सिल्क आर्ट के उत्पाद

रांची। पुरानी विधान सभा मैदान में दस दिवसीय शिल्प मेले में लाख की चुड़ियां, शिल्प आर्ट और डोकरा आर्ट की वस्तुओं को बहुत ही पसंद किया जा रहा है। यहां मेले में सम्पूर्ण भारत वर्ष के हस्तशिल्प, हेंडिक्राफ्ट तथा विशेषकर झारखंड के उत्पादों का विशाल संग्रह उपलब्ध है। मेले में जुट के सामान, झारखंडी खादी कुर्ता, डिजाईनर साड़ियां, जुट बैग, चुड़ियां, झारखंड, असम और गुजरात के पारंपरिक परिधान महिलाओं के लिए तसर सिल्क की साड़ियां और सलवार कुर्ती आदि मिल रहे हैं। मेले में सम्पूर्ण भारत के 100 स्टाल उपलब्ध हैं जो 10 मार्च तक रहेंगे। सोसाईटी के सचिव वी. चौधरी ने बताया कि इस मेले में झारखंड की कला संस्कृति और पर्यटन को अभूतपूर्व प्रोत्साहन प्राप्त होगा और हस्तकला तथा हैन्डीक्राफ्ट को बढ़ावा तो मिलेगा ही साथ ही पर्यटन उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा। केंद्र सरकार के सहायक निदेशक (हस्तशिल्प) पुष्पराजन ने इसे झारखंड की एक उपलब्धि बताया और कहा कि इससे हस्तशिल्प और हैन्डीक्राफ्ट को बढ़ावा मिलेगा साथ ही रोजगार का सृजन होगा और गरीब तबके और मध्यम वर्ग को रोजगार प्राप्त होंगे। मेला परिसर में मनोरंजन के लिए प्रत्येक दिन कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

महिला दिवस पर पारस हॉस्पिटल में निःशुल्क डॉक्टर परामर्श आठ से 12 मार्च तक

रांची। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर धुर्वा स्थित पारस हॉस्पिटल में महिलाओं के लिए आठ से 12 मार्च तक निःशुल्क डॉक्टर परामर्श दिया जाएगा। यह परामर्श सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक दिया जाएगा। सभी विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा महिलाओं को निःशुल्क परामर्श दिया जाएगा। इस पहल के तहत, निःशुल्क डॉक्टर परामर्श लेने के बाद ओपीडी की जांच पर 50 प्रतिशत की छूट और हेल्थ पैकेज पर भी 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। हॉस्पिटल के जोनल हेड ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर हॉस्पिटल ने एक पहल की है, महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच करवाना जरूरी है, खासकर हार्मोनल संतुलन, हृदय स्वास्थ्य, हड्डियों की मजबूती और मधुमेह जैसी बीमारियों की जांच के लिए। हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेड ने कहा कि महिला दिवस के इस खास मौके पर महिलाओं के सम्मान में पारस हॉस्पिटल निःशुल्क डॉक्टर परामर्श उपलब्ध करा रहा है। यह एक बेहतरीन अवसर है, जहां महिलाएं अपने स्वास्थ्य की देखभाल करवा सकती हैं और विभिन्न जांचों एवं पैकेजों पर छूट का लाभ उठा सकती हैं।

खनन टास्क फोर्स ने अवैध बालू लदे वाहन किया जब्त

धनबाद। जिले में अवैध खनन, भंडारण और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है। उपायुक्त माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिला खनन टास्क फोर्स ने बीती रात बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया। जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के दौरान जीटी रोड पर गणेश पेट्रोल पंप के पास एक आईशर वाहन (रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच 10 सीडब्ल्यू 6702) को बिना वैध परिवहन चालान के बालू लाते हुए पकड़ा गया। टीम ने तुरंत वाहन को जब्त कर बरवाअड्डा थाना को सौंप दिया और संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई। इस कार्रवाई में खान निरीक्षक बसंत उरांव, सुमित प्रसाद, विनोद बिहारी प्रमाणिक और सशस्त्र पुलिस बल शामिल रहे। प्रशासन की इस सख्ती से अवैध खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

नामांकन प्रतियोगिता परीक्षा को लेकर निषेधाज्ञा लागू

रांची। आवासीय विद्यालय अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति बालिका आवासीय उच्च विद्यालय एवं एकलव्य मॉडल, आश्रम आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 6, 7 एवं 8 में नामांकन प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया है। दिनांक 09.03.2025 को विभिन्न परीक्षा केन्द्रों में पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 01:30 बजे तक एक पाली में परीक्षा आयोजित की गयी है। केन्द्र पर कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षा का आयोजन कराने एवं विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर उपायुक्त रांची द्वारा पुलिस बल एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ दण्डाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर, रांची द्वारा बी०एन०एस०एस० की धारा-163 के अंतर्गत परीक्षा केन्द्र के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा जारी की गई है। **परीक्षा केन्द्रों के नाम:** 1. अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव जिला प्लस टू उच्च विद्यालय, रांची। 2. बालकृष्ण उवि, रांची। 3. मारवाड़ी प्लस टू उवि, रांची। 4. शिवनारायण मारवाड़ी बालिका प्लस टू उवि, रांची।

राजभवन, सीएम आवास समेत छह जगहों पर निषेधाज्ञा लागू

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। हाल के दिनों में पूर्व में निर्धारित स्थान जाकिर हुसैन पार्क की जगह कतिपय संगठनों/दलों द्वारा धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली इत्यादि राजभवन मुख्य द्वार, मुख्यमंत्री आवास, कांके रोड पर भी हो रहे हैं। इस प्रकार के कार्यक्रमों से सरकारी काम-काज में व्यवधान उत्पन्न होने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था बाधित होने एवं विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने तथा लोक परिशांति भंग होने की आशंका को देखते हुए अनुमंडल दण्डाधिकारी, सदर, राँची द्वारा बी०एन०एस०एस० की धारा-163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रांची सदर अनुमंडल अंतर्गत निम्नलिखित जगहों पर निषेधाज्ञा जारी की गयी है।

1. मुख्यमंत्री आवास कांके रोड की चहारदीवारी से 100 मीटर की परिधि में। 2. राजभवन के चहारदीवारी से 100 मीटर की परिधि में (जाकिर हुसैन पार्क को छोड़ कर)। 3. झारखण्ड उच्च न्यायालय के चहारदीवारी से 100 मीटर की परिधि में। 4. नये विधानसभा के चहारदीवारी से 500 मीटर की परिधि में। 5. प्रोजेक्ट भवन, नेपाल हाउस, भवन के 100 मीटर की परिधि में। 6. प्रोजेक्ट भवन, एच.ई.सी. धुर्वा, भवन के 200 मीटर की परिधि में।

उक्त स्थानों पर निम्न प्रकार की निषेधाज्ञा जारी की गयी है :-

1. बिना सक्षम प्राधिकार के पुवार्नुमति के किसी प्रकार के धरना, प्रदर्शन, घेराव, जुलूस, रैली या आमसभा का आयोजन करना। (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों/कर्मचारियों एवं न्यायालय कार्य एवं धार्मिक तथा अंत्येष्टि कार्यक्रम को छोडकर)। 2. किसी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र, जैसे-बंदूक, राईफल, रिवाल्वर, पिस्टल, बम, बारूद आदि लेकर निकलना या चलना। (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों/ कर्मचारियों को छोड़कर)। 3. किसी प्रकार के हरवे हथियार जैसे लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा-भाला आदि लेकर निकलना या चलना। (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों/कर्मचारियों को छोड़कर)। 4. बिना सक्षम प्राधिकार के पुवार्नुमति के किसी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्र का व्यवहार करना। (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों/कर्मचारियों को छोड़कर)। 5. यह आदेश जिला प्रशासन द्वारा प्रतिनियुक्त किसी भी पदाधिकारी अथवा बल पर लागू नहीं होगा।

यह निषेधाज्ञा दिनांक 02.05.2025 या अगले आदेश तक जो पूर्व लागू हो तक रहेगा।

सुलभ इंटरनेशनल शहर के शौचालयों की सफाई, पर जिम्मेदारी निभाने में नाकाम

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। शहर में सार्वजनिक और मॉड्यूलर शौचालयों की सफाई का जिम्मा सुलभ इंटरनेशनल के पास है, लेकिन एजेंसी की लापरवाही के कारण स्थिति बदहाल होती जा रही है। गंदगी का अंबार, दुर्गंध और अव्यवस्था के चलते लोग इन शौचालयों का इस्तेमाल करने से भी कतरा रहे हैं। नगर निगम की हेल्थ ऑफिसर डॉ. किरण कुमारी ने बताया कि सुलभ इंटरनेशनल को शौचालयों की सफाई के लिए कुछ तय मानकों का पालन करना अनिवार्य है।

सुलभ इंटरनेशनल की जिम्मेदारियां

- यूरिनल की सफाई दिन में तीन बार करना
- बाथरूम की सफाई दिन में दो बार करना
- हर शौचालय में 200 लीटर पानी की टंकी रखना
- शिकायत दर्ज होते ही तुरंत सफाई सुनिश्चित करना

नगर निगम के अनुसार, सभी शौचालयों के गेट पर एक हेल्पलाइन नंबर प्रदर्शित किया गया है, जहां लोग सफाई की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। दावा किया जाता है कि शिकायत मिलते ही सफाई की जाती है, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। नगर निगम के इन दावों के बावजूद शहर के ज्यादातर शौचालयों में गंदगी बनी हुई है। जिन शौचालयों की सफाई दिन में दो से तीन बार होनी चाहिए, वहां हालत ऐसी है जैसे हफ्तों से सफाई नहीं हुई हो। शौचालयों के बाहर कूड़े-कचरे का ढेर लगा हुआ है। टंकियों में पानी नहीं है। बाथरूम के दरवाजे तक खराब हो चुके हैं।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में 'फार्मा अन्वेषण 2025' आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। हमारा देश जेनेरिक दवा की आपूर्ति के मामले में अहम स्थान रखता है। हमने कोविड के दौरान इस दिशा में दुनिया भर में वैक्सीन की सप्लाई की। हाल के वर्षों में कई सरकारी योजनाओं से भी देश में दवाओं के उत्पादन को बढ़ावा मिला और इस दिशा में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए। यह बातें आज स्टेट ड्रग्स कंट्रोल डायरेक्टरेट की निदेशक रितु सहाय ने कहीं। वे आज सरला बिरला विश्वविद्यालय में नेशनल फार्मेसी एजुकेशन डे के अवसर पर मनाए गए कार्यक्रम 'फार्मा अन्वेषण 2025' के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर बोल रही थीं। उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए झारखंड के एकमात्र विवि के तौर पर सरला बिरला

विश्वविद्यालय के चयन और इस निमित्त मिलने वाले अनुदान पर विवि के फार्मेसी विभाग को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उपस्थित श्रोताओं को डॉक्टर रेड्डी लैब के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. राकेश्वर बंदीछोर, पीसीआई के सेंट्रल काउंसिल मेंबर डॉ. आकाश वेद के अलावा बीआईटी, मेसरा के डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेस के प्रोफेसर डॉ. वी. प्रकाश एवं सैमिरा इनोफार्म के जीएम श्री जय गणेश एएस ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में एसबीयू के महानिदेशक ने आंत्रप्रेन्योरशिप में उपलब्ध अवसरों, फार्मेसी की भूमिका और इसके इतिहास पर संक्षेप में प्रकाश डाला। कुलपति प्रो सी जगनाथन ने शिक्षा के उद्देश्यों पर बात की। उन्होंने दवाओं की आवश्यकता को शिक्षा के मूल सत्व से जोड़ते हुए छात्रों को इसकी जरूरत के विषय में बताया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के इंचार्ज डॉ. शुभ्रजीत मंत्री और धन्यवाद भाषण निशा सिंह ने दिया।

इस अवसर पर डॉ. सुभानी बाड़ा, प्रो. विजय कुमार सिंह, आशुतोष द्विवेदी, डॉ. नीलिमा पाठक, डॉ. शैलेश नारायण, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. सविता, सुरुचि गुप्ता, पल्लवी रानी, अंजलि मिश्रा, पवन महतो, संतोष कुमार समेत विवि के अधिकारी एवं छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम के आयोजन पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

12 को दिल्ली में आयोजित साहित्योत्सव में अपनी बात रखेंगे खूंटी के डॉ बीरेन्द्र महतो

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की ओर से आज से 12 तक रविन्द्र भवन, दिल्ली में एशिया का सबसे बड़ा साहित्योत्सव आयोजित किया जा रहा है। साहित्य अकादेमी द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाला साहित्योत्सव-2025 इस वर्ष एशिया का सबसे बड़ा साहित्य उत्सव होगा। इस साहित्योत्सव में 100 से अधिक सत्रों में 700 से अधिक प्रसिद्ध लेखक और विद्वान भाग ले रहे हैं।

- **झारखंड से नागपुरी भाषा का कर रहे हैं प्रतिनिधित्व, 100 से अधिक सत्रों में 700 से अधिक प्रसिद्ध लेखक और विद्वान ले रहे हैं हिस्सा**

इसमें देश की 50 से अधिक भाषाओं का भी प्रतिनिधित्व होगा।

बताते चलें कि एशिया के इस बड़े साहित्योत्सव में खूंटी जिले के कर्रा प्रखण्ड के जलंगा निवासी चिन्हित झारखंड आंदोलनकारी, प्राध्यापक सह साहित्यकार डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो को भी आमंत्रित किया गया है, जो 12 मार्च को अपनी भाषा नागपुरी में प्रस्तुति देंगे। साहित्योत्सव में डॉ महतो के चयन होने से पूरे खूंटी क्षेत्र ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड के भाषा प्रेमियों और साहित्यकारों में खुशी की लहर है। रांची विश्वविद्यालय के नागपुरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ उमेश नन्द तिवारी ने डॉ महतो के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि एशिया का सबसे बड़ा साहित्योत्सव में नागपुरी भाषा व साहित्य को मंच मिलना अपने आप में एक इतिहास है। इससे झारखंड की सबसे बड़ी आदिवासी व मूलवासियों की संपर्क भाषा नागपुरी को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने में बल मिलेगा। डॉ महतो के चयन होने पर खुशी जाहिर करने वालों में प्राध्यापक डॉ रीझू नायक, डॉ खालिक अहमद, डॉ सविता केशरी, आलोक कुमार मिश्रा, हरेन्द्र लोहरा, समाजसेवी वासुदेव महतो, भाजपा नेत्री सीमा देवी, डॉ किशोर सुरिन, डॉ करम सिंह मुण्डा के अलावा खूंटी जिले के भाषा प्रेमी व साहित्यकारों ने खुशी जाहिर किया है।

सीमेंट फैक्टरी डस्ट के पहाड़ से अवैध खनन जारी, अधिकारी मौन

▸▸ प्रशासन से शीघ्र रोक की मांग

▸▸ खनन में नेताओं का है हाथ

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र के हुटाप व जी टाइप के समीप एसीसी सीमेंट फैक्टरी (खलारी सीमेंट फैक्ट्री) का चूनापत्थर का डस्ट कई वर्षों से पहाड़ में तब्दील हो जाने के बाद खनन माफियाओ की नजर कई वर्षों से जमी हुई है। डस्ट (स्लेरी) के पहाड़ को अवैध खनन कर के प्रशासन के नाक के नीचे से बदस्तूर जारी है। बताया जाता है कि पहले ट्रैक्टर व टर्बो के माध्यम से लेबर के द्वारा लोड किया जा रहा था। लेकिन अब अवैध खनन में जेसीबी मशीन का प्रयोग कर दिन रात सैकड़ो ट्रैक्टर, हाइवा, टर्बो से मुख्य मार्ग से बिना तिरपाल के उपयोग किया बिना धूल उड़ाते सरपट दनादन चल रही है। वही सूत्रों के अनुसार बताया जाता है कि सीमेंट फैक्टरी का डस्ट का पहाड़ का आधा से ज्यादा बड़ा हिस्सा खलारी बुढ़मू वन रेंज में है। जिसमें कई बड़े बेशकीमती, औषधि पेड़ को नष्ट कर वेधड़क खनन किया जा रहा है। ज्ञात हो कि पिछले कुछ दिन पहले इस कार्य में लगे वाहन में आधी रात को अपराधी संगठन द्वारा आग लगा दिया गया था।

घटना के बाद स्लेरी उठाव कार्य को बंद कर दिया गया था। वही कुछ वर्ष पूर्व स्लरी खुदाई में पांच से सात मजदूर की दब कर मौत हो गयी थी। उसके बाद स्थानीय प्रशासन ने स्लरी उठाव पर रोक लगा दी थी। लेकिन माफियाओं, नेताओं व प्रशासन की गठजोड़ में एक बार फिर स्लरी का उठाव चालू हो गया। वाहन में ओवर लोडिंग होने से जिस रास्ते वाहन गुजरती है उस रास्ते स्टोन डस्ट प्रदूषण फैलाती जाती है। जिससे राहगीरों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वही उधर चूरी पश्चिमी पंचायत समिति सदस्य कुंजीता देवी ने आमजनों की सुरक्षा और सेहद को ध्यान रखते हुए स्थानीय प्रशासन से स्लरी तस्करी में रोक लगने की मांग की है।

शादी का प्रलोभन दे किया था यौन शोषण

बैंड बाजे के साथ फरार आरोपी के घर इश्तहार चिपकाने पहुंची पुलिस

आरोपी के खिलाफ इश्तहार चिपकाते पुलिस।

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। शादी का प्रलोभन दे छात्रा से यौन शोषण करने वाले आरोपी के घर ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा इश्तहार चिपकाने की कार्रवायी की गई है। बताया गया कि रामनगर, नामकुम के आरोपी राहुल चौधरी ने नामकुम की ही एक छात्रा के साथ पहले दोस्ती की, और छात्रा को घुमाने के लिए बिरसा जैविक उद्यान पहुंचा था। जैविक उद्यान में ही उसने छात्रा का मांगभर दिया। उसके बाद से वह छात्रा का कई बार यौन शोषण किया। छात्रा द्वारा युवक पर समाजिक रूप से शादी करने का दबाव बनाया, तो युवक फरार हो गया। जिसके बाद छात्रा द्वारा 29 जून को ओरमांझी थाना में आरोपी के खिलाफ धारा-417/420/506/376(2)(द) के तहत मामला दर्ज कराया गया। ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास की जा रही थी। गिरफ्तार नही होने पर पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध न्यायालय से इश्तेहार निर्गत कराई गई। जिसके बाद ओरमांझी थाना के एसआई नीतीश कुमार व नामकुम थाना के पुलिस कर्मी बैंड बाजे के साथ युवक के गांव पहुंचे और उसके घर व सार्वजनिक स्थानों पर इश्तहार चिपकाने की कार्रवायी की, इसकी जानाकारी देते हुए ओरमांझी थाना प्रभारी अनिल तिवारी ने बताया इश्तिहार चिपकाए जाने के एक माह के अंदर वह सरेंडर नही करता है, तो पुलिस द्वारा आरोपी के घर कुर्की जब्ती की कार्रवायी की जाएगी।

खबर एक नजर में

8 मार्च को शिशु हृदय रोग जांच शिविर

सोनाहातु/राहे। प्रखंड के सीएचसी सोनाहातु,पीएचसी राहे पर पीएचसी पंडाडीह में 8 मार्च को शिशु हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर रांची जिला प्रशासन, कोल इंडिया लिमिटेड और श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल रांची के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया है। शिविर में शिशु में तेज धड़कन, वजन ना बढ़ना, शरीर का नीलापन, बार बार सर्दी खांसी, सांस लेने में तकलीफ, स्तनपान पर पसीना आना आदि लक्षण की जांच किया जायेगा।

बाबूलाल मरांडी को भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर विनय महतो धीरज ने दी बधाई

सिल्ली। झारखंड के प्रथम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को झारखंड विधानसभा में भाजपा के विधायकों द्वारा सर्वसम्मति से नेता विधायक दल चुने जाने पर भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज ने ग्रामीण जिला की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि उनके अनुभव एवं सशक्त नेतृत्व में पार्टी मुखर होकर विधानसभा के अंदर और बाहर निरंतर झारखंड के जनमानस के हितों के लिए एक प्रखर व सजग विपक्ष की भूमिका का निर्वाह करेगी। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के गरीबों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए लंबा संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार की विकास योजनाओं को उनके नेतृत्व में झारखंड के विधायक उन्हें धरातल पर उतारने में अपनी भूमिका निभायेंगे।

कुटी लदा पिकअप पलटा, खलासी की मौत

नामकुम। थानाक्षेत्र के रामपुर रिंगरोड पर सरवल मोड समीप कुटी लदा पिकअप वैन पलट जाने से पिकअप के खलासी लक्ष्मण कोईरी 12 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गयी। चालक धर्मेंद्र मंडल ने बताया कि वे लोग तमाड़ से पिकअप पर कुटी लाद कर कटहल मोड जा रहे थे,उसी दौरान सरवल मोड समीप पिकअप का अगला चक्का ब्लास्ट कर गया। जिससे पिकअप असंतुलित होकर पलट गया और खलासी लक्ष्मण कोईरी की मौत पिकअप से दब जाने के कारण हो गयी। घटना की जानकारी मिलते ही थानेदार मनोज कुमार मौके पर पहुंचे और मृतक के शव को उठवा कर पोस्टमार्टम हेतु रिम्स भिजवाया। पुलिस दुर्घटनाग्रस्त पिकअप को जब्त कर थाने ले आयी। चालक धर्मेंद्र मंडल ने बताया कि पिकअप खलासी के जामुदाग का रहनेवाला था।

डीएसपी ने यातायात व्यवस्था की ली जानकारी

▸▸ शीघ्र लगेगी ट्रैफिक लाइट

▸▸ बहाल होगी अन्य सुविधाएं

रातू। जिले के ट्रैफिक एसपी के निर्देश पर गुरुवार की शाम डीएसपी प्रमोद कुमार की अगुआई में टीम काटीटांड़ चौक पहुंची। इस बीच श्री कुमार ने यातायात व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने पाया कि यहां रस्सी की मदद से यातायात को नियंत्रित किया जा रहा है। डीएसपी ने इसकी फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी करायी। उन्होंने दुकानदार संघ के प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुये इसके स्थाई समाधान का भरोसा दिलाया और चौक में शीघ्र ही ट्रैफिक लाइट लगाने व अन्य जरूरी सुविधाएं बहाल किये जाने के भी संकेत दिये।

काटमकुली में महिला सम्मान समारोह का आयोजन

टाकुरगांव। बीएयू कांके तथा पारादीप फोस्फेट लिमिटेड के सहयोग से महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को क्षेत्र के काटमकुली गांव में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। कांके प्रखंड किसान उत्पादक कम्पनी लिमिटेड द्वारा क्षेत्र के प्रगतिशील महिला किसानों समेत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट व सफल महिलाओं को भी सम्मानित किया जायेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों द्वारा उन्नत कृषि का प्रशिक्षण दिया जायेगा। उक्त जानकारी उत्पादक समिति के अध्यक्ष राजेंद्र महतो ने दी है।

ऑल इंडिया रेडियो परिसर की जलायी गयी घास

रातू। काठीटांड़ चौक स्थित आकाशवाणी की विविध भारती प्रसारण केंद्र (ऑल इंडिया रेडियो) परिसर में हर साल प्रबंधन की ओर से घास में आग लगाकर उसे नष्ट किया जाता है। यह प्रक्रिया गुरुवार को भी अपनायी गयी। इस दौरान एहतियात के तौर पर दमकल गाड़ी बुला ली गयी थी। किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है।

खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने शून्यकाल में मारासिल्ली पहाड़ के विकास का मुद्द उठाया

नामकुम। खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने गुरुवार को विधानसभा में शून्यकाल के दौरान मारासिल्ली पहाड़ राजाउलातु का मामला उठाया विधायक ने आसन से कहा कि मारासिल्ली पहाड़ रांची का एक पर्यटन स्थल के रूप में जाना जाता है। जो पूरे देश और यहां तक कि विदेशों से भी लोगों को आकर्षित करता है,यह पर्यटन स्थल अपने आश्चर्यजनक दृश्यों, शांत वातावरण और हरेभरे वातावरण के लिए जाना जाता है। वर्ष 2021 में उनकी अनुशंसा पर इसे राज्य स्तरीय पर्यटन स्थल का दर्जा दिया गया है पर चार वर्ष बीत जाने के बाद भी आजतक उक्त स्थल को पर्यटन, कला संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के द्वारा किसी भी प्रकार से विकसित नहीं किया गया। विधायक श्री कच्छप ने आसन के माध्यम से सरकार से मारासिल्ली पहाड़ को विकसित करने की मांग रखी।

मंदिर में प्रतिमा स्थापित ग्रामीणों में उत्साह

ओरमांझी। प्रखंडी के सुदूरवर्ती गांव व रांची रामगढ़ की सीमाना में स्थित हलवादी में नवनिर्मित श्रीश्री 108 संकट मोचन मंदिर में गुरूवार हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित किया गया। इससे पूर्व प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ की पूणाहुति पूजा की गई। वहीं ढोल बाजे के साथ प्रतिमा स्थापित धार्मिक अनुष्ठान में गांव के सैकड़ों भक्तो के साथ काफी संख्या में महिलाए उपस्थित थी, और जय श्रीराम व जय हनुमान की जयकारा लगा रहे थें। वहीं प्रतिमा स्थापित होते ही दर्शन व नमान करने के लिए लोगों की तांता लग गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पहुंचे पूर्व सांसद रामटहल चौधरी व पूर्व प्रमुख जयगोविंद उर्फ लालू साहू ने कहा मंदिर निर्माण व धार्मिक अनुष्ठान से पूरे गांव के साथ बच्चों में भी अपने धर्म व संस्कृति का संचार होती है। कहा धार्मिक स्थल में पूजा होने से सिर्फ संस्कार विकसित ही नही, रोजगार के अवसर भी प्राप्त होते हैं।

सातवीं की छात्रा से छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

▸▸ पीड़िता के परिजनों के साथ मारपीट

▸▸ हुरहुरी के एतवा का पुत्र है विष्णु उरांव

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रातू पुलिस ने बुधवार को थाना क्षेत्र के गुटवा टोली के सातवीं की छात्रा के साथ छेड़खानी के आरोप में 20 वर्षीय विष्णु उरांव को गिरफ्तार कर लिया है। वह हुरहुरी निवासी एतवा उर्फ भईया उर्फ भोथा उरांव का पुत्र है। मामले को लेकर पीड़िता के पिता की ओर से रातू थाने में आरोपी समेत उसके पिता, मां और भाई आनंद उरांव के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत कांड संख्या 95/ 2025 दर्ज करायी गयी है। थानेदार आरएन सिंह ने बताया कि शुक्रवार को उसे जेल भेज दिया जायेगा। उन्होंने जानकारी दी कि सदर अस्पताल में पीड़िता की मेडिकल जांच होगी। प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट आरके पांडेय के समक्ष उसका ब्यान भी रिकार्ड कराया जायेगा।

जानें क्या है मामला

तीन मार्च की रात छात्रा गांव के झरी उरांव की बेटी की शादी में शराती बनकर कुंबाटोली गयी थी। विष्णु ने उसके साथ छेड़खनी की। 5 की शाम जब वह अखरा में खेल रही थी, तब उसने समीप के स्कूल किनारे जबरन उठाकर ले जाने की कोशिश करने लगा। विरोध करने पर वह भाग गया। पीड़िता के परिजन उसके घर गये। इस पर आरोपी और परिवार के लोग भड़क उठे। विष्णु का भाई आनंद उरांव ने फाइटर से उसके परिजनों की पिटाई कर दी। इतना ही नहीं, उसकी मां और पिता ने भी पीड़ित पक्ष के साथ मारपीट की।

फ्लोरेंस में नेशनल फार्मेसी दिवस का आयोजन

स्वास्थ्य क्षेत्र के नायक हैं फार्माशिष्ट

कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि।

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। फ्लोरेंस कालेज ऑफ फामेर्सी इरबा में गुरूवार को नेशनल फामेर्सी दिवस के अवसर पर फार्मा अंवेषण दिवस का आयोजन हुआ। मुख्या अतिथि फामेर्सी कौंसिल ऑफ इंडिया के कार्यकारिणी सदस्य धर्मेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले फार्माशिष्टों को भी स्वास्थ्य क्षेत्र का नायक बताया और कहा फामेर्सी दिवस फर्माशिष्टों व फामेर्सी पेशवरों को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। वहीं विशिष्ट अतिथि झारखंड के फामेर्सी कौंसिल रजिस्ट्रार सह सचिव प्रशांत कुमार पांडेय ने फार्माशिष्टों को स्वास्थ्य का संरक्षक बताया, और कहा बे हमें जीवन बचने वाली दवाईयों को उपलब्ध कराने का कार्य करते हैं। संस्थान के सचिव जीनत कौशर ने कहा स्वास्थ्य के क्षेत्र में फार्माशिष्ट की भी भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। मौके पर संस्थान के सचिव जीनत कौशर, निदेशक डॉ शाहीन कौशर, बंगलोर के चिन्मया मिश्रा, गुजरात के रबिन्द्र पात्रा, रतनाकर सतपथी, डॉ नाजनीन कौशर, प्राचार्या डॉ संजीब कुमार कर, आशुतोष बेहेरा, मजहर अंसारी, पवन कुमार, डॉ मंजर आलम, रचना भारती, सत्यजीत मोहंती उपस्थित थें।

खेल महोत्सव का आयोजन, बच्चों को किया गया सम्मनित

खलारी। उत्क्रमित मध्य विद्यालय महावीर नगर उपर टोला में खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। विद्यालय के खेल मैदान में प्रधानाचार्य रंथु साहु की नेतृत्व में खेल महोत्सव में पहली से पांचवी कक्षा के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान बालक/बालिकाओं के लिए बोरा दौड़, तीन पैरों वाली दौड़, बैलून दौड़, स्पीकिंग दौड़, गोली स्पून दौड़, 30 मीटर दौड़ और जलेबी दौड़ जैसी खेल स्पर्धा हुई। खेल महोत्सव को संबोधन में प्रधानाचार्य रंथु साहु ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसके जरिए शरीर को स्वस्थ और मजबूत बना सकते हैं। खेल में अनुशासन, संघर्ष और टीमवर्क की भावना दिखती है। खेल महोत्सव में सभी बच्चों को विद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया।

सीएमयू के महामंत्री राघवन रघुनंदन ने सम्मेलन को लेकर नेताओं संग की बैठक

यूनियन के पदाधिकारियों के साथ बैठक करते राघवन रघुनंदन।

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। कोल फील्ड मजदुर यूनियन सीसीएल के महामंत्री राघवन रघुनंदन दो दिवसीय दौरे पर गुरुवार को डकरा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने यूनियन के पदाधिकारियों के साथ डकरा वीआईपी सभागार में बैठक कर यूनियन के दो दिवसीय सम्मेलन की तैयारी पर चर्चा की। साथ ही एनके, पिपरवार, मगध,आम्रपाली क्षेत्र के यूनियन से जुड़े लोगों को सम्मेलन सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यूनियन का सीसीएल स्तरीय सम्मेलन आगामी 21- 22 मार्च को डकरा में होनी है। बैठक के बाद सहायक मंत्री चंदेश्वर सिंह,केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विनय सिंह मानकी के साथ सम्मेलन स्थल का निरीक्षण किया। बैठक में ध्वजाराम धोबी, मिथिलेश कुमार सिंह, भीम सिंह यादव, उपेंद्र कुमार, सूरज प्रधान मुंडा, रामा उरांव, नंदू मेहता, विनोद गंझू, रविंद्र बैठा, अनूप रजक, राजेंद्र चौहान, विनोद सतनामी, सुरेंद्र चौहान, गोपाल सिंह विकास साहू, जयमंगल सिंह, संजय गिरी सहित बड़ी संख्या में यूनियन से जुड़े लोग मौजूद थे।

श्रद्धा सरना समिति 3 अप्रैल को निकालेगी भव्य जुलुस

▸▸ मंत्री चमरा लिन्डा, शिल्पी नेहा तिर्की, इरफान अंसारी, विधायक राजेश कच्छप होगे शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। श्रद्धा सरना समिति गेतलसूद की एक आवश्यक बैठक गुरुवार को अजय उरांव की अध्यक्षता में की गई। बैठक में पुरूषों के साथ-साथ महिलाओं की भी अच्छी खासी भागीदारी रही। बैठक से पूर्व महिलाओं द्वारा सरना स्थल में श्रद्धा पूर्वक भजन किया गया। बैठक में आगामी दो अप्रैल को 22 वां वर्षगांठ समारोह धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। तीन अप्रैल को खोहड़ा प्रदर्शन एव विशाल जुलूस निकाला जाएगा इसके लिए कमेटी के पदाधिकारियों को दायित्व सौंपी गई है। अजय तिर्की ने बताया कि कार्यक्रम में माननीय मंत्री चमरा लिंडा शिल्पी नेहा तिर्की इरफान असारी विधायक राजेश कच्छप भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे इसके लिए विशेष तैयारी की जा रही है। बैठक में सर्वसम्मति से अजय तिर्की को पुन अध्यक्ष चुना गया जबकि रवि किशोर उरांव और गौरी शंकर मुन्डा को उपाध्यक्ष, दशरथ मुन्डा को सचिव, विटु उरांव विरेन्द्र उरांव को उप सचिव, नीरज मुन्डा को कोषाध्यक्ष तथा मोहन उरांव उप कोषाध्यक्ष चूना गया है। बैठक मे ग्राम प्रधान सह संरक्षक जितेन्द्र उरांव सहित संदीप उरांव, अर्जुन मुण्डा, विजय उरांव, करण उरांव, मनु उरांव, दिलीप पहान, मोहन उरांव, अमीत, सूमीत, निशांत, सुलेन्दर अनीता देवी, गीता देवी, मीणा देवी, कुन्ती देवी सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LTD.
CIN: U40108JH2013SGC001704
Office of the General Manager Transmission Zone-V, Hazaribag,
Office At - Sringari Complex, 1st Floor, Canary Hill Road, Near Mont Fort School, Hazaribag, Pin – 825301, JH eMail ID:- gmtzone5hzb@gmail.com

CORRIGENDUM – 01

Due to typo error in below mentioned NIT's:-
NIT No.- 460/PR/JUSNL/2025-26, NIT No.- 461/PR/JUSNL/2025-26, NIT No.-462/PR/ JUSNL/ 2025-26, NIT No.- 463/PR/JUSNL/2025-26.
NIT No.- 464/PR/JUSNL/2025-26, NIT No.- 465/PR/ JUSNL/2025-26, NIT No.- 466/PR/JUSNL/2025-26, NIT No.- 467/PR/JUSNL/2025-26, NIT No.- 468/PR/JUSNL/2025-26
May be read as
NIT No.- 460/PR/JUSNL/2024-25, NIT No.- 461/PR/JUSNL/2024-25, NIT No.- 462/PR/JUSNL/2024-25, NIT No.- 463/PR/JUSNL/2024-25.
NIT No.- 464/PR/JUSNL/2024-25, NIT No.- 465/PR/JUSNL/2024-25, NIT No.- 466/PR/JUSNL/ 2024-25, NIT No.- 467/PR/JUSNL/2024-25, NIT No.- 468/PR/JUSNL/2024-25.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें। कृपया अपनी शिकायतों को 18003456570 (कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/- General Manager
Transmission Zone-V, Hazaribag

PR No. 347866
PR.NO.348009 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(24-25):D

कार्यालय समेकित जनजाति विकास अभिकरण, (ITDA) सिमडेगा

प्रेस विज्ञप्ति

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय/ आश्रम विद्यालय एवं अन्य आवासीय विद्यालयों में प्रवेश परीक्षा संबंधित आवश्यक सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि अ0ज0जा0, अ0जा0, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग झारखण्ड रॉची द्वारा दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल अन्तर्गत संचालित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय/ आश्रम विद्यालय एवं अन्य आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025–26 में **कक्षा 6, 7 एवं 8 में नामांकन हेतु दिनांक 09.03.2025 को पूर्वाहन् 11:00 बजे से अपराहन् 01:30 तक संत मेरिज उच्च विद्यालय, सामटोली सिमडेगा में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया है। प्रवेश पत्र विद्यालय से नहीं मिलने पर परीक्षा केन्द्र पर ही प्रातः 09:00 बजे दिया जायेगा।**

उपरोक्त परीक्षा हेतु आवेदन देने वाले छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 09.03.2025 को पूर्वाहन् 09:00 बजे संत मेरिज उच्च विद्यालय, सामटोली सिमडेगा में उपस्थित होकर प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

परियोजना निदेशक, आई0टी0डी0ए0, सिमडेगा
–सह– जिला कल्याण पदाधिकारी,सिमडेगा

PR 347988 (Simdega) 24-25 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा

अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना 64/2024-25

1	विज्ञापन दाता का नाम	–	कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
2	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय	–	15-03-2025 को अप0 12.00 बजे तक।
3	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	–	17-03-2025 के अप0 2.30 बजे तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	–	17-03-2025 के अप0 3.00 बजे से।
5	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	–	(i) अधीक्षण अभियंता भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं–2, रॉची का कार्यालय। (ii) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल सिमडेगा।
6	निविदा प्राप्ति का स्थान	–	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
7	कार्य विवरणी :–		

Sl. No.	Name of work	Estimated Cost	Earnest Money	B.O.Q Cost	Time Of Completion
1	(i) Renovation of Interance of DDC Office at Collectariate Building Simdega in the District of Simdega (ii) Renovation of Golchakar in Froont of D.C Office at Collectariate Buildiing Simdega in the District of Simdega (Part-1) (iii) Renovation of Golchakar in Froont of D.C Office at Collectariate Buildiing Simdega in the District of Simdega (Part-2)	7,45,338.00	15,000.00	1,250.00	15 (Fifteen) Days

निविदा की शर्तें– WWW.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंडल, सिमडेगा।

PR.NO.347943 Simdega(24-25):D

JHARKHAND BIJLI VITRAN NIGAM LIMITED
(CIN: U40108JH2013SGC001702)
Regd. Office:- Engineering Building, HEC, Dhurwa, Ranchi–834004.
fax # 0651-2400483 e-mail : cesp.jseb@rediffmail.com/gmsp.jbvnl@rediffmail.com

Notice inviting tender for procurement through rate contract

JBVNL invites online e-tender from reputed, technically experienced and financially sound manufacturers/ authorized supplier only for supply of following Material through rate contract :-

Sr	NIT/Tender notice No. and description of item	Tender fee	Date of publication of tender on website	Document download start date & time	Online Bid Submission start date	Online Bid Submission end date	Technical bid opening date and time
1	348/PR/JBVNL/2024-25 ISI Marked 11 kV XLPE UG/ Power Cable 300sqmm	Rs 10000/- + GST	07/03/2025 from 13:00 Hrs.	07/03/2025 from 13:10 Hrs.	07/03/2025 from 13:20 Hrs.	27/03/2025 upto 18:00 Hrs.	28/03/2025 at 18: 00 Hrs.
2	349/PR/JBVNL/2024-25 ISI Marked 33 kV XLPE UG/ Power Cable 400sqmm	Rs 10000/- + GST	07/03/2025 from 13:00 Hrs.	07/03/2025 from 13:10 Hrs.	07/03/2025 from 13:20 Hrs.	27/03/2025 upto 18:00 Hrs.	28/03/2025 at 18: 00 Hrs.
3	350/PR/JBVNL/2024-25 ISI Marked ACSR Dog Conductor	Rs 10000/- + GST	07/03/2025 from 13:00 Hrs.	07/03/2025 from 13:10 Hrs.	07/03/2025 from 13:20 Hrs.	27/03/2025 upto 18:00 Hrs.	28/03/2025 at 18: 00 Hrs.
4	351/PR/JBVNL/2024-25 ISI Marked ACSR Rabbit Conductor	Rs 10000/- + GST	10/03/2025 from 13:00 Hrs.	10/03/2025 from 13:10 Hrs.	10/03/2025 from 13:20 Hrs.	02/04/2025 upto 18:00 Hrs.	03/04/2025 at 18: 00 Hrs.
5	352/PR/JBVNL/2024-25 11 KV metering unit of different capacity	Rs 10000/- + GST	10/03/2025 from 13:00 Hrs.	10/03/2025 from 13:10 Hrs.	10/03/2025 from 13:20 Hrs.	02/04/2025 upto 18:00 Hrs.	03/04/2025 at 18: 00 Hrs.
6	353/PR/JBVNL/2024-25 33 KV metering unit of different capacity	Rs 10000/- + GST	10/03/2025 from 13:00 Hrs.	10/03/2025 from 13:10 Hrs.	10/03/2025 from 13:20 Hrs.	02/04/2025 upto 18:00 Hrs.	03/04/2025 at 18: 00 Hrs.
7	354/PR/JBVNL/2024-25 HT & LT winding machine	Rs 10000/- + GST	10/03/2025 from 13:00 Hrs.	10/03/2025 from 13:10 Hrs.	10/03/2025 from 13:20 Hrs.	02/04/2025 upto 18:00 Hrs.	03/04/2025 at 18: 00 Hrs.

NOTE:- (i) Only e-tenders will be accepted. Further details can be seen on website http:jharkhandtenders.gov.in and may be contacted on Mobile No. 9431135523/ 9430348596, NIC helpline No. 0651-2400178
(ii) Tender fee & EMD must be paid through online mode.
(iii) Tender fee is non-refundable.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें। कृपया अपनी शिकायतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager (S&P)
JBVNL

PR.NO.347965 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(24-25):D

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
(CIN No.:U40108JH2013SGC001704)
Regd. Office: SLDC Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi–834002.
OFFICE OF THE
GENERAL MANAGER, TRANSMISSION ZONE-VII, DHANBAD
Bijli Colony, Hirapur, Dist: - Dhanbad, Pin: - 826001 Email: gmtz7dhanbad@gmail.com, website:www.jusnl.in

Short E-TENDER NOTICE

E-tenders in two parts i.e. Technical Part (Part-I) and Price Part (Part-II) is invited from reputed, experienced and financially sound agencies/ firms for the following work:-

S/N	NIT No.	Description of work	Tender Fee (non-refundable)	Earnest Money Deposit
1.	500/PR/JUSNL/ 2024-25	Carrying out patrolling, routine/breakdown /schedule maintenance of 220 KV D/C Govindpur-Dumka Transmission Line (50.5 Km) under Transmission Sub-Division Govindpur, Dhanbad for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026.	Rs.2950.00 (Rs.2500+ CGST@9% +SGST@9%)	Rs.27,400.00
2.	501/PR/JUSNL/ 2024-25	Carrying out patrolling, routine/breakdown/ schedule maintenance of 132 KV D/C Chandankyari - Govindpur Transmission Line (67.8 Km) under Transmission Sub-Division Chandankyari, Bokaro for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026.	Rs.5900.00 (Rs.5000+ CGST@9% +SGST@9%)	Rs.32,400.00
3.	502/PR/JUSNL/ 2024-25	Carrying out patrolling, routine/breakdown/ schedule maintenance of 132 KV D/C Chandankyari - Jainamore Transmission Line (41.7 Km) under Transmission Sub-Division Chandankyari, Bokaro for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026.	Rs.2950.00 (Rs.2500+ CGST@9% +SGST@9%)	Rs.21,200.00
4.	503/PR/JUSNL/ 2024-25	Carrying out patrolling, routine/breakdown/ schedule maintenance of 220 KV D/C Govindpur-TTPS Transmission Line (90.5 Km) under Transmission Sub-Division Govindpur, Dhanbad for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026.	Rs.5900.00 (Rs.5000+ CGST@9% +SGST@9%)	Rs.41,900.00
5.	504/PR/JUSNL/ 2024-25	Carrying out preventive/Schedule and breakdown maintenance of 132/33 kV, 2X50 MVA Grid Sub -station, Chandankyari, Bokaro for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026.	Rs.5900.00 (Rs.5000+ CGST@9% +SGST@9%)	Rs.64,600.00
6.	505/PR/JUSNL/ 2024-25	Carrying out preventive/Schedule and breakdown maintenance of 220/132/33 kV, 2X50 MVA Grid Sub -station, Jainamore, Bokaro for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026.	Rs.5900.00 (Rs.5000+ CGST@9% +SGST@9%)	Rs.63,800.00
7.	506/PR/JUSNL/ 2024-25	Carrying out preventive/Schedule and breakdown maintenance of 220/132/33 kV, 2X150+2X80 MVA Grid Sub-station, Govindpur, Dhanbad for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026.	Rs.5900.00 (Rs.5000+ CGST@9% +SGST@9%)	Rs.78,800.00

Availabilty of Tender Documents on e-tender website	10.03.2025 at 3:00 PM to 24.03.2025 at 3:00 PM
Start Date & Time of upload of BID	10.03.2025 at 3:00 PM
End Date & Time for uploading BID	24.03.2025 at 3:00 PM
BID Opening date for Technical Part (Part-I)	25.03.2025 at 4:00 PM
BID Opening date for price Part	Will be communicated
Tender Inviting Authority and address for communication	General Manager, Transmission Zone-VII, Dhanbad, Bijli Colony, Hirapur, Dist: - Dhanbad, Pin: - 826001

1. e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website http://jharkhandtenders.gov.in. Any details / clarification required in this regard can also be obtained from the office of the undersigned during office hours. Please contact 9431049515/7053713709 for any enquiry.
2. The bids will be received through electronic tendering mode only.
3. Bidder shall deposit tender fee & EMD as mentioned above through online mode as per rules of e-tendering portal.
4. If there is sudden announcement of holiday by Govt. or Nigam on the date of opening of tender/ last date of submission of hard copy of bid then the next working day will be considered.
5. No claim shall be entertained on account of disruption of internet services being used by bidders. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag.
6. JUSNL reserves the right to accept or reject any bid partly or fully or cancel the bidding without assigning any reason thereof and in such case no bidder/intending bidder shall have any claim arising out of such action.

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचायें। कृपया अपनी शिकायतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager
Trans. Zone-VII, Dhanbad

PR.NO.347952 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(24-25):D

बाल विवाह एक कलंक

पिछले एक वर्ष में दो लाख बाल विवाह कानून की सख्ती से रोके गए। निश्चित रूप से बाल विवाह मानवाधिकारों का उल्लंघन ही है। जिससे बच्चियां ताउम्र पढ़ाई से वंचित हो जाती हैं और उनका शारीरिक व मानसिक विकास अवरुद्ध हो जाता है। सही मायनों में बाल विवाह कुपोषण एवं गरीबी का ऐसा चक्र पैदा करता है जिसकी कीमत राष्ट्र को चुकानी पड़ती है। चौंकाने वाले आंकड़े हैं कि पश्चिम बंगाल, बिहार व त्रिपुरा में 40 फीसदी लड़कियों के विवाह 18 साल से पहले हो जाते हैं। यही वजह है कि केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्रालय ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की है। दरअसल, यह शुरूआत उन राज्यों को लेकर की गई है,जहां बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। तथ्य यह भी कि समाज में गरीबी और बाल विवाह में सीधा रिश्ता है। एक अध्ययन के अनुसार 75 फीसदी बाल विवाह गरीब परिवारों में होते हैं। जो कालांतर गरीबी के नये दुश्चक्र को जन्म देते हैं। निश्चित रूप से हमारे समाज में गरीबी व रूढ़िवाद के चलते इस कुप्रथा को बल मिलता है। अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि संपन्न, शिक्षित और प्रगतिशील समाजों में बाल विवाह के मामले सामान्यतः नजर नहीं आते। वहीं दूसरी ओर लिंगभेद की सोच भी इन विवाहों को बढ़ावा देती है। अभिभावक विषम परिस्थितियों के चलते अल्पवयस्क लड़कियों का विवाह करके जल्दी अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त होना चाहते हैं। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि स्वतंत्रता से पूर्व देश में वर्ष 1929 में बाल विवाह निषेध कानून बनने के बावजूद इस कुप्रथा पर अंकुश क्यों नहीं लग पाया। पहले धारणा थी कि असुरक्षाबोध के चलते बाल विवाह को बढ़ावा मिलता रहा है। कम से कम स्वतंत्र भारत में बाल विवाह की सोच नहीं रहनी चाहिए थी।

कार्टून वर्ल्ड

आज का राशिफल

मेष : योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष : व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन : लाभदायक कार्यो की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क : सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यो का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह : अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या : बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यो में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला : कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक : नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु : कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंग। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर : भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ : जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यो से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

भाषा पर विवाद और उत्तर- दक्षिण में बंटता देश

देश में भाषा शिक्षा को लेकर चर्चा जारी है। तमिलनाडु में त्रिभाषा नीति का कड़ा विरोध भाषायी पहचान और केंद्र की नीतियों के बारे में महत्वपूर्ण चिंता को उजागर करता है। वास्तविक शैक्षिक सुधार के लिए भाषा शिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाना आवश्यक है, न कि केवल नीतिगत ढांचों पर ध्यान केंद्रित करना है। केंद्र और राज्य के बीच सकारात्मक बातचीत और व्यावहारिक समझौता ही आगे का सबसे अच्छा रास्ता है। आपातकाल के दौरान शिक्षा को समवर्ती सूची में शामिल किया गया था, जिसका अर्थ है कि यह एक संयुक्त जिम्मेदारी है। त्रिभाषा (तीसरी भाषा) से सम्बंधित विवादों के कारण समग्र शिक्षा, जो एक आवश्यक शिक्षा पहल है, के वित्तपोषण में बाधा नहीं आनी चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 बहुभाषी शिक्षा को बढ़ाने और भाषायी विविधता की सुरक्षा के उद्देश्य से त्रिभाषा ढांचा प्रस्तुत करती है। आठवीं अनुसूची में मान्यता प्राप्त 22 आधिकारिक भाषाओं और बोलियों की समृद्ध विविधता के साथ, क्षेत्रीय आवश्यकताओं और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन हासिल करना काफी चुनौतीपूर्ण है। गैर-हिन्दी भाषी राज्यों की चिंताएं कथित भाषायी प्रभुत्व से सम्बंधित मुद्दों और इस नीति को कार्यान्वित करने में व्यावहारिक कठिनाइयों पर जोर देती हैं। त्रिभाषा नीति का लक्ष्य बहुभाषिकता को प्रोत्साहित करना है, जिससे राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा और भारत का भाषायी परिदृश्य समृद्ध होगा। उदाहरण के लिए, उत्तर भारतीय स्कूलों में तमिल पढ़ाने से सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा मिल सकता है और क्षेत्रीय अंतर को पाटने में मदद मिल सकती है।

अनेक भाषाओं, विशेषकर क्षेत्रीय भाषाओं में दक्षता से सरकारी नौकरियों, अनुवाद और पर्यटन में विभिन्न कैरियर के रास्ते खुलते हैं। इसके अलावा, कूटनीति और बहुराष्ट्रीय निगमों में पदों के लिए बहुभाषी कौशल अकसर आवश्यक होते हैं। नीति में यह अनिवार्य किया गया है कि सीखी जाने वाली कम से कम दो भाषाएं भारत की मूल भाषाएं हों, जिससे देश की भाषाई विरासत और साहित्य का संरक्षण हो सके। देश की शास्त्रीय और क्षेत्रीय भाषायी परंपराओं को बनाए रखने के लिए संस्कृत, बंगाली, तेलुगु और मराठी जैसी भाषाओं का प्रचार-प्रसार अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि, तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य इस नीति को हिन्दी को धीरे-धीरे थोपने की नीति के रूप में देखते हैं। चूंकि शिक्षा एक समवर्ती विषय है, इसलिए केंद्रीकृत भाषा सीखने की नीति लागू करना संघीय सिद्धांतों के लिए चुनौतियां उत्पन्न करता है। तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की तीन-भाषा आवश्यकता का पालन नहीं करने का विकल्प चुना है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य के लिए समग्र शिक्षा अभियान के तहत वित्त पोषण में देरी हो रही है।

- प्रियंका सौरभ

> राज्य हिन्दी की अपेक्षा अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को प्राथमिकता देते हैं, जिससे केंद्रीय नीतियों के साथ उनका सम्बंध टूट जाता है। पश्चिम बंगाल में बंगाली-अंग्रेजी शिक्षा पर अधिक जोर दिया जाता है तथा अनिवार्य हिन्दी शिक्षा को अस्वीकार कर दिया जाता है। सरकारी स्कूलों में, विशेषकर आर्थिक रूप से वंचित राज्यों में, अक्सर भाषा शिक्षकों, संसाधनों और डिजिटल भाषा प्रयोगशालाओं के लिए आवश्यक धन की कमी होती है।

इसके अतिरिक्त, कई राज्यों को इन अतिरिक्त भाषाओं के लिए योग्य शिक्षकों की कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे सरकारी स्कूलों में कार्यान्वयन जटिल हो रहा है। उदाहरण के लिए, ओडिशा और केरल के स्कूलों को सीमित उपलब्धता के कारण हिन्दी शिक्षकों को ढूंढने में संघर्ष करना पड़ रहा है। अतिरिक्त भाषा पाठ्यक्रम शुरू करने से भी छात्रों पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे गणित जैसे आवश्यक विषयों में उनकी दक्षता प्रभावित हो सकती है। क्षेत्रीय दलों का प्रतिरोध भाषा नीतियों को अपनाने में महत्वपूर्ण चुनौतियाँ उत्पन्न करता है। गैर-हिंदी भाषी राज्यों में राजनीतिक समूह अकसर इन नीतियों को अपने स्थानीय शासन में घुसपैठ के रूप में देखते हैं, जिसके परिणामस्वरूप विरोध होता है। कई ग्रामीण छात्रों को दूसरी भाषा सीखने में कठिनाई होती है, जिससे तीसरी भाषा सीखने की प्रक्रिया जटिल हो जाती है। उदाहरण के लिए, ग्रामीण बिहार में 40 फीसद छात्रों को अंग्रेजी भाषा सीखने में कठिनाई होती है, जिससे उनकी अन्य भाषाएं सीखने की क्षमता में बाधा आती है।

राज्य हिन्दी की अपेक्षा अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को प्राथमिकता देते हैं, जिससे केंद्रीय नीतियों के साथ उनका सम्बंध टूट जाता है। पश्चिम बंगाल में बंगाली-अंग्रेजी शिक्षा पर अधिक जोर दिया जाता है तथा अनिवार्य हिन्दी शिक्षा को अस्वीकार कर दिया जाता है। सरकारी स्कूलों में, विशेषकर आर्थिक रूप से वंचित राज्यों में, अक्सर भाषा शिक्षकों, संसाधनों और डिजिटल भाषा प्रयोगशालाओं के लिए आवश्यक धन की कमी होती है। पूर्वोत्तर भारत में तीसरी भाषा पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षकों की कमी से प्रभावी नीति कार्यान्वयन में बाधा आती है। राज्यों के लिए एक मानकीकृत त्रिभाषा नीति का पालन करने की बजाय अपनी क्षेत्रीय भाषा चुनने की स्वतंत्रता होना अधिक लाभदायक होगा। उदाहरण के लिए, कर्नाटक सरकार हिन्दी लागू करने के बजाय कन्नड़, अंग्रेजी और विद्यार्थी की पसंद की भाषा पढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर सकती है। शिक्षक प्रशिक्षण को बढ़ावा देना, ई-लर्निंग संसाधनों का विकास करना, तथा भाषा अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करना स्थिति में काफी सुधार ला सकता है।

आंध्र प्रदेश में डिजिटल भाषा प्रयोगशाला पहले से ही प्रौद्योगिकी के माध्यम से स्थानीय भाषा शिक्षा को बढ़ावा देने में प्रगति कर रही हैं। छात्रवृत्ति, करियर प्रोत्साहन और व्यावहारिक भाषा प्रशिक्षण की पेशकश से छात्रों को स्वेच्छा से अतिरिक्त भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। यूजीसी संस्कृत, पाली और फारसी में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करता है, जिससे भाषायी विविधता को बनाए रखने में मदद मिलती है। केंद्र को भाषा नीति पर चर्चा में राज्यों को शामिल करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करती है। संयुक्त शिक्षा समिति की स्थापना से राज्यों को कार्यान्वयन प्रक्रिया में अधिक आवाज मिल सकेगी। मूल समस्या, शिक्षा में भाषा मानक और शिक्षण गुणवत्ता में गिरावट। कोचिंग सेंटरों ने विज्ञान और गणित में बढ़त ले ली है, तथा भाषा शिक्षा को पीछे छोड़ दिया है। यद्यपि कई सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय बन गया है, फिर भी प्रवीणता का स्तर निराशाजनक रूप से निम्न बना हुआ है। शिक्षकों का सीमित अंग्रेजी कौशल सीधे तौर पर छात्रों की पढ़ाई पर प्रभाव डालता है, जैसा कि आंध्र प्रदेश में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा की ओर बदलाव से स्पष्ट है। हिन्दी के लिए भी स्थिति बहुत बेहतर नहीं है। इस भाषा में शिक्षण स्तर का भी उतना ही अभाव है। हिन्दी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को अकसर सक्रिय शिक्षण के लिए आवश्यक उपकरण के बजाय मात्र सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इसके अतिरिक्त, पढ़ने की आदतों में गिरावट भाषा शिक्षा के क्षेत्र में अधिक महत्त्वपूर्ण चुनौतियों की ओर इशारा करती है। स्कूलों में पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा नहीं दिया जा रहा है, जिससे अंततः दीर्घकालिक भाषा कौशल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। भारत की विविधता में एकता बनाए रखने के लिए एक समेकित भाषायी ढांचा तैयार करना आवश्यक है।

लेटर टू एडिटर

तकनीक का खतरा

लेबनान में पेजर और वॉकी-टॉकी में विस्फोटक रखकर किए गए धमाके दिल दहला देने वाले हैं। यह नई तकनीक का खतरनाक उपयोग दर्शाता है। पहले से ही लोग साइबर अटैक से चिंतित हैं, अब मोबाइल फोन और लैपटॉप जैसे गैजेट्स भी खतरा बन गए हैं। इस्राइल ने युद्ध में दुश्मनों को नुकसान पहुंचाने के लिए जो तरीका अपनाया है, वह न केवल नया है, बल्कि खतरनाक भी। विशेषज्ञों को मोबाइल फोन और अन्य उपकरणों से होने वाले संभावित खतरों के खिलाफ उपाय खोजने चाहिए।

– रविन्द्र सिंह, रांची

संदेह के घेरे में

प्राचीन काल में विभिन्न शक्तियों का दुरुपयोग मानव जाति के लिए हानिकारक होता था। आज विज्ञान की सुविधाओं का भी दुरुपयोग हो रहा है। राष्ट्रविरोधी तत्व तकनीक का दुरुपयोग कर सकते हैं।यह स्थिति चिंता का विषय है।

–प्रिया सिन्हा, हजारीबाग

ट्वीट

पूंजीपतियों को छूट और आम लोगों से लूट का एक और उदाहरण देखिए। एक तरफ कॉरपोरेट टैक्स के मुकाबले इनकम टैक्स लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ मोदी सरकार गब्बर सिंह टैक्स से और ज्यादा वसूली की तैयारी कर रही है। सरकार एक नया टैक्स स्लैब पेश करने जा रही है - आपकी जरूरत की चीजों पर जीएसटी बढ़ाने की योजना है। जरा सोचिए - अभी, शादियों का सीजन चल रहा है। लोग कब से पाई-पाई जोड़कर पैसे इकट्ठा कर रहे होंगे और सरकार इसी बीच ? 1500 से ऊपर के कपड़ों पर जीएसटी 12% से बढ़ाकर 18% करने जा रही है। यह घोर अन्याय है -

– राहुल गांधी, सांसद

ट्रंप की गणित, दुनिया भ्रमित

विक्रम उपाध्याय

सामयिक

दुनिया तेजी से बदलती है...। और उससे भी ज्यादा तेजी से बदलते हैं वे देश, जो अपने हित के लिए पूरी व्यवस्था बदलने का माद्दा रखते हैं। अमेरिका इस मामले में अकेला देश है, जो खेल का नियम अपने लाभ के लिए बनाता है। राष्ट्रपति ट्रंप अकेले उदाहरण नहीं हैं। कुछ लोग भले ही उनको सनकी मान रहे हों, पर इसके पहले भी अमेरिका फर्स्ट के नारे को साधने के लिए नियमों के साथ खिलवाड़ अमेरिकी हुक्मरानों ने किया है। पिछले चार दशकों में अमेरिकी मनमानेपन के शिकार कई देश हुए हैं। इराक, अफगानिस्तान, ईरान जैसे देश कुछ तो अपने कारण, और बहुत कुछ वाशिंगटन नीति के कारण ही तबाह हुए।

पिछली सदी के 90 के दशक में यह अमेरिका और उसके साथ जुड़े कुछ खास दोस्त ही थे, जिन्होंने डंकल प्रस्ताव लाकर पूरी दुनिया के व्यापार को एक साथ अपने इशारे पर चलने का कुचक्र रचने का सफल प्रस्ताव किया, कृषि पर ट्रिप्स और व्यापार पर ट्रिम्स लागू कर सभी देशों को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश की गई। ट्रिप्स प्रावधानों में यहां तक ज्यादती की गई, कि इन समझौतों पर हस्ताक्षर करने वाला देश अपने गरीब किसानों को कोई सब्सिडी न देने पाए। एक तरफ अमेरिका और यूरोप अपने उत्पादों को दुनिया के बाजार में आसानी से उतारने के लिए अपने यहां भारी इनसेंटिव दे रहे थे और दूसरी तरफ भारत जैसे विकासशील देशों पर तरह के प्रतिबंध लगा रहे थे। जब देश में प्रधानमंत्री के रूप में भाजपा के सर्वशक्तिमान नेता अटल बिहारी वाजपेयी विराजमान थे, तब अमेरिका ने मात्रात्मक प्रतिबंध नियमों के बहाने कई वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। तब मदनलाल खुराना संसदीय कार्य मंत्री थे। उन्होंने मात्रात्मक प्रतिबंध का अमेरिकी फैसले का पुरजोर विरोध किया था, तब उनको अपना पोर्टफोलियो खोना पड़ा था। अमेरिका तब पाकिस्तान के प्रेम में था और अपना प्रभाव पाकिस्तान को भारतीय कोप से बचाने में भी करता था। तब जार्ज बुश ने पाकिस्तान को तो अपने हित साधने के लिए एफ 16 युद्धक विमान दे दिया, लेकिन भारत के लिए इनकार कर दिया।

राष्ट्रपति ट्रंप व्यापार के नए नियम बनाना और चलाना चाहते हैं। उनके लिए कोई देश उनका अपना नहीं है, भारत भी नहीं। तमाम विशेषज्ञों ने ये दावे किए थे कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को निभाते हुए ट्रंप भारत के खिलाफ कोई आक्रामक रुख अख्तियार नहीं करेंगे। पर ये सारे कयास धरे के धरे रह गए। जो व्यवहार ट्रंप ईर्ष्यावश मैक्सिको के साथ कर रहे हैं, वही व्यवहार वह भारत के साथ भी करते दिख रहे हैं। जिस तरह से अमानवीय व्यवहार भारत के गैरकानूनी प्रवासियों के साथ ट्रंप प्रशासन ने किया, उसके बाद यह अपेक्षा बेमानी है कि ट्रंप, मोदी सरकार को कोई विशेष छूट देने की सोच भी रहे हैं। वह कोई मौका नहीं चूक रहे हैं, जहां भारत को लेकर चेतावनी वाले लहजे की गुंजाइश बनती हो। वह प्रधानमंत्री मोदी को अपने से ज्यादा हार्ड बार्गेनर तो बताते हैं, लेकिन यह कहना भी नहीं चूकते कि वह जल्दी ही इंपोर्ट ड्यूटी नई दिल्ली के खिलाफ भी लगाने जा रहे है। ट्रंप की नजर में भारत का ऑटो सेक्टर, इंजीनियरिंग सेक्टर, केमिकल इंडस्ट्री और कपड़ा इंडस्ट्री चुभ रही है। वह इन सभी क्षेत्रों पर अलग ड्यूटी बढ़ाने की धमकी दे रहे है। यह धमकी सच साबित हुई तो, संभव है कि भारत का निर्यात 30 प्रतिशत तक घट जाए। यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। अगले साल तक भारत की अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन की बनाने की मोदी की योजना को भी झटका लग सकता है । ट्रंप की एकतरफा कार्रवाई, अमेरिका के लिए कितनी लाभकारी होगी, इसे लेकर बहुत सारी आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। ट्रंप ने जो भी कदम उठाए हैं, वे अभी तक फलीभूत नहीं हो पा रहे हैं। उसका सबसे बड़ा कारण यह है कि सभी फैसले बिना सोच विचारे किए जा रहे हैं। किसी भी देश के साथ ट्रेड ड्यूटी या शुल्क को लेकर ट्रंप प्रशासन ने कोई वार्ता या समिट भी नहीं की है। इसलिए जिन देशों के खिलाफ ट्रेड ड्यूटी बढाई गई हैं, वे भी अब अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की तैयारी में हैं। कनाडा ने तो अमेरिका के कई प्रांतों को अपने यहां से दी जा रही बिजली रोकने की धमकी दी है। चीन भी अमेरिका को परेशान करने वाले कदमों की तैयारी कर रहा है। ट्रंप चाहे जितना शोर मचा ले, अंत में अकेले रहने का जोखिम नहीं उठा सकते।

भारत में मोदी सरकार अभी खामोशी अख्तियार किए हुए है। सभी संदर्भित मंत्रालय अपनी-अपनी तैयारी में लगे है। एक कूटनीतिक प्रयास के तहत देश के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अपने अमेरिकी समकक्ष के साथ बातचीत में जुटे हुए हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थानों पर उठते सवाल

-प्रियंका सौरभ

संस्थान

भारतीय संस्थानों से निकले एसटीईएम स्नातकों की एक बड़ी संख्या ऐसी है जिनमें आवश्यक कौशल का अभाव है। यह उद्योग और अनुसंधान प्रगति में बाधा डालता है। संस्थागत रैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान आउटपुट पर ध्यान केंद्रित करने से कई शिक्षण-केंद्रित संस्थानों ने अक्सर निम्न-गुणवत्ता वाले आउटलेट में प्रकाशन पत्र और पेटेंट को प्राथमिकता दी है, कई संस्थानों में संकाय पर अत्यधिक बोझ है, पेशेवर विकास के लिए बहुत कम समय या प्रोत्साहन है। संकाय भर्ती अक्सर स्थानीयकृत होती है, जिससे शैक्षणिक प्रदर्शन और दृष्टिकोण की विविधता सीमित हो जाती है। क्वांटम कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी पहलों के लिए कुशल पेशेवरों की आवश्यकता होती है लेकिन सीमित योग्य कर्मियों और अपर्याप्त प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे के कारण इन पहलों का उपयोग कम होने का खतरा है। वर्तमान संरचना संसाधनों, पाठ्यक्रम या संकाय के आदान-प्रदान की सुविधा नहीं देती है, जिससे शिक्षा और अनुसंधान के बीच विभाजन मजबूत होता है, विज्ञान, गणित और प्रौद्योगिकी में योगदान के अपने समृद्ध इतिहास के साथ, भारत अब एक ऐसे महत्त्वपूर्ण मोड़ पर है जहाँ देश में (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा के भविष्य को आकार देने में प्रौद्योगिकी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जैसे-जैसे दुनिया तेजी से डिजिटल होती जा रही है, शिक्षा में प्रौद्योगिकी का समावेश केवल चलन नहीं बल्कि एक आवश्यकता है।

प्रौद्योगिकी छात्रों और शिक्षकों के बीच सहयोग को सुगम बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और उपकरण परियोजनाओं पर वास्तविक समय में सहयोग को सक्षम करते हैं, टीमवर्क और संचार कौशल को प्रोत्साहित करते हैं। ये सहयोगात्मक अनुभव पेशेवर दुनिया में वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति की सहयोगात्मक प्रकृति को दशार्ते हैं। शिक्षा में प्रौद्योगिकी का एकीकरण कई लाभ लाता है, यह चुनौतियों को भी सामने लाता है जिन्हें व्यापक परिवर्तन के लिए सम्बोधित करने की आवश्यकता है। डिजिटल डिवाइड एक महत्त्वपूर्ण चिंता का विषय बना हुआ है, जिसमें प्रौद्योगिकी और इंटरनेट तक पहुँच में असमानताएँ हैं। इस अंतर को पाटना यह सुनिश्चित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है कि सभी छात्रों को, उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, प्रौद्योगिकी के उपयोग से लाभ उठाने के समान अवसर मिलें। शिक्षकों को भी अपने शिक्षण विधियों में प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण की आवश्यकता है। शिक्षकों के लिए निरंतर व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करना सुनिश्चित करता है कि वे प्रौद्योगिकी के उपयोग को समझने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं। इसके अतिरिक्त, शिक्षा में प्रौद्योगिकी के नैतिक उपयोग, जिसमें डेटा गोपनीयता और सुरक्षा शामिल है, जिसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

शिक्षण-केंद्रित संस्थानों के मूल्यांकन को अनुसंधान मेट्रिक्स से अलग करके, रैंकिंग अनुसंधान आउटपुट पर शिक्षण गुणवत्ता को प्रतिबिंबित कर सकती है, जिससे इन संस्थानों पर निम्न-गुणवत्ता वाले अनुसंधान को आगे बढ़ाने का दबाव कम हो सकता है। शिक्षण संस्थानों को मूलभूत कौशल को मजबूत करने के लिए विशेष रूप से प्रारंभिक वर्षों में, अनुसंधान पर शिक्षाशास्त्र को प्राथमिकता देनी चाहिए। एक समर्पित ₹शिक्षण ट्रैक₹ शुरू किया जा सकता है, जिससे शिक्षाशास्त्र में रुचि रखने वाले संकाय सदस्यों को अकेले अनुसंधान आउटपुट के बजाय अपने शिक्षण कौशल के आधार पर आगे बढ़ने की अनुमति मिल सके। अनुसंधान संस्थान संयुक्त डिग्री कार्यक्रम बनाने के लिए शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी कर सकते हैं, जिससे उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों को अपना काम पूरा करने में मदद मिलेगी अनुसंधान-केंद्रित संस्थानों में अध्ययन। इस दृष्टिकोण का एक उदाहरण एनआईटी सूरत और आईआईटी बॉम्बे के बीच सहयोग है, जो छात्रों को एक प्रमुख संस्थान में उन्नत अध्ययन पूरा करने की अनुमति देता है। सरकारी फंडिंग को शिक्षण संस्थानों के भीतर शिक्षाशास्त्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की दिशा में निर्देशित किया जाना चाहिए। ये केंद्र शिक्षक प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम विकास और एसटीईएम शिक्षा में सर्वोत्तम प्रथाओं के केंद्र के रूप में काम करेंगे, जिससे बड़े अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता के बिना प्रणालीगत सुधार होंगे।

भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों के सामने आने वाली चुनौतियाँ एक बहुआयामी दृष्टिकोण की मांग करती हैं जिसमें पाठ्यक्रम आधुनिकीकरण, अनुसंधान वित्त पोषण, संकाय विकास और विविधता पहल शामिल हैं। सरकार और उद्योग के सहयोग में वृद्धि से समर्थित नीतिगत सुधार, अधिक गतिशील, उद्योग-संरेखित और समावेशी एसटीईएम पारिस्थितिकी तंत्र बना सकते हैं।

भारत में शिक्षा प्रणाली को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें शिक्षा तक असमान पहुँच, पुराना पाठ्यक्रम और अपर्याप्त धन शामिल है। हालाँकि, इन चुनौतियों के बावजूद, देश में सम्मानित विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की संख्या बढ़ रही है और सरकार ने शिक्षा प्रणाली के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने में महत्त्वपूर्ण प्रगति की है। शिक्षा में निरंतर निवेश के साथ भारत में सीखने और ज्ञान का एक अग्रणी केंद्र बनने और अपने सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की क्षमता है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

किसानों का करायें ईकेवाइसी : डीसी

पशुपालन व मत्स्य पालन से जुड़े लाभुकों को दें केसीसी के लाभ

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ जिले के वैसे किसानों को केसीसी का लाभ मिलना चाहिए, जो पशुपालन, गव्य विकास और मत्स्य पालन से जुड़े हुए हैं। यह बातें गुरुवार को समाहरणालय सभागार में बैठक के दौरान डीसी चंदन कुमार ने कही। कृषि और अन्य संबद्ध विभागों की ओर से किए जा रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान डीसी ने वर्ष 2024- 2025 में सभी संबंधित विभागों की योजनाओं की अद्यतन जानकारी ली और अब तक किए गए कार्यों में व्यय की समीक्षा की। उन्होंने कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी परियोजना निदेशक से ली गई। डीसी चंदन कुमार ने किसानों को योजनाओं से जोड़ने और जागरूक करने के लिए परियोजना निदेशक को कृषि मेला आयोजित करने का निर्देश दिया। कृषि योजना के तहत खरीफ फसल योजना 2024 - 25 में चल रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में संबंधित अधिकारियों को योजना पर विशेष ध्यान देते हुए अभियान मोड में योग्य लाभुकों को योजना से जोड़ने को कहा। झारखंड कृषि ऋण माफी योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने लंबित ई केवाईसी का कार्य तत्काल रूप से पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने पीएम किसान योजना के तहत स्वयं से पंजीकरण करने वाले लाभुकों की जांच कर स्वीकृति देने तथा उनका ईकेवाईसी का कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने कृषि के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन से जुड़े किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड के लाभ से आच्छादित करने को कहा। वहीं उन्होंने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना सहित पशुपालन से जुड़ी अन्य योजनाओं के लाभुकों को केसीसी उपलब्ध कराने को लेकर जिला अग्रणी प्रबंधक सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने जिले के अलग-अलग क्षेत्र में निर्मित कोल्ड स्टोरेज, मिनी कोल्ड स्टोरेज की जानकारी लेने के क्रम में जिला सहकारिता पदाधिकारी को वर्तमान में कोल्ड स्टोरेज संबंधित कई निर्देश दिया। उपायुक्त ने जिला मत्स्य पदाधिकारी को मत्स्य पालन से जुड़े लाभुकों को केसीसी उपलब्ध कराने तथा जिले के अलग-अलग खनन प्रभावित क्षेत्रों में बंद पड़ी खदानों में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए माइनिंग कोलपिट की पहचान कर संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इन सबके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त ने उद्यान, मत्स्य, भूमि संरक्षण सहित अन्य कृषि संबद्ध विभागों की ओर से विगत वित्तीय वर्ष तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष में किया गए कार्यों एवं लक्ष्य के अनुरूप प्राप्ति सुनिश्चित करने को लेकर महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त रॉबिन टोप्पो, कृषि और अन्य संबद्ध विभागों के जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

शहरवासियों को अब तक नहीं मिला कोनार डैम का पानी

500 करोड़ खर्च, 9 साल इंतजार, फिर भी हजारीबाग प्यासा

अभय कुमार सिंह

हजारीबाग। हजारीबाग की शहरी जलापूर्ति योजना लगभग एक दशक से अधर में लटकी हुई है। 2016 में शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य कोनार डैम से 58 एमएलडी पानी लाकर हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करना था। लेकिन 9 साल बाद भी यह योजना अधूरी है, और लाखों की आबादी आज भी शुद्ध पेयजल के लिए जूझ रही है। इस परियोजना पर अब तक 500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुके हैं। योजना का कार्य एलएनटी कंपनी को सौंपा गया था, लेकिन प्रगति कछुए की चाल से हो रही है। हर दिन कहीं न कहीं पाइपलाइन जोड़ी जा रही है, लेकिन यह पानी कब आएगा, इस सवाल का जवाब किसी के पास नहीं है।एलएनटी के अधिकारी इस पर बोलने से बचते हैं, और नगर निगम भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे रहा है। ऐसे में, योजना के पूरा होने की कोई निश्चित समय-सीमा नहीं दिख रही।

पाइपलाइन में कनेक्शन करता कर्मी ।

गर्मियों में पानी के संकट से जूझेंगे शहरवासी : शहर के कई इलाकों में गंभीर जल संकट पहले से ही उत्पन्न हो चुका है, जबकि गर्मी अभी शुरू भी नहीं हुई है। जिन इलाकों में पानी नहीं पहुंच पा रहा, वहां के लोग बोरवेल और टैंकरों पर निर्भर हैं। दीपूगढ़ा, कोलघटी, मंडई, और नूरा जैसे इलाकों में मात्र 1 एमएलडी पानी की आपूर्ति झील जलमीनार से हो रही है, जिससे सिर्फ ढाई हजार घरों को सीमित मात्रा में पानी मिल पा रहा है। बाकी वार्डों के लोगों को अभी भी इस योजना के पूरे होने का इंतजार है। एलएनटी कंपनी का दावा है कि नगर निगम की उदासीनता और असहयोग के कारण जलापूर्ति योजना में देरी हो रही है। दूसरी ओर, नगर निगम के अधिकारी इस पर कोई ठोस जवाब देने को तैयार नहीं हैं। 2016 में तत्कालीन उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला ने विष्णुगढ़ प्रखंड में कोनार डैम और नहर का निरीक्षण किया था। उस समय, उन्होंने इस परियोजना की स्वीकृति की घोषणा की थी। योजना के अनुसार, कोनार डैम से हजारीबाग तक 65 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जानी थी। पहले इसे नगर परिषद संचालित करने वाली थी, लेकिन बाद में इसे पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को सौंप दिया गया। इसके लिए सेटेक इंडिया नामक कंसल्टेंसी कंपनी से नए सिरे से डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनवाई गई। डीवीसी से अनापत्ति प्रमाण पत्र भी प्राप्त कर लिया गया। लेकिन नौ साल बाद भी लाखों शहरवासियों को कोनार डैम का एक बूंद पानी भी नहीं मिला। शहरवासियों में इस देरी को लेकर गहरी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि अगर 500 करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी उन्हें पानी नहीं मिल रहा, तो यह घोर प्रशासनिक विफलता का संकेत है। अब सवाल यह है कि आखिर कब पूरी होगी हजारीबाग की जलापूर्ति योजना? क्या शहरवासियों को 9 साल और इंतजार करना होगा?

अरगड्डा में सीबीआइ ने की छापेमारी

रामगढ़। रामगढ़ जिले से सटे गिद्दी थाना क्षेत्र के सीसीएल अरगड्डा क्षेत्र के सीसीएल गिद्दी ए परियोजना कार्यालय में सीबीआई के दल ने गुरुवार 11 बजे छापा मारा। छापेमारी के बाद कार्यालय परिसर में हड़कंप मच गया। गिद्दी ए कोलियरी ऑफिस से बाहर निकलने वाले लोगों के साथ पूछताछ की जा रही है। इस दौरान सीबीआई के अधिकारियोंने मोबाईल चेक भी किया। सीबीआई की करीब 15 सदस्यीय टीम सबसे पहले गिद्दी ए कोलियरी खदान पहुंची। यहां सुरक्षा अधिकारी, पीओ, सेफ्टी ऑफिसर और एक माइनिंग सरदार को लेकर गिद्दी कोलियरी परियोजना ऑफिस पहुंची। यहां सभी अधिकारियों व दर्जनों ऑफिस स्टाफ से ऑफिस के बाहर बरामदे में बैठाकर पूछताछ कर रही थी। बताया जाता है कि बीते एक सप्ताह पहले 27 फरवरी को सीसीएल रेलीगढ़ा परियोजना में सीबीआई के रोड सेल में भ्रष्टाचार, कागजी गड़बड़ियां, कंटाघर वजन के मामलों को लेकर छापा मारा था। जिसे लेकर गिद्दी ए कोलयरी में भी सीबीआई की टीम घोटाले की जांच करने में जुटी है। सीबीआई गिद्दी ए रोड सेल परियोजना से जुड़े विभिन्न अधिकारियों से पूछताछ जांच-पड़ताल करने में लगी थी।

बराकर नदी में मिला अज्ञात शव

बरही। बरही के चाकूरातांड स्थित अनुमंडलीय कारा के पीछे बराकर नदी में बुधवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरही थाने की पुलिस ने बरामद किया। बताया जाता है कि बराकर नदी में एक व्यक्ति का शव को स्थानीय लोगों ने देखा। मृतक पैंट शर्ट पहना है। शव मिलने के बाद आसपास इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना बरही थाने की पुलिस को दी गयी।

सूचना मिलते ही बरही थाने की पुलिस पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने बताया कि फिलहाल शव की पहचान नहीं हो पाई है। गुरुवार को शव को पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

महूदी में रामनवमी जुलूस को लेकर जल्द होगा समाधान

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। बड़कागांव के महूदी में रामनवमी जुलूस को लेकर लंबे समय से चला आ रहा विवाद सुलझाने के लिए गुरुवार को बड़ी पहल की गई। सांसद मनीष जायसवाल के नेतृत्व में महूदी और बड़कागांव के जनप्रतिनिधियों का प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त नैंसी सहाय से मिला और समाधान को लेकर वार्ता की। जायसवाल ने उपायुक्त के समक्ष महूदी में पिछले कुछ वर्षों से रामनवमी जुलूस में आ रही बाधाओं को रखते हुए सामाजिक पहल के माध्यम से विवाद सुलझाने की मांग की। उपायुक्त ने जिला प्रशासन द्वारा सभी पक्षों से बातचीत कर सौहार्दपूर्ण माहौल में महूदी का रामनवमी जुलूस आयोजित कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, सांसद प्रतिनिधि सत्येन्द्र नारायण सिंह, खेमलाल महतो, टुकेश्वर प्रसाद, बचन देव कुमार,सीताराम राणा, राज कुमार राणा समेत व ग्रामीण उपस्थित थे।

गरीब बेटी की शादी में समाज सेवी ने की मदद

रामगढ़। बरकाकाना घुटवा दुर्गी निवासी द्वारिका मुंडा की पुत्री संगीता कुमारी के शादी पर रामगढ़ की महिला समाजसेवी सोनी कुमारी के सौजन्य से ड्रेसिंग, डाइनिंग टेबल, छोटा टेबल, चार कुर्सी सेट, 26 किलो चावल, नगद 1000 दिया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम की अध्यक्षता ज्ञान महिला समिति के संस्थापक विनोद जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में महिला समाजसेवी सोनी कुमारी ,झारखंड सेवा समिति के अध्यक्ष अमित सिन्हा शामिल हुए। समाजसेवी सोनी कुमारी ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत मदद करना बहुत ही सराहनीय है । झारखंड सेवा समिति के अध्यक्ष अमित सिन्हा ने कहा कि महिला समाजसेवी सोनी कुमारी द्वारा बेटियों की शादी में मदद करना सराहनीय है और रामगढ़ जिले के लिए गर्व की बात है।

रामगढ़ में कोयला तस्करों के छूट रहे पसीने

खबर मन्त्र संवाददाता

खबर मन्त्र इंपेक्ट

डीसी-एसपी के कामों की हो रही है प्रशंसा

रामगढ़ । जिले में हो रहे अवैध कोयला उत्खनन व कारोबार की खबर दैनिक समाचार पत्र खबर मंत्र में प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद जिला प्रशासन ने जिस प्रकार से एक्शन लिया है, इससे अब धंधेबाजों के पसीने छूट रहे हैं। कल तक अपने आपको जिले से लेकर रांची तक शीर्ष आला अधिकारियों व नेताओं तक अपनी पैंठ बताकर धंधे को सीना तान कर चलाने वाले अधिकांश धंधेबाज फिलहाल साइलेंट मोड में आ गए हैं। जिले के डीसी चंदन कुमार, एसपी अजय कुमार द्वारा पहले भी अवैध उत्खनन को लेकर समय समय पर अपने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिए जाते रहे हैं। टास्क फोर्स टीम भी गठित किया गया। लेकिन इसका खास प्रभाव नहीं देखा जा रहा था। लेकिन इस बार डीसी एसपी ने स्वयं मैदान में उतरने, अवैध कोयला उत्खनन मुहाने का निरीक्षण करने के बाद उनके अधीनस्थ जिले के अधिकांश अधिकारी चाहें पुलिस विभाग के हों या फिर वन विभाग अथवा खनन विभाग सभी अधिकारी फिलहाल रेस हैं। कहीं अवैध कोयला उत्खनन मुहाने का निरीक्षण तो कहीं मुहाने को बंद कराने तो कहीं धंधेबाजों को चिंहित करने की दिशा में कार्रवाई शुरू हो गई है। इन दिनों जिले के वर्तमान डीसी चंदन कुमार, एसपी अजय कुमार के कार्यों की सराहना चारो तरफ हो रही है। लोगों का मानना है कि उक्त दोनों अधिकारियों के जिले में पदस्थापना के बाद विधि व्यवस्था के साथ साथ अनेकों विकास योजनाओं को धरातल पर उतारा गया है। डीसी चंदन कुमार व एसपी अजय कुमार के सफल निर्देशन में विधानसभा चुनाव 2024 संपन्न हुआ। सरकारी हड़पी जमीन वापस लाने या फिर गलत तरीके से 403 एकड़ जमीन की हुई जमाबंदी को रद्द करने का मामला हो, इन्होंने जो एक्शन लिया है वह तारीफ ए काबिल है। उपायुक्त कुशल प्रशासक के साथ--साथ मानवीय संवेदनशील है। ठंड से राहत दिलाने के लिए गरीबों के बीच कंबल वितरण,आम लोगों के लिए अलाव की व्यवस्था, चिलचिलाती धूप में राहगीरों के लिए जगह-जगह शीतल पेयजल तथा वर्षा ऋतु में रिक्शा चालकों के बीच छाता, रेनकोट का वितरण इनके मार्मिकता को परिभाषित करता है। वहीं सामाजिकता के आधार पर पहली बार जिला मुख्यालय के पत्रकारों को सामुहिक रूप से सम्मानित करने का जो कार्य किया वह सराहनीय है। वहीं जिले के एसपी अजय कुमार के कार्यकाल में जिले का अपराध ग्राफ गिरा है। अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा गया या फिर उन्हें जिले से बाहर जाने के लिए विवश होना पड़ा है। रामगढ़ जिले के लिए सिरदर्द बने विभिन्न अपराधियों के गिरोहों का लगभग खात्मा एसपी अजय कुमार ने कर दिया है। घटित अधिकांश अपराधिक घटनाओं का उद्भेदन करने के साथ--साथ उसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी एसपी अजय कुमार की उपलब्धियों दर्शाता है, जिसकी आम चर्चा हो रही है।

स्पीड न्यूज़

कुजू : सड़क हादसे में युवक की मौत

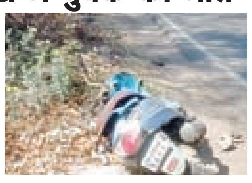

कुजू। ओपी क्षेत्र के रांची रोड रेलवे ओवरब्रिज के पास बुधवार देर रात अज्ञात हाइवा की चपेट में आकर स्कूटी सवार एक युवक की मौके पर घटना स्थल पर ही हो गयी। वही एक अन्य सवार घायल हो गया। घटना की सूचना पाकर पहुंची कुजू ओपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबकि घायल को इलाज के लिए स्थानीय नर्सिंग होम भेजा गया। बताया जाता है कि मरार निवासी आकाश करमाली (18वर्ष) पिता मुकुंद करमाली व सोनू यादव वृंदावन अस्पताल रांची रोड के समीप चाउमिन का ठेला लगाते है। दोनों चाउमिन बेच कर स्कूटी संख्या जेएच09एए-5653 पर सवार होकर घर लौट रहे है। इस दौरान रांची रोड पुल के समीप अज्ञात हाइवा ने स्कूटी को चपेट में ले लिया। घटना में आकाश की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं सोनू घायल हो गया। सोनू यादव मूल रूप से वाराणसी व आकाश करमाली जारंगडीह, बेरमो निवासी है।

ग्रामीणों ने प्रेमी युगल की करायी शादी

रजरप्पा। 1991 में आई हिंदी फिल्म सड़क के हिट गीत जब-जब प्यार पे पहरा हुआ है प्यार और भी गहरा, हुआ है के चरितार्थ देखने को मिली है। दो प्रेमी युगल सारे पहरा को लांघकर शादी रचाई है। चितरपुर प्रखंड के बड़कीपोना गांव के ग्रामीणों ने बुधवार रात को एक प्रेमी-प्रेमिका की रजामंदी के बाद दोनों की शादी कराई। प्रेमी प्रेमिका से मिलने आया था। प्रेमी जोड़ों को ग्रामीणों ने एक साथ देख लिया और दोनों को पकड़ लिया। ग्रामीणों के बीच दोनों प्रेमी प्रेमिका की रजामंदी के बाद विवाह पोना पर्वत धाम स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर में कराया। युवक रामगढ़ का निवासी है। वहीं लड़की बड़कीपोना की रहने वाली है।

बाबूलाल को कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

रामगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के विधायक दल के नेता चुने जाने पर रामगढ़ के भाजपा कार्यकर्ताओं ने बधाई दी। जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में बाबूलाल मरांडी झारखंड की जनता की आवाज बनेंगे और सत्तापक्ष को आईना दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ेंगे। मरांडी को विधायक दल का नेता चुने जाने पर रंजीत कुमार सिन्हा, अमरेन्द्र कुमार गुप्ता, डॉ संजय कुमार सिन्हा, इन्दु रानी पाठक, प्रो संजय प्रसाद सिंह, सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, धर्मेन्द्र सिंह व अन्य ने दी बधाई।

राम, लक्ष्मण व जानकी का नगर भ्रमण

कुजू। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और जानकी समेत अन्य देवी देवताओं के प्रतिमा का सांडी मनमोहन नगर में यज्ञ के चौथे दिन नगर भ्रमण गाजे बाजे के साथ नगर भ्रमण कराया गया।नगर भ्रमण यज्ञ स्थल से प्रारंभ होकर प्राचीन शिव मंदिर टुटी झरना, अम्झरिया बाबा, सीएन कॉलेज गेट स्थित मंदिरों तक होते हुए पुनः यज्ञ स्थल पहुंचकर समाप्त हुआ। आचार्य शशिकान्त मिश्रा, आलोक शुक्ला, देवेंद्र द्विवेदी, प्रांजुल शुक्ला, दीपक द्विवेदी आदि ने वैदिक मंत्रोचारण के बीच यजमानों को वेदी पूजन, हवन, आरती और शैय्याधिवास का अनुष्ठान कराया।

रामनवमी को लेकर समिति गठित

भुरकुंडा (रामगढ़)। प्राचीन शिव मंदिर सयाल में गुरुवार को महारामनवमी की बैठक हुई। इसमें सर्वसम्मति से नई कमेटी का गठन किया गया। सचिव अंकित कुमार (गोलू), सह सचिव अंशु कुमार, उपाध्यक्ष आदित्य सिंह, कोषाध्यक्ष सन्नी कुमार, सहकोषाध्यक्ष सत्यम सिन्हा चुने गये रामनवमी के अवसर पर बच्चों द्वारा राम दरबार का आकर्षक झांकी बनाया जायेगा। 1 अप्रैल को मंगला जुलूस और 6 अप्रैल को रामनवमी की शोभायात्रा धूमधाम से निकाली जाएगी। बैठक में अनूप कुमार , उदय मेहता, शशि दुसाद, रवि सिंह, मोनू साव, सोनू मालाकार, भूषण शर्मा, श्रवण सिंह, सुमित, बॉबी आदि मौजूद थे।

धूमधाम से मनेगा अंबेडकर का जन्मदिन

भुरकुंडा (रामगढ़)। सयाल अम्बेडकर भवन में बुधवार को लोगो की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता पूर्व मुखिया सत्येन्द्र यादव व संचालन सिकेन्द्र पासवान ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि 4 अप्रैल को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर का जन्मदिन धूमधाम से मनाई जाएगी। बैठक में सत्येन्द्र यादव, खजांची राम, बिरेन्द्र पासवान, अनूप कुमार उर्फ पिंटू सिंह, सूचित राम, प्रभु पासवान, कृष्णा कुमार, विमलेश कुमार, राजेन्द्र चौहान, विनोद कुमार, अर्जुन सिंह, बजरंग राम, प्रेम पासवान, संजय यादव, सतीश वर्मा, अमित सिंह, ब्रजेश कुमार आदि मौजूद थे।

रामगढ़ में निकलेगा मंगला जुलूस

रामगढ़। रामनवमी को लेकर रामगढ़ में अभी से ही महासमिति की तैयारी शुरू हो गई है। एक अप्रैल को विशाल मंगला जुलूस निकाला जाना है। इस तिथि की घोषणा के साथ ही गुरुवार को महासमिति ने एक पोस्टर भी जारी किया है। श्री श्री रामनवमी पूजा महासमिति रामगढ़ की बैठक एक होटल में हुई। इस दौरान महासमिति ने पोस्टर विमोचन किया। साथ ही मंगल शोभा यात्रा की तैयारी को लेकर रूप रेखा तैयार की गई। महासमिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र साव भोपाली ने बताया कि शोभा यात्रा की तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। इसे लेकर चौक- चौराहे, गली मोहल्लों में बैनर, पोस्टर, भगवा झंडा, स्टीकर लगाया जाएगा। बैठक में मुख्य संरक्षक राजेश ठाकुर, छोटू वर्मा, आशीष कुमार सिन्हा, गौतम महतो, संदीप महतो, रोहित सोनी सहित अन्य उपस्थित थे।

एक नजर में

हजारीबाग : शैक्षिक भ्रमण पर गये दिव्यांग बच्चे

हजारीबाग । जिला शिक्षा अधीक्षक आकाश कुमार ने हजारीबाग समाहरणालय से बस को हरी झंडी दिखाकर दिव्यांग बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण पर किया रवाना। प्रत्येक प्रखंड से तीन-तीन दिव्यांग बच्चों को शामिल किया गया, जो भगवान बिरसा जैविक उद्यान, ओरमांझी (रांची) का शैक्षणिक भ्रमण करेंगे। इस पहल का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को प्रकृति एवं जीव-जंतुओं के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना और उनके समग्र विकास को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर समावेशी शिक्षा के प्रभारी संजय कुमार, एडीपीओ कौशल कुमार, विनय कुमार सिंह, भीम गोस्वामी, प्रवीण कुमार पांडेय सहित कई शिक्षाविद् एवं अधिकारी उपस्थित थे।

मनीष कुमार बने युवा राजद जिला अध्यक्ष

हजारीबाग। राजद ने मनीष कुमार को हजारीबाग का युवा जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति का पत्र गुरुवार को रांची स्थित राजद कार्यालय में युवा प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार और प्रदेश उपाध्यक्ष अनिता यादव ने सौंपा। दोनों नेताओं ने मनीष को शुभकामनाएँ दीं और संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प दिलाया। मनीष कुमार ने कहा कि वे पार्टी के विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने और युवाओं को संगठन से जोड़ने का काम करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे हजारीबाग में राजद को एक नई ऊँचाई तक ले जाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। इस अवसर पर कई प्रमुख कार्यकर्ता भी मौजूद रहे, जिनमें धीरज यादव, नरेंद्र कुमार, रितेश यादव, निलेश यादव, प्रदीप मेहता सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

हजारीबाग में कई खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच

हजारीबाग। जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। उपायुक्त नैंसी सहाय और एसीएमओ डॉ. शशि जायसवाल के निर्देशानुसार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रकाश चंद्र गुग्गी ने शहर के कई होटल और रेस्टोरेंट में जांच अभियान चलाया। इस निरीक्षण के दौरान शारदा स्वीट्स एंड फैमिली रेस्टोरेंट, बालाजी होटल और चिकन राइस बॉक्स सहित कई प्रतिष्ठानों की स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच की गई। अधिकारियों ने संचालकों को निर्देश दिया कि वे अपने कर्मचारियों की नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं और मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र अनिवार्य रूप से रखें। इसके अलावा, पेयजल की गुणवत्ता की समय-समय पर जांच सुनिश्चित करने को भी कहा गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने सभी रसोईघरों को साफ-सुथरा और हाईजीनिक रखने पर जोर दिया। साथ ही, मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों को अधिक आकर्षक बनाने के लिए हानिकारक केमिकल या औद्योगिक रंगों का उपयोग न करने की सख्त चेतावनी दी गई।

बरही प्रखंड में लिफ्ट इरिगेशन की जरूरत

बरही। विधायक मनोज कुमार यादव ने सदन में तारांकित प्रश्न के माध्यम से बरही प्रखंड के किसानों के लिए लिफ्ट इरिगेशन की मांग उठाई। इस पर सरकार ने जवाब देते हुए बताया कि बरही प्रखंड के गुडियो, बुंडू, करगईयों, माधोपुर और करिमाटी गांव तिलैया डैम के समीप स्थित हैं, जहां लिफ्ट इरिगेशन की आवश्यकता है। सरकार ने जानकारी दी कि तिलैया मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना की प्रारंभिक परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। इस परियोजना के तहत फिलहाल गुडियो, बुंडू और करगईयों गांवों को सिंचाई सुविधा से जोड़ने का प्रस्ताव है। विधायक मनोज यादव ने कहा कि यह योजना बरही प्रखंड के किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे सिंचाई सुविधाओं में सुधार होगा और कृषि उत्पादकता बढ़ेगी। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि इस परियोजना को जल्द से जल्द स्वीकृति देकर किसानों को इसका लाभ दिलाया जाए।

सहायक अध्यापक संघ की बैठक 9 मार्च को

इचाक। झारखंड प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ की आवश्यक बैठक 9 मार्च (रविवार) को पूर्वाह्न 11:00 बजे रांची के मोरहाबादी में आयोजित की जाएगी। बैठक में वेतनमान, आकलन परीक्षा को जेटीईटी के समकक्ष मान्यता, सुविधाओं में एकरूपता, आकलन प्रमाण पत्र निर्गत करने, दूसरे आकलन परीक्षा की उत्तर कुंजी जारी करने और अनुकंपा लाभ जैसी प्रमुख मांगों पर चर्चा होगी। संघ के प्रखंड अध्यक्ष हारून खान और महासचिव अरुण कुमार ने कहा कि सहायक अध्यापकों की समस्याओं को लेकर संघ लगातार संघर्ष कर रहा है, लेकिन सरकार उनकी जायज मांगों को लगातार अनदेखा कर रही है। सरकार ने तीन महीने के भीतर वेतनमान देने का वादा किया था, लेकिन दोबारा सत्ता में आने के बाद भी सिर्फ आश्वासन ही दिया जा रहा है।

300 महिलाओं को मिलेगा निःशुल्क प्रशिक्षण

बड़कागांव। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बड़कागांव में महिलाओं के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नई पहल की जा रही है। 8 मार्च को जीडीएम बालिका विद्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें 300 स्नातक उत्तीर्ण महिलाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ सकें। इस पहल को लेकर गुरुवार को बड़कागांव समाधान भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि कोड शक्ति प्रोग्राम की शुरूआत की जाएगी, साथ ही ₹अंबा नव दृष्टि सहकारिता समिति₹ का गठन किया जाएगा। यह समिति ग्रामीण विकास, महिला नेतृत्व और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्य करेगी। बैठक में जगत नंदन प्रसाद गुप्ता, प्रभु राम, कुलेश्वर राम, प्रभु यादव, निर्मल राम, सतीश दास, मनोज ठाकुर, राजेश रजक, सुनीता देवी, विजय पासवान, मोहम्मद यूनुस, सुरेश महतो, रमेश सिंह भोक्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बरही को जाम से मिलेगी राहत, 16 पुलिस तैनात

बरही। बरही वासियों को अब जाम से राहत मिलने वाली है। क्योंकि बरही वासियों को जाम से राहत दिलाने के लिए बरही चौक, बिलोटिया मोड़ और धमना मोड़ के लिए कुल 16 ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है, जो दो शिफ्ट में अपनी ड्यूटी करेंगे।एसडीपीओ अजीत विमल ने बताया कि सड़क जाम की समस्या से जूझ रहे बरही वासियों को काफी राहत मिलेगी।

टीबी को लेकर दीदियों को दी गयी ट्रेनिंग

बरही। अनुमंडलीय अस्पताल बरही में गुरुवार को टीबी हारेगा देश जीतेगा अभियान के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया जिसमें बरही एवं पदमा प्रखंड की 78 जेएसएलपीएस के दीदियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डीएस प्रकाश ज्ञानी एवं बीपीएम नारायण राम उपस्थित थे। डीएस डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने जेएसएलपीएस से जुड़ी महिलाओं को बताया कि केंद्र एवं झारखंड सरकार के संयुक्त तत्वावधान में टीवी हारेगा देश जीतेगा अभियान के तहत 2025 तक पूरे भारत में टीबी रोग को जड़ से मिटाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत पूरे जिले में टीबी रोगियों की खोज के लिए 100 दिवसीय कार्यक्रम होगा। मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति, दुबले-पतले व कुपोषित शरीर वाले, 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोग, धूम्रपान व शराब का सेवन करने वाले, 5 वर्षों से टीबी से पीड़ित लोगों की पहचान कर सहियारों के माध्यम से उन्हें बलगम जांच केंद्र में जांच कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा ।

आधी आबादी के संघर्ष को समर्पित

डॉ उषा किरण

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आईडबल्यूडी को अंतरराष्ट्रीय क्रियाशील महिला दिवस या महिलाओं के अधिकार और अंतरराष्ट्रीय शांति के लिये संयुक्त बुतपरस्त दिवस भी कहा जाता है। यह समाज में महिलाओं के योगदान और उपलब्धियों पर ध्यान केन्द्रित करने के लिये देश के विभिन्न क्षेत्रों में पूरे विश्व भर में 8 मार्च को हर वर्ष मनाया जाता है। इस उत्सव का कार्यक्रम क्षेत्र दर क्षेत्र बदलता रहता है। सामान्यतः इसे पूरी महिला बिरादरी को सम्मान देने, उनके कार्यों की सराहना करके और उनके लिये प्यार व सम्मान जताने के लिये मनाया जाता है। चूँकि महिलाएँ समाज का मुख्य हिस्सा होती हैं तथा आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक क्रियाओं में एक बड़ी भूमिका निभाती हैं, महिलाओं की सभी उपलब्धियों की सराहना करने और याद करने के लिये अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का उत्सव मनाते हैं।

एक समाजिक राजनैतिक कार्यक्रम के रुप में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव को मनाने की शुरुआत हुई जिसके दौरान कई देशों में अवकाश की घोषणा की गयी। अपने अनमोल योगदान के लिये महिला संघर्ष की ओर राजनीतिक और सामाजिक जागरुकता को मजबूत करने के लिये वर्ष के खास विषय और पूर्व योजना के साथ हर वर्ष इसे मनाया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस क्यों

1910 के अगस्त महीने में, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के सालाना उत्सव को मनाने के लिये कोपेहेगन में द्वितीय अंतरराष्ट्रीय समाजवादी की एक मीटिंग (अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मेलन के द्वारा आयोजित) रखी गया थी। अंततः अमेरिकन समाजवादी और जर्मन समाजवादी लुईस जिएत्ज. की सहायता के द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का वार्षिक उत्सव की स्थापना हुई। हालाँकि, उस मीटिंग में कोई एक तारीख तय नही हुई थी। सभी महिलाओं के लिये समानता के अधिकार को बढावा देने के लिये इस कार्यक्रम को मनाने की घोषणा हुई।

इसे पहली बार 19 मार्च 1911 में ऑस्ट्रीया, जर्मनी, डेनमार्क और स्वीट्ज़रलैंड के लाखों लोगों द्वारा मनाया गया था। विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे प्रदर्शनी, महिला परेड, बैनर आदि रखे गये थे। महिलाओं के द्वारा वोटिंग की माँग, सार्वजनिक कार्यालय पर स्वामित्व और रोजगार में लैंगिक भेद-भाव को समाप्त करना जैसे मुद्दे सामने रखे गये थे। हर वर्ष फरवरी के अंतिम रविवार को राष्ट्रीय महिला दिवस के रुप में अमेरिका में इसे मनाया जाता था। फरवरी महीने के अंतिम रविवार को 1913 में रशियन (रुस की) महिलाओं के द्वारा इसे पहली बार मनाया गया था। 1975 में सिडनी में महिलाओं (ऑस्ट्रेलियन बिल्डर्स लेबरर्स फेडरेशन) के द्वारा एक रैली रखी गयी थी।

1914 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव 8 मार्च को रखा गया था। तब से, 8 मार्च को सभी जगह इसे मनाने की शुरुआत हुई। वोट करने के महिला अधिकार के लिये जर्मनी में 1914 का कार्यक्रम खासतौर से रखा गया था। वर्ष 1917 के उत्सव को मनाने के दौरान सेंट पीटर्सबर्ग की महिलाओं के द्वारा ह्लरोटी और शांतिह्ल, रशियन खाद्य कमी के साथ ही प्रथम विश्व युद्ध के अंत की माँग रखी। धीरे-धीरे ये कई कम्युनिस्ट और समाजवादी देशों में मनाना शुरु हुआ जैसे 1922 में चीन में, 1936 से स्पैनिश कम्युनिस्ट आदि में।

महिलाओं के सम्मान में

एक महिला होने के नाते भयानक रुप से एक कठिन कार्य है, चूँकि पुरुषों से व्यवहार में मुख्यत रुप से ये बना होता है। इन सभी शताब्दियों में महिलाओं ने सेवा की है क्योंकि इसके स्वाभाविक आकार से दोगुना एक पुरुष के रुप के परावर्तन की मनोहर शक्ति और जादू को देखने वाले शीशे रखतें हैं। अपने हिरोज. और शी-रोज. को मनाने और पहचान के लिये हमारे लिये ये कितना जरुरी है। सब मिलाकर, माँ और गृहिणि एकमात्र ऐसे कर्मचारी होते हैं जिनका काम खत्म करने का कोई समय नहीं होता। वो बिना-अवकाश वाले वर्ग होते हैं।

एक पुरुष की निश्चितता से ज्यादा अचूक होता है एक महिला का अंदाज.। दिये गये समय की अवधि के लिये इतिहास में एक अनोखे विकास के लिये प्रगति से संबंधित जो भी गौरव रहा हो, नारीत्व के प्रगति से एक पूरा योगदान मतलब रखता है। महिला आंदोलन का दुखी होना होने का मतलब है कि उन्हें प्यार की जरुरत की आजादी नहीं है। मैं व्यक्तिगत रुप से किसी ऐसी क्रांति पर भरोसा नहीं करता जहाँ प्यार की इजाजत नहीं है। कुछ परिहास युक्त पर गलती के बिना अब और तब एक पुरुष पर हर वक्त कोई हँस नहीं सकता। नारीवादी पूरी दुनिया का विचार है या समष्टि, महिलाओं के मुद्दे का एकमात्र कपड़ो की धुलाई की सूची नहीं है।

बहुत कुछ खूबसूरत जवान लड़कियों पर कहा और गाया है, क्यों कोई बूढी औरत की सुंदरता को जागृत नहीं करता है? ईश्वर महिलाओं को अंतर्ज्ञान और स्त्रीत्व प्रदान करता है। अच्छे से प्रयोग किया जाता है, ये मिश्रण आसानी से किसी पुरुष का दिमाग गड़बड़ कर देती है मैं जब भी मिला हूँ। समाज को जल्दी से बदलने का तरीका है कि विश्वभर की महिलाओं को संगठित कर दिया जाये। स्त्रीत्व एजेंडा मूलभूत है; ये कहता है कि सार्वजनिक न्याय और निजी खुशी के बीच में चुनने के लिये महिलाओं को कभी भी दबाव नहीं देना चाहिये।

चूंकि पुरुष और महिला एक-दूसरे के पूरक है, एक सुरक्षित और स्थायी सरकार बनाने के लियेराष्ट्रीय मामलों में हमें महिलाओं के विचार की जरुरत है। आप जहां भी देखे महिला नेत्री होती है- एक गृहिणी जो अपने बच्चों को बड़ा करती है और अपने परिवार का नेतृत्व करती है से लेकर सीईओ तक जो सफल 500 कंपनियों में से एक को चलाती है। हमारा देश महिलाओं को मजबूत बनाने के द्वारा बना था और हम दीवार को धवस्त करना और रुढविादिता का सामना करना जारी रखेंगे। राजनीति में अगर आप कुछ कहते हैं, एक पुरुष से पूछो। अगर आप कुछ करना चाहते हैं, एक महिला से पूछे।

महिला समाज की असली शिल्पकार होती हैं।

ऐसा सपना देखो जो कभी सपना न बने। महिला स्त्री की एक साथी है, जो बराबरी की मानसिक क्षमता के साथ प्रतिभावान है।

कोई भी लिखित कानून कभी भी ज्यादा बाध्यकारी होता है बजाय प्रसिद्ध विचार के द्वारा सर्मिथत अलिखित परंपरा।

(संस्कृत विभाग विमेंस कॉलेज रांची)

महिलाओं को ताकतवर बनाते ऐप्स

महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध घटने के बजाए दिन पर दिन बढते जा रहे हैं। खासकर दिल्ली-मुंबई जैसे मेट्रोज में बलात्कार, छेड़खानी जैसे मामले सबसे अधिक होते हैं। ऐसे में जरुरी है कि महिलाएं अपनी रक्षा स्वयं करें। मेट्रो में रहने वाली महिलाओं को खासकर ऐसे हथियार अपने साथ रखने चाहिए जो उनकी रक्षा कर सकें। हम बात कर रहे हैं स्मार्टफोन एप की। आज स्मार्टफोन में बहुत सी ऐसी वुमंस सेफ्टी एप हैं जो मुश्किल की घड़ी में मदद करती हैं। ये एप महिलाओं को मुश्किल वक्त में कारगर मदद दिलाती है।

बी सेफ वीडियो बी सेफ इस एप के जरिए महिलाएं अपने करीबी मित्रों और पारिवारिक सदस्यों का एक साथ संदेश भेजकर अपने मदद के लिए बुला सकती हैं। बग डिटेक्टर बग डिटेक्टर बग डिटेक्टर ऐसा एप है जो कहीं भी छुपे हुए कैमरे की जानकारी देता है। ये एप महिलाओं को किसी भी तरह के एमएमएस से बचाता है। पेपर स्प्रे फोन केस पेपर स्प्रे फोन केस ऐसे स्मार्टफोन कवर बाजार में मौजूद हैं, जिसके भीतर पेपर स्प्रे की बोतल फिट की गई होती है। मुश्किल के वक्त में इसे दबाने पर उसमें से काली मिर्च का पाउडर निकलता है।

स्टन गन

स्टन गन स्टन गन एप ऐसा एप है जो आपको मुश्किल के घड़ी में बचाता है। ये एप मनचलों को बि जली के झटके देता है। आईफॉलो- लेडीज सेफ्टी एसओएस आईफॉलो- लेडीज सेफ्टी एसओएस इस एप के जरिए आप अपने किसी भी परिचित को संदेश पहुंचा सकती है। वो भी बिना फोन को अनलॉक किए। पुलिस नीयरबाय पुलिस नीयरबाय इस एप के जरिए आप मुश्किल के वक्त में नजदीकी पुलिस स्टेशन का पता और फोन नंबर हासिल कर सकती हैं।

बंसत का अभिनंदन, होली का उत्सव, प्रकृति का श्रंगार

फोटो विशेषज्ञ : अजय सानी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एक खास थीम का इस्तेमाल कर हर वर्ष मनाया जाता है। नीचे कुछ वार्षिक आधार दिये गये थीम हैं:

1975 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को संयुक्त राष्ट्र ने मान्यता दी।

1996 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था भूतकाल का जश्न, भविष्य की योजना।

1997 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था महिला और शांति की मेज।

1998 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था महिला और मानव अधिकार।

1999 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था महिलाओं के खिलाफ हिसा मुक्त विश्व।

2000 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था शांति के लिये महिला संसक्ति।

2001 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था महिला और शांति: विरोध का प्रबंधन करती महिला।

2002 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था आज की अफगानी महिला: वास्तविकता और मौके।

2003 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का लैंगिक समानता और शताब्दी विकास

2004 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था महिला और एचआईवी/एड्स।

2005 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था 2005 के बाद लैंगिक समानता; एक ज्यादा सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर रहा है।

2006 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था निर्णय निर्माण में महिला।

2007 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था लड़कियों और महिलाओं के खिलाफ हिसा के लिये दंडाभाव का अंत

2008 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम लड़कियों में निवेश।

2009 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिसा को खत्म करने के लिये महिला और पुरुष का एकजुट होना।

2010 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था बराबर का अधिकार, बराबर के मौके: सभी के लिये प्रगति।

2011 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था शिक्षा, प्रशिक्षण और विज्ञान और तकनीक तक बराबरी की पहुँच: महिलाओं के लिये अच्छे काम के लिये रास्ता।

2012 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था ग्रामीण महिलाओं का सशक्तिकरण, गरीबी और भूखमरी का अंत।

2013 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था वादा, वादा होता है: महिलाओं के खिलाफ हिसा खत्म करने का अंत आ गया है।

2014 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था वादा, वादा होता है: महिलाओं के समानता सभी के लिये प्रगति है।

2015 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम है महिला सशक्तिकरण– सशक्तिकरण इंसानियत: इसकी तस्वीर बनाओ! (यूएन के द्वारा),महिला सशक्तिकरण पर पुर्निवचार और 2015 में लैंगिक समानता और उससे आगे (यूनेस्को के द्वारा) और तोड़ने के द्वारा (मैनचेस्टर शहर परिषद के द्वार)।

2016 के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का विषय है इसे करना ही होगा। वर्ष 2017 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के लिए थीम परिवर्तन के लिए साहसिक था।

वर्ष 2018 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के लिए थीम समय अब है: ग्रामीण और शहरी कार्यकर्ता महिलाओं के जीवन में परिवर्तनऔर प्रेस इन प्रोग्रेस था।

अलिखित परम्पराओं से धिरी हैं महिलाएं

डॉ शीतल

एक महिला होने के नाते भयानक रुप से एक कठिन कार्य है, चूँकि पुरुषों से व्यवहार में मुख्यत रुप से ये बना होता है।

इन सभी शताब्दियों में महिलाओं ने सेवा की है क्योंकि इसके स्वाभाविक आकार से दोगुना एक पुरुष के रुप के परावर्तन की मनोहर शक्ति और जादू को देखने वाले शीशे रखतें हैं।

अपने हिरोज.और शी-रोज.को मनाने और पहचान के लिये हमारे लिये ये कितना जरुरी है।

सब मिलाकर, माँ और गृहिणि एकमात्र ऐसे कर्मचारी होते हैं जिनका काम खत्म करने का कोई समय नहीं होता। वो बिना-अवकाश वाले वर्ग होते हैं।

एक पुरुष की निश्चितता से ज्यादा अचूक होता है एक महिला का अंदाज.।

दिये गये समय की अवधि के लिये इतिहास में एक अनोखे विकास के लिये प्रगति से संबंधित जो भी गौरव रहा हो, नारीत्व के प्रगति से एक पूरा योगदान मतलब रखता है।

महिला आंदोलन का दुखी होना होने का मतलब है कि उन्हें प्यार की जरुरत की आजादी नहीं है। मैं व्यक्तिगत रुप से किसी ऐसी क्रांति पर भरोसा नहीं करता जहाँ प्यार की इजाजत नहीं है।

कुछ परिहास युक्त पर गलती के बिना अब और तब एक पुरुष पर हर वक्त कोई हँस नहीं सकता।

नारीवादी पूरी दुनिया का विचार है या समष्टि, महिलाओं के मुद्दे का एकमात्र कपड़ो की धुलाई की सूची नहीं है।

बहुत कुछ खूबसूरत जवान लड़कियों पर कहा और गाया है, क्यों कोई बूढी औरत की सुंदरता को जागृत नहीं करता है?

ईश्वर महिलाओं को अंतर्ज्ञान और स्त्रीत्व प्रदान करता है।

अच्छे से प्रयोग किया जाता है, ये मिश्रण आसानी से किसी पुरुष का दिमाग गड़बड़ कर देती है मैं जब भी मिला हूँ।

समाज को जल्दी से बदलने का तरीका है कि विश्वभर की महिलाओं को संगठित कर दिया जायेह्व।

स्त्रीत्व एजेंडा मूलभूत है; ये कहता है कि सार्वजनिक न्याय और निजी खुशी के बीच में चुनने के लिये महिलाओं को कभी भी दबाव नहीं देना चाहिये।

चूँकि पुरुष और महिला एक-दूसरे के पूरक है, एक सुरक्षित और स्थायी सरकार बनाने के लियेराष्ट्रीय मामलों में हमें महिलाओं के विचार की जरुरत हैह्व।

आप जहाँ भी देखे महिला नेत्री होती है- एक गृहिणि जो अपने बच्चों को बड़ा करती है और अपने परिवार का नेतृत्व करती है से लेकर सीईओ तक जो सफल 500 कंपनियों में से एक को चलाती है। हमारा देश महिलाओं को मजबूत बनाने के द्वारा बना था और हम दीवार को धवस्त करना और रुढविादिता का सामना करना जारी रखेंगे।

राजनीति में अगर आप कुछ कहते हैं, एक पुरुष से पूछो। अगर आप कुछ करना चाहते हैं, एक महिला से पूछेह्व।

महिला समाज की असली शिल्पकार होती हैं।

ऐसा सपना देखो जो कभी सपना न बने।

महिला पुरष की एक साथी है, जो बराबरी की मानसिक क्षमता के साथ प्रतिभावान है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कैसे मनाया जाता है

निधि सिंह

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एक खास कार्यक्रम है जिसे लोगों के साथ ही व्यापार, राजनीतिक, समुदायिक, शिक्षण संस्थानों, आविष्कारक, टीवी व्यक्तित्व आदि महिला नेतृत्व के द्वारा 8 मार्च को पूरे विश्व भर में मनाया जाता है। अन्य महिला अधिकारों को बढावा देने वाली क्रिया-कलाप सहित नाश्ता, रात का भोजन, महिलाओं के मुद्दे, लंच, प्रतियोगी गतिविधि, भाषण, प्रस्तुतिकरण, चर्चा, बैनर, सम्मेलन, महिला परेड तथा सेमिनार जैसे विभिन्न प्रकार कार्यक्रम के आयोजन के द्वारा इसे मनाया जाता है। इसे पूरे विश्व भर में उनके अधिकार, योगदान, शिक्षा की महत्ता, आजीविका आदि के मौके के लिये महिलाओं के बारे में जागरुकता बढाने के लिये मनाया जाता है।

महिला शिक्षिका को उनके विद्यार्थियों द्वारा, अपने बच्चों के द्वारा माता-पिता को, बहनों को भाईयों के द्वारा, पुत्री को अपने पिता के द्वारा, उपहार दिया जाता है। ज्यादातर व्यवसायिक संस्थाएँ, सरकारी और गैर-सरकारी कार्यालय, शिक्षण संस्थान, इस दिन बंद रहते हैं। आमतौर पर इस उत्सव को मनाने के दौरान लोग बैंगनी रंग का रिबन पहने रहते हैं।

भारत में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव

महिला अधिकारों के बारे में जागरुकता बढाने के लिये 8 मार्च को पूरे उत्साह और जूनुन के साथ भारतीय लोगों के द्वारा पूरे भारतवर्ष में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव मनाया जाता है। समाज में महिलाओं के अधिकार और उनकी स्थिति के बारे में वास्तविक संदेश को फैलाने में ये उत्सव एक बड़ी भूमिका निभाता है। उनके सामाजिक मुद्दे को सुलझाने के द्वारा महिलाओं के रहन-सहन की स्थिति को प्रचारित करता है।

ई है टाटा नगरिया, देख बबुआ...

बंगाल क्लब, जमशेदपुर एक प्रसिद्ध सामाजिक और सांस्कृतिक क्लब है, जो जमशेदपुर, झारखंड में स्थित है। यह क्लब विशेष रूप से शहर के प्रतिष्ठित व्यक्तियों और पेशेवरों के लिए एक बैठक स्थल के रूप में कार्य करता है। क्लब की स्थापना 1905 में हुई थी और इसका उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को एक सामाजिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के लिए एक मंच प्रदान करना था। सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियां : बंगाल क्लब में विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम, सांस्कृतिक आयोजन और उत्सव आयोजित किए जाते हैं। क्लब का उद्देश्य अपने सदस्यों को विभिन्न सांस्कृतिक और मनोरंजन गतिविधियों का आनंद दिलाना है। क्लब में एक अच्छी बैठक कक्ष और सम्मेलन स्थल भी है, जहां विभिन्न प्रकार के व्यवसायिक और व्यक्तिगत कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं।

सारजमदा निदिरटोला में बाहा सेंदरा का आयोजन

• तीर-धनुष, भाला, तलवार की हुई पूजा

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। आज सारजमदा निदिरटोला में बाहा बोंगा के तीसरे दिन बाहा सेंदरा का आयोजन किया गया । इस क्रम में सर्वप्रथम गाँव के नायके बाबा यानि पुजारी पलटन हेम्ब्रम ने अपने आंगन पर गाँव के सभी पुरुषों को इकट्ठा कर बाहा सेंदरा में उपयोग होने वाले औजार (तीर धनुष, भाला, तलवार आदि) का पूजा किया तथा शिकारी सकुशल वापस लौट आएं इसकी मारांग बुरु जाहेर आयो से प्रार्थना किया गया । औजार पर सिंदूर लगाकर उन्हें शुद्ध किया गया । फिर गाँव के सभी लोगों को अपना अपना औजार देकर उन्हें सेंदरा (शिकार) करने के लिए अपने घर से विदा किया । आदिवासी संताल समाज में सदियों से चली आ रही सेंदरा की यह परंपरा अनोखी हैं और इसके पीछे यह मान्यता है कि आने वाली पीढ़ी को सेंदरा के महत्व को समझाया जा सकें और इसकी शिक्षा दी जा सकें ताकि पर्यावरण का संतुलन भी बना रहे औ परंपरा भी बची रहें । शिकार संपन्न होने के बाद गाँव वाले इकट्ठा होकर उसका प्रसाद बनाकर सेवन करते हैं।

बाहा सेंदरा के दौरान पानी की होली खेलते आदिवासी परिवार।

बाहा के तीसरे दिन सादे पानी से होली खेली गई

किसी भी आदिवासी समाज में रंगों की होली पूर्णतः वर्जित है और यह सदियों से चली आ रही है। गांव के लोग एक दूसरे के साथ सादे पानी की होली खेलते हुए नजर आते हैं। यदि किसी ने रंगों की होली खेली और पकड़े जाने पर उनपर कार्रवाई की जाती है अथवा जबरन गांव वालों के सामने महिला पुरुष की आपस में शादी करायी जाती है।

सेंदरा के अवसर पर मुख्य रूप से गाँव के मारांग माझी बाबा निमाई बास्के, टोला माझी बाबा सुरेश हांसदा, भुगलू सोरेन, मनोज हांसदा, राजेश माड़ी, सिदो सोरेन, विक्रम मुर्मू, पोटरा टुडू, कृष्णा बेसरा, मेघलाल टुडू, होपना मुर्मू, गुनाराम मुर्मू समेत कई बच्चे व बुढ़े उपस्थित थे । सभी लोग अपने अपने हाथों में औजार लेकर सेंदरा के लिए निकले थे।

स्पीड न्यूज

बंगाल क्लब में 9 मार्च को सजेगी गजल की महफि ल शाम ए गजल

जमशेदपुर। द बंगाल क्लब एवं जमशेदपुर म्यूजिक सर्कल के संयुक्त तत्वाधान में आज 6 मार्च 2025 बंगाल क्लब साकची के कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन आयोजित की गई, जिसमें आगामी 9 मार्च संध्या 6:30 बजे से आयोजित होने वाले 'शाम ए गजल' कार्यक्रम के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई । साथ-साथ जमशेदपुर के सभी संगीत प्रेमी बंधुओं से सहभागिता तथा कार्यक्रम में शामिल होकर आनंद लेने की अपील की गई। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जमशेदपुर शहर का परचम लहराने वाले कलाकार श्री सूजन चटर्जी, डॉ सनातन दीप, श्री पंकज झा,श्रीमती प्रेमा डे एवं श्री मनमोहन सिंह अपना कार्यक्रम पेश करेंगे। तबला संगत श्री अमिताभ सेन,श्री रितोश्री गांगुली एवं श्री स्वरुप मोईत्रा तथा की बोर्ड पर श्री मुकुल राय(राँची) संगत करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में टाटा स्टील फाउंडेशन के प्रमुख श्री केशव कुमार रंजन उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में प्रवेश निशुल्क है।

चांडिल : सुकराम गोप हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार

चांडिल। विगत 20 फरवरी को चांडिल थाना क्षेत्र के कटिया मैदान के पास हुए हत्याकांड का चांडिल पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले का जांच करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि गिरफ्तार आरोपी कुचाई थाना क्षेत्र के 27 वर्षीय विक्रम मुंडा उर्फ टिक्का मुंडा है। दोनों चांडिल के कटिया स्थित क्रिस्टल थर्मोटेक कंपनी में काम करते थे। आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए पुलिस को बताया कि सुकराम गोप ने उसका मोबाइल फोन एवं साढ़े नौ हजार रुपए चोरी की थी। इसी का बदला लेने के लिए अपने चार मित्रों के साथ मिलकर सुकराम की हत्या की है।

टफ सील्स कंपनी के मजदूरों का धरना जारी

गम्हरिया। औद्योगिक क्षेत्र के फेज-तीन स्थित टफ सील्स कंपनी के मजदूरों का अनिश्चितकालीन हड़ताल व धरना-प्रदर्शन चौथे दिन गुरुवार को भी जारी रहा। मजदूरों का नेतृत्व कर रहे जेएलकेएम पार्टी नेता प्रेम मार्डी ने बताया कि कंपनी के एचआर अनिल कुमार धरना स्थल पर आकर बाद में वार्ता करने का भरोसा देकर मजदूरों से काम पर लौटने की अपील की जिसे मजदूरों ने ठुकरा दिया। मजदूरों ने कहा कि वार्ता फाइनल होने के बाद ही वे काम पर लौटेंगे। मजदूर नेता प्रेम मार्डी ने कहा कि जब तक कंपनी प्रबंधन उनकी मांगों पर सकारात्मक विचार नहीं करता है, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। हड़ताल के कारण कंपनी का उत्पादन पूरी तरह ठप्प हो गया है।

दिलीप गोयल को बम से उड़ा देने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

• एएसएल मोटर्स के मालिक हैं दिलीप गोयल

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी दिलीप गोयल को बम से मार कर उड़ा देने की धमकी देने वाला युवक राहुल तिवारी उर्फ राहुल पारिख गिरफ्तार कर लिया गया है। राहुल ने पुलिस के सामने स्वीकार किया कि एक मजदूर से झूठ बोलकर उसका मोबाइल लिया और दिलीप गोयल को फोन कर धमकी दी। पुलिस ने राहुल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

सीनियर एसपी किशोर कौशल ने एक संवाददाता सम्मेलन में राहुल तिवारी की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए उसे प्रेस के सामने प्रस्तुत किया। एसएसपी ने बताया कि दिनांक 05.03.25 को जमशेदपुर के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी के द्वारा थाना में एक लिखित आवेदन दिया गया था कि रात्रि समय करीब 09.24 बजे एक अज्ञात मोबाईल नं० के द्वारा धमकी भरा कॉल आया कि आपके कम्पनी को बम से उड़ा दिया जाएगा।

इस संबंध में विष्टुपुर थाना कांड सं0 40/25 दि० 05.03.25 चारा 308(4) बी०एन०एस० के अन्तर्गत प्राथमिकी दर्ज की गयी।

मामले की गम्भीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, पूर्वी सिंहभूम के द्वारा पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशानुसार पुण्उपा० सी०सी०आर० के नेतृत्व में एक एस०आई०टी० टीम का गठन किया गया।

अनुसंधान के क्रम में मानवीय असूचना एवं तकनिकी सहयोग से अज्ञात फोन करने वाले का पता करते हुए कांड का उद्वेचन किया गया एवं उसे गिरफ्तार किया गया। जिसने अपना अपराध स्वीकार करते हुए स्वीकारोक्ति बयान दिया कि अपने एक परिचित मजदुर से यह कहते हुए कि मेरा फोन रिचार्ज नहीं है फोन लेकर जिले के उक्त परिष्ठित व्यवसाय को धमकी दिया कि आपके कम्पनी को बम से उड़ा दिया जाएगा उक्त फोन को बरामद कर जब्त किया गया।

व्यवसायी को धमकी देने वाले राहुल को प्रेस के सामने प्रस्तुत करते सीनियर एसपी व सिटी एसपी।

राहुल तिवारी का डिटेल्स

राहुल तिवारी उर्फ राहुल पारीख उम्र करीब 39 वर्ष है द्व वह स्व० नारायण कुमार तिवारी का बेटा है जबकि होल्डींग नं0 20 बी0 पुरानी बस्ती रोड, पारीख भवन थाना जुगसालाई जिला पूर्वी सिंहभूम का निवासी है।

बरामद सामान : 1. ऐस कम्पनी का मोबाईल (जिससे धमकी दिया गया), 2. लावा कम्पनी का मोबाईल (अभियुक्त का नाम)

एक नजर में

बाबूलाल मरांडी के मार्गदर्शन में सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाएगी पार्टी : ओझा

जमशेदपुर। झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर पूरे प्रदेश में हर्ष और उत्साह का माहौल है। भाजपा जमशेदपुर महानगर के अध्यक्ष श्री सुधांशु ओझा ने भी इस निर्णय का स्वागत करते हुए बाबूलाल मरांडी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने कहा कि बाबूलाल मरांडी न केवल एक कुशल संगठनकर्ता और अनुभवी राजनेता हैं, बल्कि झारखंड की माटी के सच्चे सपूत भी हैं। उनके नेतृत्व में भाजपा को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। कहा कि उनके सशक्त और दूरदर्शी नेतृत्व में पार्टी प्रदेश की जनता के हितों की रक्षा के लिए सदन से सड़क तक संघर्ष करेगी और एक जागरूक व प्रभावी विपक्ष की भूमिका निभाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि श्री मरांडी का समर्पण, संघर्षशीलता और सुशासन का अनुभव झारखंड के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उनके नेतृत्व में भाजपा एक मजबूत विपक्ष के रूप में सरकार के कार्यों पर नजर रखेगी और राज्य के हितों की रक्षा के लिए पूरी मजबूती और समर्पित भाव से कार्य करेगी।

मरांडी को विधायक दल का नेता बनाये जाने से सशक्त हुई पार्टी : डा जटाशंकर पांडेय

जमशेदपुर। भाजपा झारखण्ड प्रदेश के प्रदेशकार्य समिति सदस्य डॉ जटा शंकर पाण्डेय ने झारखण्ड के प्रथम मुख्य मंत्री तथा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री बाबु लाल मरांडी जी को भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर बहुत बहुत बधाई तथा हार्दिक शुभकामनायें दी। श्री पाण्डेय बिश्वास व्यक्त किया उनके नेतृत्व में भाजपा के सभी विधायक सरकार की नाकामियों तथा विफलतायो को सदन से लेकर सड़क तय जोरदार ढंग से उठाएंगे तथा सरकार किसी सूरत कोई भी गलत काम नहीं करने देंगे। जरूरत पड़ने पर भाजपा कार्य कर्ता निकम्मीराज सरकार को मुहतोड़ जबाब देंगे।

सुबोध झा ने भी दी बाबूलाल मरांडी को बधाई

जमशेदपुर। झारखंड प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष एवं झारखंड के प्रथम पूर्व मुख्यमंत्री माननीय बाबूलाल मरांडी जी को नेता प्रतिपक्ष चुने जाने पर जिला भाजपा मुख्यालय प्रभारी सुबोध झा ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। झा ने यहां जारी बयान में कहा कि प्रतिपक्ष के नेता माननीय पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी जी सदन में अब जोरदार तरीके से जनता की आवाज को रखेंगे और न्याय दिलाएंगे।

भाजपा सदन से सड़क तक मजबूत होगी : अनिल मोदी

फोटो अनिल मोदी

जमशेदपुर। भाजपा के जिला महामंत्री अनिल मोदी ने भाजपा नेता श्री बाबूलाल मरांडी को भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर बधाई दी है।उन्होंने कहा बाबूलाल जी जमीन से जुड़े एक जुझारू राजनेता है।वे सही अर्थों में झारखंड के भूमिपुत्र है।एक भूमि पुत्र होने के नाते वे झारखंडियों के दर्द को भली भांति समझते है।वे सादगी से परिपूर्ण मिलनसार प्रवृति के राजनेता है।उन्होंने कहा कि बाबूलाल जी प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री रहे है।उनके सांगठनिक एवं विधाई अनुभव का लाभ भाजपा को मिलेगा एवं सदन से लेकर सड़क तक पार्टी ओर मजबूत होगी।

आजादनगर थाना शांति समिति की होली और रमजान के अवसर हुई खास बैठक

जमशेदपुर। ओल्ड पुरुलिया रोड स्थित होटल महल इन के सभागार में आजादनगर थाना शांति समिति द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से होली एवं रमजान शांति पूर्वक मनाने के पर पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि के तौर पर जमशेदपुर की अनुमंडल पदाधिकारी शताब्दी मजूमदार, अंचल अधिकारी बृजेश श्रीवास्तव, मानगो नगर निगम के उप नगर आयुक्त अरविंद कुमार एवं आजादनगर थाना के प्रभारी चंदन कुमार मौजूद थे। मुख्य अतिथियों की उपस्थिति में विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल के डॉक्टर निधि श्रीवास्तव, अभिनव कुमार सिंहा,भवानी सिंह,अपूर्व पाल और राजू गोराई ने होली में नशा कर हुड़दंग मचाने वाले लोगों पर कड़ी नजर रखने की अपील की। बैठक में मुख्य रूप से मोहम्मद मोइनुद्दीन अंसारी, ताहिर हुसैन मोहम्मद अशफाक ताजिम हैदर, मोहम्मद अब्दुल्ला, हाजी जमील अजगर, फरहत बेगम,राजू गोराई, मास्टर सिद्दीकी अली जमशेद अली खास तौर से उपस्थित थे। सभा का संचालन आजाद नगर थाना पीस कमेटी के सेक्रेटरी मुख्तार आलम खान ने किया।

पोटका : बैल खोजने गए किसान को हाथी ने पटका, मौत

मृत किसान दुर्गा कुदादा के शव को देखते वनकर्मी तथा मृत किसान की पत्नी शांति कुदादा को 25000 रुपये का चेक सौंपते वन विभाग के कर्मचारी।

खबर मन्त्र टीम

पोटका/जादूगोड़ा। पोटका थाना क्षेत्र के ग्वालकाटा पंचायत अंतर्गत बुटगोड़ा बलियागोडा में बैल खोजने गए किसान की हाथी द्वारा कुचले जाने से मौत हो गई। घटना गुरुवार सुबह की है। मृतक का नाम दुर्गा कुदादा (55) है। जानकारी अनुसार दुर्गा कुदादा का बैल बुधवार को घर नही लौटा। बैल को खोजने के लिए दुर्गा गुरुवार सुबह लगभग सात बजे जंगल की ओर गया। जंगल में बैल खोजने के दौरान हाथी ने उसे कुचल दिया। इससे घटनास्थल पर ही दुर्गा की मौत हो गई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पोटका पुलिस एवं वन विभाग की टीम को दी। सूचना पाकर पोटका थाना के सहायक अवर निरीक्षक बाबुजन बास्की एवं वन विभाग के प्रभारी वनपाल सौरव बांसुरी,वनरक्षी किशोर सोरेन, रबींद्रनाथ महतो, नवीन झा,कुसमय मुर्मू , दीपक महतो, राकेश कुमार व कार्यालय सहायक एन एन तिवारी घटनास्थल पर पहुंचे ।पुलिस ने शव जप्त कर पोस्टमार्टम हेतु एमजीएम मेडिकल कॉलेज जमशेदपुर भेजा। इधर वन विभाग द्वारा मृतक के पत्नी शांति कुदादा को तत्काल श्राद्धकर्म हेतु नगद 25 हजार रुपये का मुआवजा दिया। हाथी से मौत उपरांत वन विभाग द्वारा मृतक के परिवार को 4 लाख का मुआवजा देने का प्रावधान है।

झारखंड पुलिस एसो. के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सीएम से की भेंट

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से आज मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय,रांची में झारखंड पुलिस एसोसिएशन, रांची, झारखंड के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी के साथ अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री ने भी झारखंड पुलिस एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री को भारत का संविधान भेंट कर स्वागत करते एसो. के पदाधिकारीगण।

मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट करने वालों में झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री राहुल कुमार मुर्मू, वरीय उपाध्यक्ष मोहम्मद महताब आलम, उपाध्यक्ष श्री रोहित कुमार रजक, महामंत्री श्री संजीव कुमार, वरीय संयुक्त सचिव श्री संतोष कुमार महतो एवं श्री राकेश कुमार पांडेय, संगठन सचिव श्री मंटू कुमार, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद कमाल, श्री भागवत मुर्मू, श्री करण कुमार और श्री नितिन रवि, झारखंड पुलिस मेन्स एसोसिएशन के महामंत्री श्री रमेश उरांव, उपाध्यक्ष श्री देवचंद मुंडा, उपाध्यक्ष श्री परमेश्वर महतो, कोषाध्यक्ष श्री गुलाब महतो, सहायक महामंत्री श्री लालेश्वर राम, सहायक महामंत्री श्री तपेश्वर यादव, पूर्व मेन्स अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार, पूर्व वरीय उपाध्यक्ष और श्री अखिलेश्वर पांडेय तथा झारखंड पुलिस एसोसिएशन, रांची शाखा के अध्यक्ष श्री आनंद राज खलखो, श्री अनीश कुजूर, श्री देवता चरण उपाध्याय एवं उपाध्यक्ष श्री ठाकुर दयाल महतो मौजूद थे।

संगीतमय होली की मेजबानी करेंगी विधायक पूर्णिमा साहू

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के सम्मान और एकजुटता को समर्पित भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन क्षेत्र की महिलाओं को सशक्त मंच प्रदान करने और उनके बीच आपसी सौहार्द्र व सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा की विधायक पूर्णिमा साहू की पहल पर होली मिलन समारोह अगामी 8 मार्च, शनिवार को संध्या 5:30 बजे से

सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर परिसर में आयोजित होगा। वहीं, आयोजन की तैयारियों को भव्यता प्रदान करने के लिए महिला मोर्चा द्वारा विभिन्न मंडलों में लगातार बैठकें की जा रही हैं। इस निमित्त, गुरुवार को जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा अंतर्गत भाजपा बारीडीह मंडल की महिला मोर्चा अध्यक्ष रूपा देवी की अध्यक्षता में मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में होली मिलन समारोह की सफलता और भव्यता हेतु विस्तारपूर्वक चर्चा कर रूपरेखा बनाई गयी। इस संबंध में विधायक पूर्णिमा साहू ने बताया कि इस आयोजन में पूर्वी विधानसभा की सभी माताओं-बहनों को ससम्मान आमंत्रित किया गया है। इस आयोजन की सफलता हेतु जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा के महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष सहित उर्मिला दास, रूपा देगी, बिमला साहू, संजना साहू, सुधा यादव, सीलु साहू एवं अन्य जुटे हैं।

टाटा मेन हॉस्पिटल में काम करने लगा स्पाइन क्लिनिक और स्ट्रोक यूनिट

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। चाणक्य चौधरी, वाइस प्रेसिडेंट कॉर्पोरेट सर्विसेज, टाटा स्टील ने गत 4 मार्च 2025 को टीएमएच स्पाइन क्लिनिक का उद्घाटन किया। पीठ दर्द/गर्दन दर्द एक आम समस्या है। डेटा से पता चलता है कि हर किसी को अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार पीठ दर्द/गर्दन दर्द का अनुभव होगा। इस तरह के दर्द का कारण बनने वाली समस्याएं अलग-अलग हो सकती हैं और न्यूरोसर्जरी, दर्द चिकित्सक, ऑर्थोपेडिक्स और फिजियोथेरेपिस्ट जैसे विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा उनका इलाज किया जाता है। जटिल रीढ़ की हड्डी की समस्याओं वाले कई रोगियों को 2 या अधिक विशेषज्ञों से परामर्श की आवश्यकता होती है।

टीएमएच स्पाइन क्लिनिक जटिल रीढ़ की हड्डी की समस्याओं वाले रोगियों के लिए एकल खिड़की समाधान अनिवार्य करता है। न्यूरोसर्जरी टीम द्वारा मूल्यांकन के बाद उसी परामर्श में, दर्द चिकित्सक, ऑर्थोपेडिक या फिजियोथेरेपिस्ट के साथ कोई भी क्रॉस रेफरल उसी समय टीएमएच स्टाफ की सहायता से किया जाएगा। विशेषज्ञ परामर्श के बाद अन्य विशेषज्ञों के साथ मामले पर चर्चा भी करेंगे जिससे समग्र देखभाल प्रदान करने में मदद मिलेगी। मल्टीडिसिप्लिनरी स्पाइन क्लिनिक एक पश्चिमी अवधारणा है और अमेरिका और यूरोप में ऐसे कई क्लीनिक हैं। पिछले 5-10 वर्षों में भारत के मेट्रो शहरों में भी कुछ केंद्र खुले हैं।

स्पाइन क्लीनिक का उद्घाटन करने के पश्चात अवलोकन करते वीपी चाणक्य चौधरी।

टीएमएच स्पाइन क्लिनिक अपनी तरह का अनूठा होगा और झारखंड राज्य में ऐसा पहला क्लिनिक होगा।

टीएमएच स्ट्रोक यूनिट

स्टोक यूनिट सुविधा का उद्घाटन भी वाइस प्रेसिडेंट कॉर्पोरेट सर्विसेज टाटा स्टील ने गत 4 मार्च 2025 को किया। जैसा कि हम सभी जानते हैं, स्ट्रोक एक विनाशकारी घटना है। यह अचानक होता है, शरीर के एक हिस्से में लकवा मार जाता है, जिससे व्यक्ति और उसके परिवार पर बहुत बुरा असर पड़ता है।

जब स्ट्रोक की देखभाल की बात आती है तो समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। हर मिनट मायने रखता है। जितनी जल्दी हम स्ट्रोक का निदान और उपचार कर सकते हैं, उतनी ही लंबी अवधि की विकलांगता को कम करने और रोगी के परिणामों में सुधार करने की संभावना बेहतर होती है।

स्ट्रोक के रोगियों के एक उपसमूह के लिए जो घटना के 4.5 घंटे के भीतर आते हैं, स्ट्रोक यूनिट अपनी प्रशिक्षित टीम के माध्यम से मिनटों के भीतर तत्काल थक्का विघटन और पक्षाघात को उलटने के लिए त्वरित उपचार प्रदान करती है। स्ट्रोक यूनिट में अत्यधिक कुशल और समर्पित पेशेवरों की एक टीम है: न्यूरोलॉजिस्ट, नर्स, चिकित्सक और सहायक कर्मचारी, जो सभी स्ट्रोक देखभाल में विशेषज्ञ हैं। वे नवीनतम तकनीक और प्रोटोकॉल से लैस हैं।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

भारत-न्यूजीलैंड 25 साल बाद फिर खिताबी मैच में होंगे आमने-सामने

एजेंसी

दुबई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच नौ मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। भारत ने सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को मात देकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया। 25 साल बाद एक बार फिर यह दोनों टीमें आइसीसी के सीमित ओवर प्रारूप के खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

आठ दिन के भीतर दूसरी बार होगा सामना

भारत और न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप ए में शामिल थीं। भारत ने ग्रुप चरण के आखिरी मैच में न्यूजीलैंड को हराया था और अब आठ दिन के अंतर दोनों टीमें एक बार फिर आमने-सामने होंगी। भारत और न्यूजीलैंड की टीमें दो बार आइसीसी टूनार्मेंट के फाइनल में भिड़ी हैं। आखिरी बार दोनों टीमों के बीच 2021 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेला गया था। बारिश के कारण छह दिनों तक चले इस खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम भारत पर भारी पड़ी थी और कीवियों ने भारतीय टीम को आठ विकेट से हराया था।

25 साल पहले कीवियों ने तोड़ा था भारत का सपना

दिलचस्प बात यह है कि आइसीसी के सीमित ओवर के प्रारूप में आखिरी बार दोनों टीमें फाइनल में 2000 में आइसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (अब चैंपियंस ट्रॉफी) में खेली थीं। उस समय न्यूजीलैंड ने भारत को चार विकेट से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था। उस मैच में सौरव गांगुली की अगुआई वाली भारतीय टीम ने गांगुली के 117 रन और सचिन तेंदुलकर के 69 रनों की बदौलत 50 ओवर में छह विकेट पर 264 रन बनाए थे। जवाब में स्टीफन फ्लेमिंग की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड टीम ने लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया था। कीवी टीम के लिए क्रिस कार्न्स ने 113 गेंदों पर नाबाद 102 रन बनाए थे और भारत के मुंह से जीत छीन ली थी।

हेड-टू-हेड रिकॉर्ड (वनडे)

कुल खेले गए मैच	120
भारत जीता	62
न्यूजीलैंड की जीत	50
टाई	01
कोई परिणाम नहीं	07

न्यूजीलैंड को लंबे समय से आइसीसी खिताब का इंतजार

इसके बाद से न्यूजीलैंड ने कभी आइसीसी के सफेद गेंद प्रारूप का टूनार्मेंट नहीं जीता है। न्यूजीलैंड की टीम 2015 और 2019 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची, लेकिन दोनों ही बार उसे हार का सामना करना पड़ा। अब उसका सामना एक और फाइनल में रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम से होगा जो टूनार्मेंट में अजेय रहते हुए खिताबी मुकाबले में पहुंची है। गत दो मार्च को भारत और न्यूजीलैंड के बीच इसी दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर मुकाबला हुआ था जिसमें भारत ने न्यूजीलैंड के सामने 250 रनों का लक्ष्य रखा था। इस मैच में वरुण चक्रवर्ती की अगुआई में भारतीय स्पिनरों के दमदार प्रदर्शन से टीम इंडिया लक्ष्य का बचाव करने में सफल रही थी। चैंपियंस ट्रॉफी का अपना पहला ही मैच खेलते हुए वरुण ने पांच विकेट झटके थे और न्यूजीलैंड लक्ष्य से पीछे रह गया था।

दुबई में भारत मजबूत है : केन विलियमसन

- भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के लिए हर किसी की पहली पसंद है
- केन विलियमसन ने भी स्वीकार किया कि दुबई में भारत मजबूत है

न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन का मानना है कि भारत के पास चैंपियंस ट्रॉफी के अपने सभी मैच दुबई में खेलने के कारण वहां की परिस्थितियों को लेकर वास्तविक स्पष्टता है, लेकिन साथ ही कहा कि उनकी टीम रविवार को होने वाले फाइनल के लिए पूरी तरह से तैयार है। विलियमसन ने सीधे तौर पर यह नहीं कहा कि भारत को एक ही स्थान पर खेलने का फायदा मिल रहा है। इसके बजाय उन्होंने इसकी तुलना और न्यूजीलैंड की लाहौर की परिस्थितियों की अच्छी समझ से की।

रोहित-शुभमन करेंगे पारी की शुरुआत

न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में भी पारी की शुरूआत रोहित शर्मा और शुभमन गिल ही करते हुए नजर आएंगे। गिल और रोहित आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में अच्छी शुरूआत देने में नाकामयाब रहे थे। फाइनल में इन दोनों को जिम्मेदारी लेनी होगी। नंबर 3 पर विराट कोहली आएंगे। विराट कमाल की फॉर्म में हैं और सेमीफाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे थे। वहीं नंबर 4 पर बल्लेबाजी के लिए श्रेयस अय्यर आते हैं।

मिडिल ऑर्डर में कोई बदलाव नहीं

नंबर 5 पर अक्षर पटेल आते हैं जो बतौर स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर खेलेंगे। इसके अलावा प्लेइंग 11 में केएल राहुल बतौर विकेटकीपर खेलेंगे। वहीं रवींद्र जडेजा और हार्दिक पंड्या टीम के ऑलराउंडर हैं। जो गेंद और बल्ले दोनों से कमाल कर सकते हैं। इन सभी खिलाड़ियों ने चैंपियंस ट्रॉफी में अबतक कमाल का प्रदर्शन किया है।

गेंदबाजी लाइनअप में एक बदलाव

हालांकि टीम इंडिया के गेंदबाजी लाइनअप में एक बदलाव हो सकता है। भारतीय टीम में बतौर स्पिनर वरुण चक्रवर्ती खेलेंगे। इसके अलावा कुलदीप यादव की जगह पर प्लेइंग 11 में हर्षित राणा को एक बार फिर से शामिल किया जा सकता है क्योंकि सेमीफाइनल में टीम इंडिया को एक पेसर की कमी महसूस हुई थी और कुलदीप यादव उतने प्रभावशाली नजर नहीं आए थे।

फाइनल के लिए टीम इंडिया की संभावित 11:

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद शमी, हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती।

सबसे बड़ी जीत (रनों द्वारा)

- भारत : 190 रन (10 अगस्त, 2022, हरारे - भारत 372/5, न्यूजीलैंड 182)
- न्यूजीलैंड : 200 रन (26 मार्च, 1987, नागपुर - न्यूजीलैंड 299/8, भारत 99)

सबसे बड़ी जीत (विकेट द्वारा)

- भारतः 10 विकेट (कई बार, उदाहरण के लिए, 21 जनवरी, 2019, नेपियर)
- न्यूजीलैंडः 8 विकेट (कई बार, उदाहरण के लिए, 8 फरवरी, 2020, ऑकलैंड)

भारत का जोरदार स्पिन अटैक

कीवी टीम की डर का सबसे बड़ा कारण दुबई पिच नहीं है, बल्कि भारत का तगड़ा स्पिन अटैक है। भारतीय टीम में शामिल रविंद्र जडेजा आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2013 के हीरो थे, जबकि वरुण चक्रवर्ती अपनी गेंदों पर दिग्गजों को नचा रहे हैं। अक्षर पटेल बैट और बॉल दोनों से कमाल कर रहे हैं। दाएं और बाएं दोनों हाथ के स्पिनर फॉर्म में हैं। रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव (चाइनामैन) बाएं हाथ से बॉलिंग करते हैं, जबकि वरुण चक्रवर्ती दाएं हाथ से। भारत के पास हर मामले में विकल्प मौजूद है।

न्यूज डायरी

हैदराबाद ने चोटिल कार्स की जगह मुल्डर को अपने साथ जोड़ा

नयी दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की शुरूआत 22 मार्च से होने वाली है। इस सीजन की शुरूआत से पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने बड़ा बदलाव किया है। फ्रेंचाइजी ने चोटिल ब्रायडन कार्स की जगह दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर को अपनी टीम में शामिल है। ब्रायडन कार्स चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेलते हुए चोटिल हो गए थे। आइपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार सनराइजर्स हैदराबाद ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के आगामी संस्करण के लिए ब्रायडन कार्स के रिप्लेसमेंट के रूप में वियान मुल्डर को चुना है।

आइपीएल में अपनी छाप छोड़ने को तैयार अविनाश

नयी दिल्ली। आगामी इंडियन प्रीमियर लीग सत्र में 24 साल के पायला अविनाश पंजाब किंग्स के लिए अपना डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पंजाब किंग्स फ्रेंचाइजी वर्षों से अपनी बेहतरीन स्काउटिंग क्षमता और नए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तलाशने की पहचान बनाई है। पिछले साल हुई नीलामी में टीम ने अविनाश को अपने दल में शामिल कर युवा खिलाड़ियों पर अपने भरोसे को बरकरार रखा है। अब अविनाश इस बड़े मंच पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। पंजाब किंग्स के क्रिकेट संचालन महाप्रबंधक आशीष तुली ने बताया कि कैसे अविनाश ने टीम के स्काउटिंग पैनल का ध्यान आकर्षित किया, जिसके चलते उन्हें आईपीएल सीजन 18 की नीलामी में खरीदा गया। उन्होंने एक बयान में कहा, हमारी नजर उनके विस्फोटक बल्लेबाजी कौशल और घरेलू टी20 टूनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन पर पड़ी। हालांकि, यह केवल उन्हीं प्रदर्शनों की वजह से नहीं था, बल्कि हम काफी समय से उन पर नजर रख रहे थे।

राहुल ने आइपीएल में अपनी सफलता का श्रेय धोनी को दिया

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर राहुल त्रिपाठी ने हाल ही में गगन नारंग स्पोर्ट्स फाउंडेशन की पहल हाउस ऑफ ग्लोरी पॉडकास्ट में अपनी आइपीएल यात्रा को लेकर एक खास बात बताई। उन्होंने बताया कि पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी की सलाह ने 2017 में उनके आईपीएल डेब्यू में काफी मदद की। राहुल त्रिपाठी ने आईपीएल के दसवें सत्र में राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स टीम के साथ अपना डेब्यू किया था, जहां धोनी भी टीम का हिस्सा थे। अपने पहले मैच से पहले धोनी ने उन्हें मानसिक रूप से तैयार होने में सहायता की। त्रिपाठी ने कहा, रमेरे पहले मैच से दो दिन पहले मैं ड्रेसिंग रूम में उन्हें देख रहा था। तभी उन्होंने मुझे बुलाया और कहा कि मैं कुछ अतिरिक्त करने या सोचने की कोशिश न करूं, बल्कि वैसे ही खेलूं जैसे ट्रेनिंग में खेल रहा था। जब इतनी बड़ी शख्सियत से यह सलाह मिली और मैं अपना पहला मैच खेलने जा रहा था, तो इससे मुझे बहुत आत्मविश्वास मिला।

डेविड मिलर ने उठाये चैंपियंस ट्रॉफी के शैड्यूल पर सवाल

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान और दुबई के बीच दो बार यात्रा करने के कारण चैंपियन्स ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल के कार्यक्रम से निराश दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेविड मिलर अब भारत के खिलाफ टूनार्मेंट के खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड की जीत की उम्मीद कर रहे हैं। मिलर ने बुधवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में हार के दौरान शानदार शतक जड़ा था। मिलर के कहा कि मैं आपके साथ ईमानदारी बरतूंगा। मुझे लगता है कि मैं न्यूजीलैंड का समर्थन करूंगा। कराची में ग्रुप चरण का आखिरी मैच खेलने के तुरंत बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम को अगली सुबह तड़के दुबई के लिए उड़ान पकड़नी पड़ी। हाइब्रिड मॉडल पर खेले जा रहे इस टूनार्मेंट में दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया की टीमों को भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए ग्रुप चरण के मैच के परिणाम आने तक दुबई में डेरा डालना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ग्रुप बी में शीर्ष स्थान पर रहा था और भारत के ग्रुप ए में चोटी पर रहने के कारण उसे सेमीफाइनल खेलने के लिए वापस पाकिस्तान लौटना पड़ा। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका की 50 रन की हार के दौरान

शतक जड़ने वाले मिलर ने कहा कि कार्यक्रम आदर्श नहीं है। मिलर ने कहा कि यह भले ही एक घंटे और 40 मिनट की उड़ान है लेकिन कहने का मतलब यह है कि हमें ऐसा करना पड़ा। मैच के तुरंत बाद अगली सुबह हमें तड़के विमान पकड़ना पड़ा ताकि हम सही समय पर दुबई पहुंच सके। उन्होंने कहा कि और सुबह 7.30 बजे हमें वापस आना पड़ा। यह अच्छी स्थिति नहीं थी। ऐसा नहीं है कि हमने 5 घंटे की उड़ान भरी और हमारे पास मैच के लिए पूरी तरह तैयार होने के लिए पर्याप्त समय था। लेकिन फिर भी यह कोई आदर्श स्थिति नहीं थी। फाइनल रविवार को दुबई में खेला जाएगा। मिलर की यह टिप्पणी उनके साथी रासी वान डेर डुसेन के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने अपने सभी मैच एक ही स्थान पर खेलने से भारत को फायदा होने का जिक्र किया था। मिलर चाहते हैं कि भारत के खिलाफ फाइनल को न्यूजीलैंड जीते लेकिन उन्हें इस मैच के काफी करीबी होने की उम्मीद है। मिलर ने कहा कि दोनों ही बहुत अच्छी टीम हैं। भारत ने दुनिया को दिखाया है कि उनकी टीम कितनी अच्छी है। वह पिछले कई वर्षों से लगातार अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास वास्तव में कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं। यह शानदार मुकाबला होगा।" दक्षिण अफ्रीका पिछले साल टी20 विश्व कप फाइनल में भारत से हार गया था और बुधवार को एक बार फिर नॉकआउट मैच में हारकर आईसीसी खिताब जीतने से महरूम रहा।

गोल्डन बैट के लिए रचिन और कोहली में टक्कर

एजेंसी

दुबई। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के तहत भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाना है। इस दौरान सबकी नजरें टूनार्मेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज पर होगी जिसे गोल्डन बैट मिलेगा। इस अवॉर्ड के लिए रचिन रवींद्र और विराट कोहली के बीच टक्कर है। इसी तरह गोल्डन बॉल के लिए मैट हैनरी और मोहम्मद शमी आमने-सामने हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के टॉप स्कोरर

- 227 रन : बेन डकेट, इंग्लैंड
- 226 रन : रचिन रवींद्र, न्यूजीलैंड
- 225 रन : जो रूट, इंग्लैंड
- 217 रन : विराट कोहली, भारत
- 216 रन : इब्राहिम जादरान, अफगानिस्तान
- इस लिस्ट में 195 रन बनाकर श्रेयस अय्यर छठे स्थान पर बने हुए हैं। अगर वह ग्रुप स्टेज की तरह फाइनल में भी अच्छी पारी खेलने में सफल रहे तो वह भी गोल्डन बैट के दावेदार हो सकते हैं।

बेस्ट स्ट्राइक रेट में फिलिप्स आगे

टूनार्मेंट में ग्लेन फिलिप्स ने फील्डिंग के अलावा बल्ले से भी अपना जलवा दिखाय है। उन्होंने 4 मैचों में 143 रन बनाए है लेकिन उनकी स्ट्राइक रेट (140.20) इस वक्त सबसे ज्यादा है। उनके बाद दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर (139.08) का नाम आता है। आस्ट्रेलिया के जोश इंग्लिस (133.67) भी इस लिस्ट में हैं।

सबसे ज्यादा छक्के

टूनार्मेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में उमरजजई पहले नंबर हैं जिन्होंने 3 मैचों में 8 छक्के लगाए हैं। ग्लेन फिलिप्स 7 छक्के लगाकर संयुक्त तौर पर इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। भारत की ओर से हार्दिक ने सर्वाधिक 5 छक्के लगाए हैं। राहुल 4 तो अय्यर ने 3 ही छक्के लगाए हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के टॉप विकेटटेकर

- 10 विकेट : मैट हैनरी, न्यूजीलैंड
- 8 विकेट : मोहम्मद शमी, भारत
- 7 विकेट : वरुण चक्रवर्ती, भारत
- 7 विकेट : मिचेल सेंटनर, न्यूजीलैंड
- 7 विकेट : बेन ड्वारशुइस, आस्ट्रेलिया

शकील, टाइम आउट होने वाले सातवें बल्लेबाज

लाहौर। पाकिस्तान के सउद शकील प्रथम श्रेणी क्रिकेट में निर्धारित समय में क्रीज पर नहीं पहुंचने पर टाइम आउट करार दिये गये। वह टाइम आउट होने वाले दुनिया के सातवें बल्लेबाज है। पाकिस्तान के प्रथम श्रेणी घरेलू टूनार्मेंट प्रेसीडेंट ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान की ओर से खेल रहे शकील दो गेंद पर दो विकेट गिरने के बाद तैयार नहीं होने के कारण निर्धारित समय के भीतर क्रीज पर नहीं पहुंचे। विपक्षी पीटीवी टीम के कप्तान अमाद बट ने निर्धारित तीन मिनट के अंदर क्रीज पर नहीं पहुंचने पर आउट की अपील कर दी। अंपायरों ने तीन मिनट के अंदर क्रीज पर नहीं पहुंचने के कारण शकील को टाइम आउट करार दिया।

गोल्फर अमनदीप द्राल हीरो डब्ल्यूपीजीटी में वाणी कपूर के साथ शीर्ष पर पहुंचीं

एजेंसी

गुरुग्राम। गोल्फर अमनदीप द्राल हीरो महिला पेशेवर गोल्फ टूर में वाणी कपूर के साथ शीर्ष पर पहुंच गई हैं। क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब में खेले जा रहे हीरो डब्ल्यूपीजीटी के पांचवें चरण के दूसरे दौर में उन्होंने 2-ओवर 74 का स्कोर किया और 36 होल के बाद 1-ओवर 145 के कुल स्कोर के साथ वाणी के साथ शीर्ष पर हैं। पहले दौर की लीडर रहीं वाणी कपूर ने दूसरे दौर में 3-ओवर 75 का कार्ड खेला और अमंदीप के साथ संयुक्त रूप से टॉप पह बनी हुई हैं। इस जोड़ी से केवल एक शॉट पीछे तीसरे स्थान पर रिया झा हैं, जिन्होंने पहले नौ होल में दो बर्डी और बाद के नौ होल में दो बोगी के साथ ईवन पार 72 का स्कोर बनाया। अमनदीप ने इस दौर में एकमात्र बर्डी 14वें होल पर बनाई, लेकिन तीन बोगी कर बैठीं।

वहीं, उनकी साथी खिलाड़ी वाणी कपूर ने पहले होल में बर्डी के साथ अच्छी शुरूआत की, लेकिन बाद में चार बोगी कर बैठीं।

मैदान पर वापसी को तैयार हैं छेत्री

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में वापसी के लिए तैयार हैं। उन्होंने पिछले साल जून में लिए गए संन्यास के अपने फैसले को पलट दिया है। वह 25 मार्च को एएफसी एशियाई कप 2027 के क्वालिफायर के अपने तीसरे दौर में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में खेलते दिखेंगे।40 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला पिछले साल जून में खेला था। कुवैत के खिलाफ फीफा क्वालिफायर के लिए खेले गए

मुकाबले में वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके थे। यह मैच 0-0 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। छेत्री ने संन्यास के बाद फैंस को धन्यवाद दिया था। उन्होंने कहा- जिन्होंने मुझे वीडियो में देखा है, जिन्होंने मेरे ऑटोग्राफ लिए हैं और मेरे पुराने समर्थकों, मैं सभी का दिल से धन्यवाद देता हूं। ये 19 साल आप सभी के बिना संभव नहीं थे।सुनील ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरूआत साल 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ की थी। वह सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल (94) करने वाले चौथे खिलाड़ी है। वहीं, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, अली डेई और लियोनेल मेसी के बाद सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उन्हें साल 2011 में अर्जुन पुरस्कार और 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।छेत्री ने अपने शानदार करियर में छह बार एआईएफएफ प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीता।

अरविंद ने प्राग मास्टर्स में हासिल की एकल बढ़त, अनीश गिरी को हराया

एजेंसी

प्राग। भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सातवें दौर में काले मोहरे से खेलते हुए नीदरलैंड के अनीश गिरी को मात दी और एकल बढ़त हासिल करने में सफल रहे। अरविंद ने शुरू से लेकर आखिर तक अपनी लय बनाए रखी। अरविंद ने गिरी के खिलाफ 24वीं चाल में अपने घोड़े के दम पर बढ़त बनाई और आखिर में 39वीं चाल में जीत हासिल करके रिकॉर्ड बुक में अपना नाम लिखवाया।

लाइव रेटिंग में 14वें स्थआन पर पहुंचे अरविंद

अरविंद इस जीत से लाइव रेटिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस तरह से लाइव रेटिंग में शीर्ष 15 में अब कम से कम पांच भारतीय शामिल हो गए हैं। विश्वनाथन आनंद 15वें नंबर पर हैं। अरविंद ने पहली बार शीर्ष 15 में प्रवेश किया।

प्रज्ञानंद ने ड्रॉ खेला

भारत के एक अन्य खिलाड़ी आर प्रज्ञानंद ने टूनार्मेंट से पहले खिताब के दावेदार माने जा रहे चीन के वेई यी के साथ ड्रॉ खेला। अरविंद ने संभावित सात में से अपने अंकों की संख्या पांच कर ली है और अब वह प्रज्ञानंद से आधे अंक की बढ़त पर हैं। अब केवल दो दौर की बाजियां खेली जानी बाकी है। अमेरिका के सैम शैंकलैंड ने वियतनाम के क्वांग लीम ले को हरा दिया। दिलचस्प बात यह है कि क्वांग लीम और गिरी दोनों ने पहली छह बाजियां ड्रॉ खेली थी। एक अन्य मुकाबले में तुर्किए के 16 वर्षीय गुरेल एडिज ने चेक गणराज्य के गुयेन थाई दाई वान को पराजित किया, जबकि चेक गणराज्य के ही डेविड नवारा ने जर्मनी के विंसेंट कीमर के साथ ड्रॉ खेला। अरविंद पांच अंक लेकर शीर्ष पर काबिज हैं, जबकि प्रज्ञानंद 4.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। उनके बाद वेई यी, एडिज, कीमर और शैंकलैंड का नंबर आता है जिनके 3.5 अंक हैं। गिरी, नवारा और लीम के तीन-तीन अंक हैं, जबकि दाई वान 2.5 अंक के साथ सबसे निचले स्थान पर हैं। चैलेंजर्स वर्ग में जोनास बुहल बजरे ने इस वर्ग में भाग ले रहीं एकमात्र भारतीय दिव्या देशमुख को हराकर उसकी मुसीबतें बढ़ा दी। भारतीय खिलाड़ी सात बाजियों में केवल 1.5 अंक हासिल कर पाई है और वह सबसे अंतिम स्थान पर है। इस वर्ग में उज्बेकिस्तान के बजरे और नोदिरबेक याकुबोएव 5.5 अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

श्रीलंका व अफ्रीका के साथ वनडे सीरीज खेलेगी भारतीय महिला टीम

कोलंबो। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अप्रैल-मई में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के साथ वनडे ट्राई-नेशन सीरीज में भाग लेगी। श्रीलंका क्रिकेट ने बताया कि श्रीलंका, भारत और दक्षिण अफ्रीका अप्रैल-मई के महीने के दौरान वनडे ट्राई-नेशनसीरीज खेलेंगे। श्रीलंका क्रिकेट ने गुरुवार को बताया कि सभी मैच कोलंबो के आर. प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

शेड्यूल-

- 27 अप्रैल - श्रीलंका बनाम भारत
- 29 अप्रैल - भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका
- 01 मई - श्रीलंका बनाम दक्षिण अफ्रीका
- 04 मई - श्रीलंका बनाम भारत
- 06 मई - दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत
- 08 मई - श्रीलंका बनाम द. अफ्रीका
- 11 मई - फाइनल

स्पीड न्यूज

आवास लाइसेंसिंग योजना के लिए 8 मार्च से आवेदन आमंत्रित

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट द्वारा आवास लाइसेंस योजना लाई जा रही है जिसमें वैसे पूर्व कर्मचारी आवेदन जमा कर सकते हैं जो ई प्रकार के आवास में रह रहे हैं तथा आवास को लाइसेंस पर लेने के इच्छुक हैं। इसके अलावा वैसे कर्मचारी भी इस योजना का लाभ उठा सकेंगे जो जून 2025 तक सेवानिवृत्त होंगे और वर्तमान में ई प्रकार के आवास में रह रहे हैं। इसके लिए योग्य उम्मीदवार ऑनलाईन आवेदन पोर्टल के माध्यम से जमा कर सकते है। आवेदन जमा करने की तिथि 8 से 25 मार्च तक होगी। इस संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी नगर प्रशासन विभाग के लीज एवं लाईसेंस अनुभाग से प्राप्त की जा सकती है।

बीएसएल के पूर्व कर्मियों को पर्क्स एरियर भुगतान की प्रक्रिया आरम्भ

बोकारो। बीएसएल के भूतपूर्व कर्मियों को 11 माह के पर्क्स एरियर भुगतान के लिए पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदनों की बीएसएल द्वारा जांच कर अग्रेतर कार्यवाही की जा रही है। जांचोपरांत आवेदनों को वित्त एवं लेखा विभाग को भुगतान हेतु अग्रसारित कर दिया जाएगा। जांचोपरांत यदि किसी कारणवश प्राप्त आवेदन को भुगतान हेतु अग्रसारित नहीं किया गया हो तो इसके कारणों का उल्लेख करते हुए उसे रीसेट किया जाएगा। यद्यपि आवेदनों की जाँच युद्धस्तर पर जारी है फिर भी इसमें थोड़ा वक्त लगेगा। जाँच पूरी होते ही आवेदन का स्टेटस पोर्टल पर अपडेट कर दिया जाएगा जिसे भूतपूर्व कर्मी अपनी लॉग-इन आईडी से देख सकते हैं।

एचआर के ठेका श्रमिक प्रकोष्ठ द्वारा ईएसआईसी जागरूकता कार्यक्रम

बोकारो। बीएसएल के मानव संसाधन विभाग ठेका श्रमिक प्रकोष्ठ द्वारा सीओ एंड सीसी विभाग में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के 74 वें स्थापना दिवस के अवसर पर विशेष सेवा पखवाड़ा समारोह के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनिल कुमार शाखा प्रबंधक ईएसआईसी बोकारो डॉ रणधीर कुमार बीमा चिकित्सा अधिकारी ईएसआईसी और देव कुमार शर्मा उपस्थित थे जिन्होंने ईएसआईसी के बारे में जागरूकता बढ़ाने और ईएसआईसी से संबंधित समस्या के समाधान के लिए ठेका श्रमिकों के साथ विस्तृत संवाद किया। कार्यक्रम में सीओ एंड सीसी, सिंटर प्लांट, आरएमएचपी और आरएमपी विभाग के लगभग 75 ठेका श्रमिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में संबंधित विभागों के विभागीय सुरक्षा अधिकारी और मानव संसाधन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम को सीजीएम आरएमएचपी धनन्जय कुमार सीजीएम एसपी पीताम्बर चौधरी जीएम एवं विभागाध्यक्ष सीओ एवं सीसी पीएस कुमार तथा जीएम आरएमपी मुकेश कुमार सिंह के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

गिट्टी लदा 407 मालवाहक वाहन गिरा कुएं में, बाल-बाल बचा चालक

बोकारो/कसमार। कसमार थाना क्षेत्र के रांगामाटी गांव में गुरुवार को एक गिट्टी लदा 407 मालवाहक वाहन कुएं में गिर गया। घटना में वाहन चालक बाल-बाल बच गया। स्थानीय लोगों के अनुसार कुएं के सामने सड़क पर पीसीसी ढलाई का कार्य चल रहा था। जिसके कारण मंजूरा की तरफ से आ रहा वाहन पीछे मुड़कर डायवर्सन से होकर पार होना चाह रहा था। पीछे मुड़ने के क्रम में वाहन का पिछले हिस्से का दोनों चक्का कुएं में आ गया जिससे गिट्टी भरा वाहन पीछे की ओर से कुएं में गिर गया। हालांकि कुएं में ज्यादा पानी नहीं था। कुंए में गिरने के साथ ही वाहन चालक सामने का ग्लास तोड़कर बाहर निकल आया। वाहन में सिर्फ चालक ही था। रांगामाटी में पीसीसी ढलाई किया जा रहा है। जिसके कारण वाहन डायवर्सन से होकर पार हो रहे हैं।

अनियमितता की शिकायत पर निरीक्षण को पंहुची डीसीओ

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो/कसमार। कसमार प्रखंड के हिसमी पैक्स के लिए बन रहे 500 एमटी के गोदाम एवं मार्केटिंग सेंटर भवन निर्माण कार्य में अनियमितता की शिकायत पर बोकारो डीसीओ स्वेता गुड़िया द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में अनियमितता देख श्रीमती गुड़िया ने संवदेक को फटकार लगाते हुए कहा कि निर्माण कार्य में जहां जहां गड़बड़ी है उसे सुधार कर कार्य कर ले वर्ना नपे जाओगे। डीसीओ ने संवदेक को प्राक्क्लन के अनुसार कार्य करने की हिदायत दी एवं कनीय अभियंता अजीत कुमार को निर्माण कार्य की अच्छे से जांच कर रिपोर्ट मांगी है। जांच के दौरान मौके पर मौजूद पैक्स अध्यक्ष व सदस्य एवं अन्य ग्रामीणों ने डीसीओ के समक्ष आरोप लगाया कि गोदाम निर्माण कार्य में बांगला भट्ठा के निम्न गुणवत्ता की ईंट का उपयोग पूर्व में किया गया है। वहीं बीम की ढलाई में अच्छे तरीके से शटरिंग नहीं लगाने से दब गया है तथा डीप बोरिंग कार्य 6 सौ फीट गहराई के बदले मात्र 250 फीट तथा 6 इंच डायमीटर की जगह 4 इंच किया है। आरसीसी ढलाई और दीवार जुड़ाई भी जैसे तैसे किया गया है। मौके पर मुख्यालय बीसीओ जीतेंद्र सिंह देव हिसीम पैक्स लालदेव महतो कार्यकारिणी सदस्य संजय कुमार महतो पूर्व पैक्स अध्यक्ष श्यामलाल मांझी भाजपा नेता आनंद महतो संवेदक की ओर से धनंजय महतो आदि ग्रामीण मौजूद थे।

तीन नामजद आरोपी गिरफ्तार, गये जेल

सरैयाहाट। हंसडीहा थाना क्षेत्र के धमनाकुंडा गांव से किशोरी को अगवा करने मामलें में पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए किशोरी को बरामद कर तीन नामजद आरोपी को गिरफ्तार करके गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। उक्त मामलें को लेकर किशोरी के पिता ने हंसडीहा थाना में आवेदन देकर किशोरी को बरामद करने सहित उचित कार्यवाही की गुहार पुलिस से लगाई थी। मामलें को गंभीरता से लेते हुए पुलिस द्वारा कांड संख्या 21/25 दर्ज कर जांच शुरू की और मामला दर्ज होने के 24 घन्टे के भीतर किशोरी को बरामद कर लिया साथ ही आरोपी युवक अरुण कुमार राउत, अरुण दास और उसके साथी राजीव दास को हंसडीहा चौक से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया वहीं किशोरी को मेडिकल जांच के लिए मेडिकल कॉलेज दुमका भेजा गया है।

बॉटनिकल सर्विस ऑफ इंडिया के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक छात्रों को प्रशिक्षण भी देंगे

वैज्ञानिक करेंगे अनुभवों को साझा

दो दिवसीय कार्यशाला को लेकर हुई बैठक, कार्यशाला आयोजित होगी 10 मार्च से

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान के स्नाकोत्तर विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला की तैयारियों को लेकर गुरूवार को बैठक आयोजित हुई। कार्यशाला 10 और 11 मार्च को आयोजित होगी। जिसमें बॉटनिकल सर्विस ऑफ इंडिया के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक अपने ज्ञान और अनुभव साझा करेंगे। इस कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में डॉ जीवन सिंह जलाल, डॉ गोपाल कृष्णा, डॉ सुमन गूंटेट, डॉ श्याम विश्वा और डॉ की जयंती शामिल होंगे। रिर्सास पर्सन न केवल अपने शोध और अनुभव साझा करेंगे, बल्कि छात्रों को प्रत्यक्ष प्रशिक्षण भी प्रदान करेंगे। कार्यशाला की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के वित्त पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिन्हा ने करते हुए कई महत्त्वपूर्ण निर्देश दिए। इस अवसर पर वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ एस एल बोडिया ने कहा कि यह कार्यशाला छात्रों के लिए बेहद लाभकारी और ज्ञानवर्धक होगी। जिससे उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। बैठक में विश्वविद्यालय के कई प्रोफेसर, रिसर्च स्कॉलर और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। प्रमुख रूप से डा स्नेहा, डॉ बास्की नीरज, डॉ अमर दास, डॉ अनीता चक्रवर्ती, डॉ सैमुअल किस्कू और डॉ अभिजीत घोष आदि मौजूद रहे। वनस्पति विज्ञान विभाग के छात्रों में इस कार्यशाला को लेकर काफी उत्साह है। सभी इसे एक महत्वपूर्ण और यादगार अनुभव मान रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन इसके सफल आयोजन के लिए हर संभव मदद कर रही है।

बैठक करते विभागाध्यक्ष व अन्य

दो दिवसीय अंतर्विषयक राष्ट्रीय सेमिनार 5 एवं 6 मार्च को आयोजित हुई

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग छत्तीसगढ़ के शासकीय विश्वनाथ यादव तमस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी कॉलेज दुर्ग के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्विषयक राष्ट्रीय सेमिनार में सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय प्रतिनिधि शामिल हुए। सेमिनार में एसपी कॉलेज दुमका के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष सह मेंटल हेल्थ काउंसलिंग सेंटर के निदेशक डॉ विनोद कुमार शर्मा ने रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिये। सेमिनार 5 एवं 6 मार्च को आयोजित हुई। सेमिनार में डॉ शर्मा ने साइको-सोशल प्रॉब्लम्स ऑफ बैकवर्डनेस ऑफ ट्राइबल्स इन संताल परगना विषय पर अपना पेपर प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ शर्मा ने ट्राइबल्स के समस्याओं की चर्चा करने से ज्यादा जरूरत उन्हें सशक्त करने और उनके मनोदशा को सुधारने की जरूरत पर जोर दिया। ट्राइबल्स के प्रति मौजूद नेगेटिव कॉग्निशन को दूर कर उसके संस्कृति को उन्नत और समृद्ध बनाने की जरूरत बताया। चुकी संताल या आदिवासियों की संस्कृति में ही भारतीय संस्कृति का अस्तित्व रचा बसा है।

सेमिनार को संबोधित करते मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष

सदस्यों ने की प्रबंधक के साथ एजेंडा बैठक

20 सूत्री मांगों पर बनी सहमति

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो /फुसरो(बेरमो)। सीसीएल ढ़ोरी के खास ढ़ोरी परियोजना के इंडियन नेशनल माइन ऑफिशियल एवं सुपरवाइजरी स्टॉप एसोसिएशन (इनमौसा) कि एजेंडा बैठक खास ढ़ोरी परियोजना पदाधिकारी कार्यालय मे हुई। इनमोसा के तरफ से ढोरी खास के अध्यक्ष हीरालाल रविदास तथा प्रबंधन के तरफ से परियोजना पदाधिकारी रंजीत कुमार ने अध्यक्षता की।

इनमोसा के सदस्यों ने पूर्व में दिए अपने 20 सूत्री मांगों पर क्रमबद्ध वार्ता की। मैंन पावर ड्रीस्ट्रीबुशन का प्रति पाली प्रभारी को दिया जाय। माइनिंग स्टाफों को सैप सौफ्टवेयर के अनुसार एमआईआर के स्थान पर डी/आर रीडकिया जा रहा है, सुधारा जाय। प्रत्येक पाली में ट्रीम्बर मिस्त्री औजारयुक्त नियुक्त किया जाय। रविवार को आइडियल डे के रूप में खदानों का संपूर्ण निरीक्षण कराया जाए। दोनों खदानों में ग्रीन रूफ सपोर्ट का व्यवस्था दिया जाय। रूफ बोलटिंग हेतु सीमेंट एवं अनकोर टेस्टिंग मशीन बेस्ट क्वालिटी का मंगवाए जाए। डीजीएमएस के द्वारा दिया गया 'स्वीकृत पत्र का पालन किया जाय। दोनो भुमिगत खदानों में प्रत्येक एसडीएल एम/सी में एक-एक माईनिंग सरदार नियुक्त किया जाय। बरसात की मौसम को ध्यान में रखते हुए सब्सिडेंस एवं पंप की निरीक्षण हेतू माइनिंग स्टाफ नियुक्त किया जाय। नेशनल सेफ्टी कॉन्फ्रेंस 11 और 12 की परामर्श को ढोरी खास कोलियरी में सुचारू रूप से लागू करवाया जाय। माईनिंग स्टाफ के लिए अलग से एक-एक रूम बनवाया जाय। पोर्टेबल मेगजिन को अविलम्ब चालू करवाया जाय। समय-समय पर मॉक रिहर्सल करवाया जाय। श्री रविदास ने कहा कि कहा कि इनमौसा के सभी सदस्य सुरक्षा के साथ उत्पादन में कदम से कदम मिला कर चलते आ रहे है। इसके बावजुद इनमौसा के सदस्यों के साथ हमेंशा दोहरी निति निभाया जाता रहा है। लगभग 2 वर्ष पूर्व 15 सूत्री मांग पत्र दिया गया था, पर समस्याएं घटना पर जगह बढ़ती जा रही है। पीओ श्री कुमार ने कहा कि इनमौसा के सदस्यों की मांगे पूरा ध्यान दिया जाएगा। इनमौसा के सदस्यों की वजह से ही कोयला उत्पादन किया जा रहा है। उन्होंने सभी सदस्यों से आग्रह करते हुए कहा कि अभी उत्पादन का महीना चल रहा है।

कोयला देश की जरूरत है, इसके सुरक्षित उत्पादन में अपना सहयोग दें। मौके पर खान प्रबंधक मृत्युंजय कुमार सिंह, प्रोजेक्ट इंजीनियर अभिषेक कुमार, कार्मिक प्रबंधक सीताराम यूईके, फाइनेंस मैनेजर संदीप झा, असिस्टेंट मैनेजर मयंक सिंह, डॉक्टर बी सतीश, इनमौसा के सदस्यों मे क्षेत्रीय अध्यक्ष तुलसी प्रसाद महतो, कुमार नीरज, एस नोनिया, पंकज कुमार, भोलानाथ सिंह, मयंक कुमार, श्याम पद बावड़ी, बसंत कुमार सिंह, नीरज कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार यादव, पवन कुमार रजक, नारायण महतो आदि मौजूद थे।

मानव संसाधन के ज्ञानार्जन व विकास विभाग में

हाइड्रोलिक ट्रेनिंग किट की कमीशनिंग

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में हाइड्रोलिक ट्रेनिंग किट की कमीशनिंग एवं पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। मेसर्स रेक्सरॉथ के विशेषज्ञ और अनुभवी फैकल्टी श्री अनुभव जैन तथा सुश्री पूर्वी के सहयोग से उक्त कार्यक्रम में बीएसएल के विभिन्न विभागों के 16 अधिशासी प्रशिक्षणार्थी के रूप में सम्मिलित हो रहे हैं। कार्यक्रम के उदघाटन सत्र में सीजीएम शॉप्स एवं अतिरिक्त प्रभार अनुरक्षण जेवी शेखर तथा जीएम ज्ञानार्जन एवं विकास डीआर टोप्पो उपस्थित थे। प्रबंधक जय नारायण यादव ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी। सीजीएम श्री शेखर ने सभी प्रतिभागियों से इस कार्यक्रम को अन्तः क्रियात्मक बनाकर अधिकतम ज्ञान अर्जित करने तथा अपने अर्जित ज्ञान को विभाग के लोगों के साथ साझा करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रबंधक जय नारायण यादव ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के वरीय ओपरेटिव नवनीत कुमार सिंह तथा ओसीटीटी भीम प्रसाद का सराहनीय योगदान रहा।

आम लोगों के स्वास्थ्य की निशुल्क जांच शिविर आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। रोटरी क्लब चास द्वारा पीपीएच कार्यक्रम के अंतर्गत आम लोगों के स्वास्थ्य का निशुल्क जांच शिविर बायपास रोड चास स्थित डीएस प्लाजा में लगाया गया। रोटरी चास के अध्यक्ष विनोद चोपड़ा ने कहा कि अब लोग स्वास्थ्य के प्रति अधिक शिक्षित और जागरूक हो रहे हैं। शिविर में डॉ सुमन ने कहा कि किसी बीमारी का इलाज करने की तुलना में उसे रोकना बेहतर होता है। डॉ श्रवण ने जांच करते हुए कहा कि लोग समस्याओं होने पर डॉक्टर के पास जाते हैं लेकिन नियमित जांच से समस्या का निदान संभव है। कार्यक्रम के संयोजक भवनीत सिंह बिंद्रा ने कहा की उम्र बढ़ने के साथ नियमित जांच आवश्यक हो जाती है और नियमित जांच का प्रकार भी बदल जाता है। श्री बिंद्रा ने कहा बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित जांच को अनदेखा नहीं करना चाहिए।

सचिव मुकेश अग्रवाल ने कहा कि स्वास्थ्य जांच अभियान के तहत यह चौहदवा जांच शिविर है। मुकेश अग्रवाल ने बताया कि शिविर में 60 लोगों के स्वास्थ्य की निशुल्क जांच की गई। कई लोगों में मधुमेह और उच्च रक्तचाप की समस्या पाई गई उन्हें चिकित्सीय सलाह भी दी गई।

इंस्पायर मानक अवार्ड में डीपीएस बोकारो के 4 विद्यार्थियों ने मारी बाजी

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। डीपीएस बोकारो के चार विद्यार्थियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा संचालित इंस्पायर मानक अवार्ड योजना में सत्र 2024-25 के लिए विद्यालय के चयनित किया गया है। इनमें सातवीं कक्षा की छात्रा श्रेष्टा चतुर्वेदी कक्षा 8 की आयुषी शर्मा नौवीं कक्षा के आरुष प्रियदर्शी तथा 10वीं के कृष वर्मा के नाम शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक विद्यार्थी को भारत सरकार की ओर से जिला-स्तरीय प्रदर्शनी सह प्रोजेक्ट प्रतियोगिता के लिए अपना नवोन्मेषी आविष्कार तैयार करने के निमित्त 10 हजार रुपए की प्रोत्साहन सह सहयोग राशि प्रदान की जाएगी। सभी को सरकार की तरफ से प्रमाण-पत्र जारी किए गए हैं। श्रेष्टा चतुर्वेदी ने वेब एवं मोबाइल आधारित वाटर मैपिंग मॉनिटरिंग सिस्टम इजाद किया है। आयुषी शर्मा ने बीच रास्ते वाहन चालकों को झपकी आ जाने से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में महत्वपूर्ण आविष्कार किया है। वहीं आरुष प्रियदर्शी ने दोपहिया वाहन चालकों को बारिश और धूप से बचाव के लिए मोड़ने योग्य छाता बनाने का प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया है। जबकि कृष वर्मा ने दृष्टिबाधित लोगों के लिए एक ऐसा हेडबैंड तैयार किया है जो उसे पहनने वाले को रास्ते में पड़ने वाले अवरोधक-शरीर से उसकी दूरी व उसके आकार और लंबाई आदि के बारे में कान में छोटे स्पीकर के जरिए बता देगा। प्राचार्य डॉ एएस गंगवार ने चयनित सभी छात्र-छात्राओं को उक्त योजना के आगामी चरणों के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए पूरे मनोयोग के साथ काम करने और विद्यालय का नाम रोशन करने का संदेश दिया।

खबर एक नजर में

स्वांग झामुमो कार्यालय में मजदूरों ने पत्रकारों के सामने रखी अपनी दर्द भरी गाथा

गोमिया। झारखंड मुक्ति मोर्चा स्वांग पुराना माइनस स्थित कार्यालय में गुरुवार को मजदूरों ने पत्रकारों को बताया कि हम सभी रेफरेंस नंबर 58/1992 सेंट्रल गर्वनमेंट इंडस्ट्रियल ट्रिब्यूनल -1 धनबाद के अवार्डधारी होने के नाते सीसीएल प्रबंधन के द्वारा नियुक्ति नहीं मिलने पर काफी मर्माहत हैं. कहा कि इस बारे में प्रबंधन को कई बार पत्राचार किया गया और प्रबंधन के साथ कई बैठकें भी हुई, लेकिन अभी तक प्रबंधन द्वारा कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है.पिछले दिनों 20 फरवरी को हम मजदूरों ने प्रबंधन को इस बारे में पत्र सौंपा था और हमलोगों को बताया गया था कि 15 दिनों के अंदर इस मामले पर उचित कारवाई की जाएगी. लेकिन इस बारे में कोई कारवाई नहीं की गई है. इसलिए हम मजदूर बाध्य होकर 17 मार्च से सीसीएल महाप्रबंधक कार्यालय कथारा के समक्ष अनिश्चितकालीन आमरण अनशन करेंगे. मौके पर मजदूर महेंद्र रजक, कोलेश्वर प्रजापति, शिवराम निषाद एवं श्रीमती देवी उपस्थित थे। इधर झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के नेता मुमताज आलम ने बताया कि ये मजदूर सेंट्रल गर्वनमेंट इंडस्ट्रियल ट्रिब्यूनल - एक धनबाद से अवार्डधारी हैं और इनके जगह पर कोई दूसरा व्यक्ति नौकरी कर रहा था और जांचोपरांत उनलोगों को प्रबंधन द्वारा बर्खास्त भी कर दिया गया है.उसके पश्चात मजदूरों ने अपनी नियुक्ति को लेकर कई बार प्रबंधन को पत्र लिखा और यूनियन के माध्यम से भी वार्ता किया गया, लेकिन मजदूरों को आज तक सिर्फ आश्वासन ही दिया गया है.मजदूर अब बाध्य होकर महाप्रबंधक कार्यालय कथारा के समक्ष 17 मार्च से आमरण अनशन करेंगे।

67वां नवाह्न श्री श्री राम चरित्र मानस पाठ एवं महायज्ञ के आठवां दिन उमड़ा श्रद्धालुओं की भीड़

करगली (बेरमो)। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत करगली गेट में मानस सत्संग समिति बेरमो के द्वारा 67वाँ नवाहन श्री श्री राम चरित्र मानस पाठ एवं महायज्ञ के आठवां दिन गुरूवार को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हजारों हजार की श्रद्धालु यज्ञ परिसर में पहुंचकर परिक्रमा की तथा भगवान की पूजा अर्चना की। आज यज्ञ की पूणार्हुति है सुबह 10:30 बजे भगवान श्री रामचंद्र जी का राज सिंहासन किया जाएगा। मौके पर यज्ञ के स्वागतध्यक्ष मनोज सिंह और सुशील सिंह, नितेश सिंह, अर्चना सिंह तथा निरंजन सिंह उर्फ रंजू ने श्रद्धालुओं से आग्रह करते हुए कहा की यज्ञ के पूणार्हुति और राज सिंहासन के दिन जरूर आये और भगवान का आशीर्वाद ले। 67वां मानस महायज्ञ मिथिलाकुंज अयोध्या से आये मानस मर्मज्ञ वैष्णव संतस्वामी पूज्य यज्ञाचार्य श्री श्री 1008 राम बिहारी शरण जी महाराज कि अध्यक्षता मे आयोजन हो रहा है। जमुई मुंगेर बिहार से पधारे पूज्य श्री सदानंद मिश्रा तथा उनकी टीम के द्वारा रामचरित मानस के पाठ कराने से करगली गेट सहित आस पास का क्षेत्र भक्तिमय हो गया। बैधनाथ धाम देवघर से पधारे परम पूज्य पंडित मिथिलेश मोदगल्य ने रामचरितमानस का पाठ करवाये। दर्जनों की संख्या मे श्रद्धांलू यज्ञ परिसर में बैठकर श्री रामचरितमानस का पाठ किया। वही बुधवार की रात्रि यज्ञ के पांचवा दिन उज्जैन से पधारे श्री श्री लोकेशानन्द शास्त्री जी के द्वारा संगीतमय मानस परिवचन किया गया। कहा कि त्याग का सुंदर

पेज एक का शेष

चान्हो में डबल मर्डर से दहशत

हत्याकांड में चार गिरफ्तार : चान्हों हत्याकांड पर रांची के ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि दोहरे हत्याकांड को लूट कांड के दौरान अंजाम दिया गया था। कांड में शामिल चार अपराधी जितेंद्र यादव, अरविंद यादव, सूरज पाहन और अफरोज अंसारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से आश्रम से लूटे गये रुपये, चांदी की चेन और हत्या में प्रयोग किया गया हथियार भी बरामद कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस दोहरे हत्याकांड के बाद पुलिस अपराधियों को गिरफ्तार करने में तेजी से जुटी हुई थी। गोलीबारी में आश्रम के साधु की मौके पर मौत हो गयी थी, लेकिन राजकुमार यादव घायल अवस्था में पड़ा हुआ था। मौत से पहले राजकुमार यादव ने अपराध कर्मियों का हुलिया पुलिस को बताया था। राजकुमार यादव ने अपने बयान में ये अभी बताया था कि आश्रम में लूटपाट की गयी थी। इसी दौरान विरोध करने पर आश्रम के साधु और उन्हें गोली मारी गयी। बयान देने के बाद घायल राजकुमार यादव की मौत हो गयी। राजकुमार यादव के बयान के बाद पुलिस के द्वारा एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया। छापेमारी दल ने दिनभर अपराधियों के ठिकाने पर छापेमारी की और शाम होते होते तक दोहरे हत्याकांड में शामिल चारों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों ने पुलिस के सामने स्वीकार किया है कि उन्होंने देर रात आश्रम में लूटपाट करने की योजना बनायी थी। साधु और राजकुमार यादव ने उनका जबरदस्त विरोध कर दिया इसकी वजह से उन्हें गोली चलानी पड़ी जिसमें दोनों की मौत हो गयी।

भाजपा विधायक दल ने मरांडी को चुना नेता

ओबीसी मोर्चा बजे राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद के लक्ष्मण ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम झारखंड में भी डबल इंजन सरकार बनाकर विकसित झारखंड बनायेंगे। इस अवसर पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जनता की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा कि सबको साथ लेकर चलूंगा और सबके साथ मिलकर सदन से सड़क तक झारखंड केलिए संघर्ष करूंगा। बैठक में डॉ रवींद्र कुमार राय, विधायक राज सिन्हा, नागेंद्र महतो, नीरा यादव, सत्येंद्र नाथ तिवारी, शशिभूषण मेहता, नवीन जायसवाल, मनोज यादव, अमित यादव, डॉ मंजु कुमारी, पूर्णिमा साहू, रागिनी सिंह, उज्वल दास, शत्रुघन महतो, आलोक चौरसिया, देवेंद्र कुंवर, प्रकाश राम, रोशन लाल चौधरी, प्रदीप प्रसाद उपस्थित थे। श्री मरांडी को आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, मनोज सिंह, विकास प्रीतम, दीपक बंका, गणेश मिश्र, सरोज सिंह, शिवपूजन पाठक, अशोक बड़ाईक, अविनेश कुमार सिंह, प्रतुल शाहदेव, अजय शाह आदि ने बधाई दी है।

राष्ट्रीय पार्टी बनने की ओर झामुमो अग्रसर

60 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य: झामुमो ने इस बार सदस्यता अभियान का लक्ष्य 60 लाख रखा है, जो पिछले अभियान के 50 लाख से अधिक है। झामुमो महासचिव के अनुसार, पार्टी को लगातार बढ़ता जनसमर्थन मिल रहा है, जिसे देखते हुए इस बार सदस्यता अभियान को और विस्तृत किया गया है। उन्होंने कहा कि झामुमो ने 16 जनवरी से पंचायत समिति से लेकर जिला समिति तक सभी संगठनात्मक इकाइयों को भंग कर दिया था। इसके बाद से नए सिरे से सदस्यता अभियान और संगठनात्मक ढांचे के पुनर्गठन का कार्य जारी है। 31 मार्च तक सभी जिला, ब्लॉक और मंडल कमेटियों का गठन पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। महाधिवेशन के बाद 15 अप्रैल से फिर से नया सदस्यता अभियान शुरू किया जायेगा।

पीओके की वापसी

बौखलाया पाकिस्तान, उगला जहर : पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को लेकर दिए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान ने कहा कि भारतीय विदेश मंत्री का बयान आधारहीन है। इससे पहले लंदन में एस जयशंकर ने पाकिस्तान को पीओके को लेकर कड़ी फटकार लगायी थी। पाकिस्तानी प्रवक्ता ने कहा कि भारतीय विदेश मंत्री का बयान जमीनी हकीकत को नहीं दिखाता है। पाकिस्तानी प्रवक्ता ने बिना मांगे ही नसीहत दी कि भारत आवश्यक रूप से जम्मू कश्मीर को खाली करे। लंदन के चैथम हाउस थिंक टैंक के कार्यक्रम में जयशंकर से पाक पत्रकार निसार ने सवाल किया था कि क्या पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल कश्मीर समस्या को हल करने के लिए कर सकते हैं। इस पर जयशंकर ने कहा कि समस्या बचेगी ही नहीं, अगर पाकिस्तान कश्मीर के एक हिस्से (पीओके) से अपना कब्जा छोड़ दे।

स्पीड न्यूज

होली पर चलेगी एक वंदे भारत सहित 15 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

हाजीपुर। रेलवे ने होली के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दिल्ली और बिहार के अलग अलग स्टेशनों के बीच एक वंदे भारत समेत 15 स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने गुरुवार को बताया कि नई दिल्ली-पटना वंदे भारत स्पेशल (02436-02435) 08 मार्च से 20 मार्च तक (सोमवार को छोड़कर) नई दिल्ली से सुबह 08:30 बजे खुलेगी और उसी दिन रात 22:30 बजे पटना पहुंचेगी।

'आरसी 16' जाह्नवी का फर्स्ट लुक जारी

मुंबई। मेकर्स ने आरसी16 से जाह्नवी कपूर का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है, जिसे देखकर फैंस बेहद उत्साहित हैं। जाह्नवी कपूर ने गुरुवार को अपना 28वां जन्मदिन मनाया। मेकर्स ने एक फोटो शेयर की जिसमे जाह्नवी अपने हाथों में एक भेड़ का बच्चा पकड़े नजर आ रही हैं। जाह्नवी फिल्म में उत्तराखंड के एक गांव की लड़की की भूमिका निभा रही हैं। राम चरण और जाह्नवी कपूर के बीच रोमांस भी देखने को मिलेगा।

अमेरिका में 12 चीनी नागरिक गिरफ्तार

बीजिंग। अमेरिका ने कहा है कि देश में बड़े पैमाने पर सरकारी एजेंसियों समेत विभिन्न संस्थानों को हैकिंग के जरिये निशाना बनाने के आरोप में 12 चीनी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है। एफबीआई, नौसेना आपराधिक जांच सेवा तथा विदेश और वित्त विभागों ने चीन के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय (एमपीएस) के दो अधिकारियों सहित 12 चीनी नागरिकों को किया गिरफ्तार।

छत्तीसगढ़ में शेर के हमले में किसान घायल

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के तखतपुर में बुधवार देर रात धान की फसल की रखवाली करने खेत गए एक किसान पर शेर ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों के अनुसार, यह घटना तखतपुर थाना क्षेत्र के गाड़ाघाट में उस दौरान हुई, जब एक किसान शिव कुमार जायसवाल धान की फसल की रखवाली करने खेत गये हुए थे। तभी शेर ने अचानक उस पर हमला किया।

रायपुर में कार और ट्रक की भिड़ंत,पांच की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में गुरूवार को तेज रफ्तार कार और ट्रक में आमने- सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। मृतकों में महिला भी शामिल है। जानकारी के अनुसार पूरा मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के उमरिया गांव के पास गुरुवार की दोपहर का है। यहां राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर उमरिया के मयूर कॉलेज के समीप ट्रक की टक्कर से कार सवार 5 लोगों की मौत हो गई है।

जेपी गंगा पथ का अंतिम चरण 31 मार्च तक होगा पूरा : मंत्री

पटना। बिहार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने आज कहा कि राजधानी पटना में दीघा से दीदारगंज तक 21 किलोमीटर लंबे जेपी गंगा पथ का अंतिम चरण 31 मार्च तक पूरा हो जाने से शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव में कमी आएगी और उत्तर बिहार से पटना आने-जाने वालों के सफर में आसानी होगी। श्री नवीन ने गुरुवार को कंगन घाट से दीदारगंज तक बने पांच किलोमीटर लंबे पुल का निरीक्षण और निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि यह परियोजना उत्तर बिहार और पटना के बीच यातायात को सुगम बनाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दीदारगंज से शहर में प्रवेश करने में दो घंटे तक का समय लग जाता है लेकिन इस कनेक्टिविटी से यात्रा का समय कम हो जाएगा।

जेलेंस्की का हो सकता है तख्तापलट

यूक्रेन की विपक्षी नेता से ट्रंप की टीम ने की बातचीत

एजेंसी

- यूक्रेन में जल्द चुनाव कराना चाहता है यूएसए
- टीएम के अधिकारियों ने विपक्षी नेता व पूर्व पीएम टिमोशेंको से की बात
- बातचीत यूक्रेन में तेजी से राष्ट्रपति चुनाव कराने के लिए इर्द-गिर्द घूमती रही
- ओवल ऑफिस में हुयी थी ट्रंप और जेलेंस्की में बहस

कीव। वाइट हाउस के ओवल ऑफिस में डोनाल्ड ट्रंप को आंख दिखाने वाले यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमीर जेलेंस्की का कभी भी तख्तापलट हो सकता है। ओवल ऑफिस में हुई बहस के करीब एक हफ्ते के बाद डोनाल्ड ट्रंप की टीम के कम से कम चार अधिकारियों ने यूक्रेन के विपक्षी नेताओं के साथ बात की है। इस बातचीत में रूस के साथ संबंध को सुधारने पर बातचीत की गई है। पोलिटिको की एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि ट्रंप टीम के वरिष्ठ अधिकारियों ने यूक्रेनी विपक्षी नेता यूलिया टिमोशेंको से बात की है। टिमोशेंको देश की पूर्व प्रधानमंत्री रह चुकी हैं और पेट्रो पोरोशेंको की पार्टी की वरिष्ठ सदस्य हैं, जिसमें पहले जेलेंस्की भी थे। पोलिटिको ने खुलासे में कहा कि ये बातचीत यूक्रेन में तेजी से राष्ट्रपति चुनाव करवाने के इर्द-गिर्द घूमती रही। बता दें कि फिलहाल यूक्रेन में मार्शल लॉ लगा हुआ है और मौजूदा हालातों में चुनाव नहीं हो सकते हैं। आलोचकों का कहना है कि अगर युद्ध के हालात में यूक्रेन में चुनाव करवाए जाते हैं तो राजनीतिक अव्यवस्था का निर्माण हो सकता है और इससे रूस को ही फायदा होगा। इसके अलावा आलोचकों का ये भी सवाल है कि अगर चुनाव होंगे भी तो उन इलाकों का क्या होगा जहां रूस ने कब्जा जमा लिया है? डोनाल्ड ट्रंप इलेक्शन करवाने में हो रही देरी की बार बार आलोचना कर चुके हैं। पिछले साल राष्ट्रपति जेलेंस्की का शासनकाल खत्म हो गया था और उसके बाद से ही रूस लगातार उन्हें यूक्रेन का अवैध नेता कहता आया है। लेकिन इस हकीकत से इनकार नहीं किया जा सकता है कि देश का बड़ा हिस्सा अभी भी युद्ध में फंसा हुआ है, देश की एक बड़ी आबादी विस्थापित हो चुकी है, लाखों लोगों को देश से बाहर शरणार्थी के तौर पर रहना पड़ रहा है, लिहाजा क्या ऐसे हालात में निष्पक्ष चुनाव हो पाएंगे? अगर आनन फानन में चुनाव करवाए भी जाते हैं तो जो लोग विस्थापित बनकर देश से बाहर हैं क्या वो वोट डाल पाएंगे? चुनाव की मांग करना तो फिर भी अलग बात है लेकिन विपक्षी नेताओं से ट्रंप टीम की बातचीत क्या यूक्रेन की राजनीति में अमेरिका का दखल नहीं है? विपक्षी नेताओं से बात दशार्ता है कि डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन की अंदरूनी राजनीति में दखलअंदाजी कर रहे हैं। टिमोशेंको से बात करने वाले डोनाल्ड ट्रंप के सहयोगियों ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि चल रहे युद्ध और सरकार के भीतर व्यापक भ्रष्टाचार की वजह से जेलेंस्की वोट खो देंगे। हालांकि जेलेंस्की ने वाकई अपनी लोकप्रियता खो दी थी लेकिन पिछले हफ्ते ट्रंप से बहस के बाद उनकी लोकप्रियता में जबरस्त उछाल देखने को मिला है। दूसरी तरफ इस हफ्ते अमेरिका की वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने उन दावों को खारिज कर दिया कि डोनाल्ड ट्रंप, यूक्रेनी राजनीति को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप की एकमात्र दिलचस्पी यूक्रेन युद्ध में शांति खोजना है।

यूक्रेन के होटल में रूस का हमला, चार की मौत

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने एक्स पोस्ट में कहा है कि रूस ने क्रिवी रिह में एक होटल पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। होटल में पूरी रात बचाव अभियान जारी रहा। हमले से कुछ समय पहले एक मानवाधिकार संगठन के कार्यकर्ता यहां थे। गनीमत रही कि हमले से कुछ समय पहले सब होटल से बाहर चले गए। इस हमले में चार लोंगों की मौत हो गई और कम से कम से 30 घायल हो गए। जेलेंस्की ने कहा कि हमले में बाल-बाल बचे मानवाधिकार कार्यकर्ताओं में यूक्रेन, अमेरिका और ब्रिटेन नागरिक शामिल हैं। उन्होंने मिसाइल हमले में मारे गए लोगों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति संवेदना जताई है। राष्ट्रपति ने कहा कि घायलों को आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई है। होटल के आसपास की कई इमारतें भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड के मुखवा मंदिर में की पूजा

उत्तरकाशी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को उत्तराखंड के गंगोत्री के शीतकालीन प्रवास मुखवा मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ ही हर्षिल से उच्च हिमालय क्षेत्र के अनछुए ट्रैक नीलपानी-मुलुंगला, जनकताल, जादुंग, मोटर बाइक एवं एटीवी-आरटीवी ट्रैकिंग अभियानों को फ्लैग ऑफ कर नया इतिहास रचा है। पहली बार उत्तराखंड की शीतकालीन यात्रा को विश्वस्तर पर प्रोत्साहन मिला है।

मोदी ने उत्तराखंड विंटर पर्यटन की ब्रांडिंग की

देहरादून। एक दिवसीय शीतकालीन यात्रा पर गुरुवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुखवा और हर्षिल से उत्तराखंड में शीतकालीन तीर्थाटन और पर्यटन की जोरदार ब्रांडिंग की। उन्होंने तीर्थयात्रियों, पर्यटकों से लेकर कॉरपोरेट और फिल्म उद्योग तक को विंटर सीजन में उत्तराखंड आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने उत्तराखंड के विंटर टूरिज्म की ब्रांडिंग घाम तापो टूरिज्म के तौर पर की है। प्रधानमंत्री ने सबसे पहले बीते दिनों माणा में हुए हिमस्खलन में दिवंगत लोगों के प्रति दुखः व्यक्त किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की यह भूमि, आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत प्रोत है। उन्होंने उत्तराखंड से अपना आत्मीय लगाव, व्यक्त करते हुए कहा कि वो जीवनदायिनी मां गंगा के शीतकालीन गद्दी स्थल पर अपने परिवारजनों के बीच पहुंचकर धन्य महसूस कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मां गंगा की कृपा से ही उन्हें दशकों तक उत्तराखंड की सेवा का सौभाग्य मिला। मां गंगा के आशीर्वाद से ही वह काशी पहुंच, सांसद के रूप में काशी की सेवा कर रहे हैं।

वन-स्टॉप सेंटर में 10 दिनों तक ठहर सकेंगी घरेलू हिंसा पीड़िता

यह पहल सरकार के व्यापक प्रयास का हिस्सा : अन्नपूर्णा देवी

खबर मन्त्र संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार घरेलू हिंसा से पीड़िता के लिए वन-स्टॉप सेंटर (ओएससी) में ठहरने की अवधि को मौजूदा पांच दिनों से बढ़ाकर दस दिन करने की तैयारी कर रही है। विशेष मामलों में यह अवधि में बढ़ाकर 15 दिनों तक की जा सकेगी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के लिए राष्ट्रीय राजधानी पहुंची झारखंड की महिला पंचायत नेताओं और सरपंचों के लिए बुधवार शाम डिनर की मेजबानी करते हुए मीडिया को यह जानकारी दी। फिलहाल, हिंसा पीड़िता को पांच दिनों तक का अस्थायी आश्रय प्रदान किया जाता है, जिसमें सभी उम्र की महिलाएं शामिल हैं। प्रस्तावित विस्तार का उद्देश्य पीड़ित को उनके पुनर्वास के दौरान बेहतर सहायता प्रदान करना है। लंबे समय तक सहायता की आवश्यकता वाली पीड़िताओं को वन स्टॉप सेंटर सरकारी या गैर सरकारी संस्था द्वारा चलाए जा रहे स्वाधार गृह आश्रयों में भेज देती हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि यह पहल सरकार के व्यापक प्रयास का हिस्सा है, जो हिंसा से प्रभावित महिलाओं के लिए समर्थन प्रणाली को मजबूत करने के लिए है, चाहे वह निजी, सार्वजनिक या कार्यस्थल में हो। जल्द ही इसे लागू किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि देश भर में वर्तमान में स्वीकृत 878 वन स्टॉप सेंटर (ओएससी) में से देश भर में 802 ओएससी चालू हैं। इनमें 31 अक्टूबर, 2024 तक 10.12 लाख से अधिक महिलाओं को सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा, शक्ति सदन मिशन शक्ति के तहत सामर्थ्य पहल का एक घटक है। यह तस्करी करके लाई गई महिलाओं सहित संकटग्रस्त महिलाओं के लिए एकीकृत राहत और पुर्नवास गृह है। इसका उद्देश्य संकट की स्थिति में महिलाओं के लिए सुरक्षित और सक्षम वातावरण बनाना है, ताकि वे कठिन परिस्थितियों से बाहर आ सकें।

एसडीपीआइ के पाकुड़ समेत 12 ठिकानों पर इडी का छापा

नयी दिल्ली। इडी ने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के पाकुड़ समेत 12 ठिकानों पर छापेमारी की है। केंद्रीय जांच एजेंसी की ये छापेमारी एसडीपीआई मुख्यालय समेत दिल्ली में दो जगहों की छापेमारी। ईडी ने गुरुवार को एसडीपीआई के करीब 12 ठिकानों पर छापेमारी की। केंद्रीय जांच एजेंसी की छापेमारी नई दिल्ली, लखनऊ, त्चेन्नई, झारखंड में पाकुड़,

एसडीपीआइ के प्रेसिडेंट एम. के फैजी से पूछताछ के बाद हुयी रेड

एसडीपीआई ऑफिस तिरुवनंतपुरम और बेंगलुरु, आंध्र के नांदयाल, महाराष्ट्र के ठाणे, कोलकाता और जयपुर में की। ईडी की छापेमारी एसडीपीआइ के प्रेसिडेंट एम. के फैजी की गिरफ्तारी के उपरांत हुई पूछताछ के बाद की जा रही हैं। फैजी को ईडी ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया था।

2030 तक सड़क हादसे 50 फीसदी कम करने का लक्ष्य : गडकरी

नयी दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि सड़क निर्माण में नयी प्रौद्योगिकी और टिकाऊ निर्माण सामग्री का इस्तेमाल कर सड़क सुरक्षा के लिए रणनीति ढंग से काम करने का गुरुवार को आह्वान किया।

गडकरी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2030 तक दुर्घटनाओं की दर को 50 प्रतिशत तक कम करना है। गडकरी ने कहा कि सकल घरेलू उत्पाद में 3 प्रतिशत की आर्थिक हानि होती है।

नीतीश ने खटारा गाड़ी को बनाया मर्सिडीज

तेजस्वी से चार गुना अधिक काम करते हैं मुख्यमंत्रीः सम्राट चौधरी

खबर मन्त्र संवाददाता

1990 व 2005 के बीच बिहार में एक भी मेडिकल कॉलेज नहीं खुला, अब हर जिले में कॉलेज

पटना। बिहार विधानसभा के बजट सत्र के दौरान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर पलटवार किया। उन्होंने तेजस्वी को बउआ बताया और कहा कि उन्हें जो कुछ भी लिखकर दिया जाता है, उसे सदन में आकर पढ़ देते हैं। सम्राट ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें साल 2005 में खटारा गाड़ी मिली थी, जिसे उन्होंने मर्सिडीज में तब्दील किया। 20 सालों से वे बिहार को सींच रहे हैं। उनके नेतृत्व में बिहार हर मानकों पर तेजी से विकास कर रहा है। चौधरी ने गुरुवार को बिहार विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट पर दो दिनों से चल रही चर्चा के बाद सरकार का उत्तर सदन में रखा। इस दौरान सीएम नीतीश भी सदन में मौजूद थे। सम्राट ने तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तेजस्वी 34 साल के हैं, लेकिन मुख्यमंत्री 74 साल की आयु में भी उनसे चार गुना अधिक काम करते हैं। राज्य के विकास में लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार का कोई योगदान नहीं है। 1990 और 2005 के बीच बिहार में एक भी मेडिकल कॉलेज नहीं खोला गया। अब हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने का निर्णय लिया गया है, कई जिलों में खोल भी दिए गए हैं। सम्राट ने तेजस्वी यादव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होने क्रिकेट भी खेला तो पूरे करियर में कुल महज 37 रन ही बनाए।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी

सेंसेक्स 610 और निफ्टी ने लगाई 207 अंक की छलांग

एजेंसी

- निवेशकों ने 4.43 लाख करोड़ रुपये कमाया
- बैंकमें तरलता बढ़ाने के लिए 12 और 18 मार्च को एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति खरीदेगा आरबीआइ
- ट्रंप के टैरिफ नीति में बदलाव का भारतीय शेयर बाजार पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा

मुंबई । एशियाई बाजारों की तेजी के बीच आरबीआई के बैंकिंग तंत्र में तरलता बढ़ाने के लिए इस महीने एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति खरीदने की घोषणा से उत्साहित निवेशकों की चौतरफा लिवाली की बदौलत गुरुवार को शेयर बाजार ने लगातार दूसरे दिन छलांग लगाई।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 609.86 अंक अर्थात 0.83 प्रतिशत उछलकर करीब दो सप्ताह बाद 74 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 74,340.09 अंक पर पहुंच गया। पिछले लगातार दो दिनों में सेंसेक्स में 1350.16 अंक की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 207.40 अंक यानी 0.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,544.70 अंक पर बंद हुआ।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई।

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 397.47 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 393.04 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.43 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिग्गज कंपनियों की तरह निवेशकों की बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश धारणा मजबूत रही। इससे मिडकैप 0.65 प्रतिशत की मजबूती के साथ 40,009.30 अंक और स्मॉलकैप 1.63 प्रतिशत की छलांग लगाकर 45,265.29 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4103 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 3006 में तेजी जबकि 990 में गिरावट रही वहीं 107 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 38 कंपनियों में लिवाली जबकि अन्य 12 में बिकवाली हुई।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ नीति में बदलाव का भारतीय बाजार पर कोई विशेष प्रभाव पड़ता नहीं दिख रहा है। दूसरी ओर, ट्रंप कनाडा और मैक्सिको के साथ टैरिफ को लेकर समझौते की दिशा में बढ़ रहे हैं, जिससे वैश्विक बाजार में सकारात्मक संकेत देखने को मिल रहे हैं। आरबीआई ने बुधवार को घोषणा की है कि बैंकिंग तंत्र में तरलता बढ़ाने के लिए वह इस वर्ष 12 मार्च और 18 मार्च को दो अलग-अलग चरण में एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति खरीदेगा। साथ ही 24 मार्च को 10 अरब डॉलर/रुपये की खरीद/बिक्री स्वैप ऑक्शन करेगा। इससे निवेशकों में खासा उत्साह रहा और जबरदस्त लिवाली से बाजार को बल मिला।

कच्चे तेल की कीमत में गिरावट जारी

नयी दिल्ली। कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमत में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा गिरकर छह महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड फिलहाल 70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे गिर कर 69.47 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 67 डॉलर के स्तर से नीचे फिसल कर 66.46 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दरअसल, ओपेक और इसके सहयोगी देश द्वारा क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) के उत्पादन में बढ़ोतरी करने का संकेत दिए जाने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत पर लगातार दबाव बना हुआ है। कच्चे तेल का उत्पादन करने वाले कुछ देशों के विरोध के बावजूद ओपेक और इसके सहयोगी देशों के बीच क्रूड ऑयल का उत्पादन बढ़ाने की बात को लेकर आमतौर पर सहमति बन गई है। इन देशों ने अप्रैल के महीने से क्रूड के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है।